सुपरटेक की 16 परियोजनाएं पूरा करे एनबीसीसी : उच्चतम न्यायालय - 8

अगले महीने से लागू हो सकता है भारत अमेरिका व्यापार समझौता : गोयल - 8

एआई से नौकरियां बचाने के लिए दक्षिण कोरिया की संसद में लाया गया विधेयक- 9

दिन-ब-दिन बेहतर महसूस कर रहा हूं : सुमित नागल - 10

आज का मौसम
23.0° अधिकतम तापमान
10.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.57
सूर्यास्त 05.56

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष पंचमी 01:18 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 6 फरवरी 2026, वर्ष 36, अंक 2, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

न्यूज ब्रीफ

डॉ. पवन अरुण बने नए स्वास्थ्य महानिदेशक

अमृत विचार, लखनऊ : परिवार कल्याण महानिदेशक डॉ. पवन कुमार अरुण को प्रदेश का नया स्वास्थ्य महानिदेशक नियुक्त किया गया है। उनके स्थान पर महानिदेशक प्रशिक्षण डॉ. हरि दास अग्रवाल को पदोन्नति देकर महानिदेशक परिवार कल्याण बना दिया गया है। वहीं निदेशक स्वास्थ्य डॉ. रंजना खरे को महानिदेशक पद पर प्रोन्नति देते हुए महानिदेशक प्रशिक्षण नियुक्त किया गया है। स्वास्थ्य विभाग की सचिव रितु महेश्वरी द्वारा इन तीनों पदों पर नियुक्ति एवं पदोन्नति से संबंधित आदेश गुरुवार को जारी कर दिए गए। उल्लेखनीय है कि 31 जनवरी को निवर्तमान स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. रतन पाल सिंह सुमन के सेवानिवृत्त होने के बाद से यह पद रिक्त चल रहा था। शासन ने पदोन्नति के माध्यम से इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्ति कर प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ किया है।

दिव्यांगजन रोजगार अभियान 2.0 आज से

अमृत विचार , लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार एक और अहम पहल करने जा रही है। उप्र. कौशल विकास मिशन द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में 6 से 13 फरवरी तक "दिव्यांगजन रोजगार अभियान 2.0" संचालित किया जाएगा। इस विशेष अभियान का उद्देश्य दिव्यांगजनों को सेवायोजन के साथ-साथ स्व-रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने गुरुवार को बताया कि अभियान के अंतर्गत विगत तीन वर्षों में कौशल विकास मिशन एवं आईटीआई से प्रशिक्षित अर्ह एवं इच्छुक दिव्यांगजनों को रोजगार से जोड़ा जाएगा। इसके साथ ही जिला स्तर पर उपलब्ध अन्य इच्छुक दिव्यांगजन भी इसका लाभ ले सकेंगे।

इंद्री धाम का 1.27 करोड़ से होगा विकास

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के धार्मिक पर्यटन को सशक्त बनाने की दिशा में पर्यटन विभाग ने प्रयागराज के फूलपुर क्षेत्र स्थित प्राचीन इंद्री धाम मंदिर के पर्यटन विकास एवं सौंदर्यीकरण का निर्णय लिया है। स्कंद पुराण और दुर्गा सप्तशती में वर्णित मां इन्द्री को समर्पित इस पौराणिक स्थल के समग्र विकास पर 1.27 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने गुरुवार को बताया कि इन्द्री धाम श्रद्धा और आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां चैत्र एवं शारदीय नवरात्र में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। उन्होंने बताया कि परियोजना अंतर्गत पहली किस्त के रूप में 30 लाख रुपये जारी किए गए हैं। मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था, प्रवेश द्वार, यात्री शेड, स्टाम्प फ्लोरिंग युक्त मार्ग, बैठने की व्यवस्था, शौचालय, पेयजल, साइनेज एवं म्यूरल आर्ट जैसे कार्य कराए जाएंगे।

कन्वेंशन हाल के लिए एक करोड़ मंजूर

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देश पर प्रतापगढ़ के विकास भवन परिसर में पं. दीनदयाल उपाध्याय कन्वेंशन हाल (अनावासीय भवन) के निर्माण के लिए एक करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। यह राशि चालू वित्तीय वर्ष में तृतीय किश्त के रूप में जारी की गई है। इस संबंध में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा गुरुवार को शासनादेश जारी कर दिया गया है। शासन ने निर्माण कार्य निर्धारित मानकों एवं स्वीकृत लागत के अनुरूप समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। मालूम हो कि परियोजना के लिए कुल 532.10 लाख रुपये की स्वीकृति पहले दी जा चुकी है।

हर ब्लॉक में खुलेंगे पशु औषधि केंद्र, मिलेंगी सस्ती दवाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में पशुपालकों को सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण पशु औषधियां उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रत्येक विकास खंड में एक पशु औषधि केंद्र खोला जाएगा। यह केंद्र प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र की तर्ज पर स्थापित होंगे, जिससे पशुओं के उपचार के लिए सस्ती दरों पर दवाएं सुलभ हो सकें।

लखनऊ के मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश कुमार ने बताया कि पशु औषधि केंद्र खोलने के लिए आवेदक को फार्मासिस्ट का नाम एवं उसका वैध पंजीकरण विवरण, दुकान के लिए न्यूनतम 120 वर्ग फुट स्थान का प्रमाण पत्र तथा ड्रग सेल लाइसेंस का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। डॉ. सुरेश कुमार ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री कृषक समृद्धि केंद्र एवं सहकारी समितियों से जुड़े योग्य लाभार्थियों को प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। यह योजना भारत सरकार की पशुधन स्वास्थ्य एवं बीमारी नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित की जाएगी।

पशु औषधि केंद्र स्थापित करने के इच्छुक आवेदकों को 5000 रुपये शुल्क अदा करना होगा। आवेदन की प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन होगी, इसके लिए इच्छुक अभ्यर्थी http://pashuaushadhi.dahd.gov.in पोर्टल पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

डीबीटी योजनाओं में फैमिली आईडी अब अनिवार्य

सभी योजनाओं को फैमिली आईडी से किया जाएगा लिंक, मुख्य सचिव ने जारी किया शासनादेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने राज्य सेक्टर की सभी डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) योजनाओं और सेवाओं में फैमिली आईडी से शत-प्रतिशत आच्छादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव एसपी गोयल द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार अब सभी पात्र लाभार्थियों के लिए फैमिली आईडी अनिवार्य होगी, ताकि योजनाओं का लाभ सही व्यक्ति तक पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंच सके।

गुरुवार को जारी शासनादेश में कहा गया है कि प्रदेश में संचालित वर्तमान और भविष्य की सभी ऐसी योजनाएं, जो आधार अधिनियम के तहत अधिसूचित हैं या की जाएंगी, उनके अंतर्गत प्राप्त होने वाले प्रत्येक आवेदन में फैमिली आईडी का अंकन अनिवार्य रूप से किया जाएगा। यदि आवेदक की फैमिली आईडी उपलब्ध नहीं होगी तो ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के दौरान फैमिली आईडी बनवाने के लिए स्वतः पॉप-अप संदेश प्रदर्शित किया जाएगा। सरकार द्वारा सभी डीबीटी योजनाओं और सेवाओं को फैमिली आईडी डेटाबेस से लिंक किया जा रहा है। इसका उद्देश्य पात्र लाभार्थियों की सही पहचान, योजनाओं का लक्षित क्रियान्वयन और शत-प्रतिशत संतृप्ति सुनिश्चित करना है। फैमिली आईडी पोर्टल पर वेब आधारित ई-पासबुक भी विकसित की गई है, जिसमें परिवार को प्राप्त सभी सरकारी योजनाओं और सेवाओं का सदस्यवार विवरण देखा जा सकेगा।

शासनादेश के अनुसार फैमिली आईडी डेटाबेस के माध्यम से एडीपी भी उपलब्ध कराया गया है, जिससे परिवार अपनी आयु, आय और पारिवारिक संरचना के आधार पर संभावित पात्र योजनाओं की जानकारी स्वतः प्राप्त कर सकेगा। सरकार का मानना है कि इस व्यवस्था से डुप्लीकेशन रुकेगा, पारदर्शिता बढ़ेगी और जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा।

अब टीबी मरीजों को एसएनए स्पर्श पोर्टल से मिलेगा भुगतान

अमृत विचार, लखनऊ : राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत संचालित निक्षय पोषण योजना के अंतर्गत टीबी मरीजों को दी जाने वाली पोषण सहायता राशि के भुगतान की व्यवस्था में अहम बदलाव किया गया है। अब तक यह भुगतान पीएफएमएस और निक्षय पोर्टल के माध्यम से किया जाता था, लेकिन अब इसे और अधिक पारदर्शी व प्रभावी बनाने के लिए एसएनए स्पर्श पोर्टल से जोड़ा गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवेल ने पत्र जारी कर सभी जिलाधिकारियों, मुख्य चिकित्सा अधिकारियों एवं जिला क्षय रोग अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि निक्षय पोषण योजना का भुगतान निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार एसएनए स्पर्श पोर्टल के माध्यम से समयबद्ध ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) आधारित है, जिससे लाभार्थियों के बैंक खातों में राशि सीधे भेजी जाएगी। इससे न केवल टीबी मरीजों को नियमित पोषण सहायता मिलेगी, बल्कि प्रदेश में क्षय रोग उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने में भी मदद मिलेगी।

किसानों को पांच मिनट में ई-केसीसी से ऋण

मुख्यमंत्री योगी ने राज्य ऋण संगोष्ठी का किया उद्घाटन, बैंकों से ऋण शर्तें सरल बनाने की अपील

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में मंत्री सुरेश खन्ना व सूर्य प्रताप शाही।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डिजिटल गवर्नेंस से प्रदेश में ऋण स्वीकृति प्रक्रिया तेज और पारदर्शी हुई है। एफपीओ, सहकारिता व एमएसएमई से अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। ई-केसीसी के जरिए अब किसानों को 5 मिनट में ऋण मिल रहा है, जबकि पहले एक माह लग जाते थे। उन्होंने बैंकरों से ऋण शर्तें सरल करके किसानों, एफपीओ, एमएसएमई व सहकारिता से जुड़े लोगों को सहयोग देने की अपील की।

मुख्यमंत्री गुरुवार को लोकभवन में आयोजित राज्य ऋण संगोष्ठी के उद्घाटन और राज्य फोकस पेपर वर्ष 2026-27 के विमोचन के बाद बोल रहे थे। उन्होंने बताया कि नए सत्र के लिए कृषि ऋण लक्ष्य 3 लाख करोड़ रुपये है, जो 13 फीसदी अधिक है। पीएम मोदी की प्रेरणा से केंद्रीय बजट में एआई एग्रीकल्चर प्लेटफॉर्म की घोषणा की गई है और प्रदेश इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी देश का पहला राज्य है, जो एमएसएमई सेक्टर को 5 लाख रुपये का सुरक्षा बीमा दे रहा है।

ओडीओपी को टेक्नोलॉजी, मार्केटिंग, पैकेजिंग और डिजाइनिंग से जोड़ने के कारण निर्यात 84 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 1.86 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है। इससे पलायन रुका है। 2016 में 11.7 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था आज बढ़कर 36 लाख करोड़ रुपये पहुंच रही है। प्रति व्यक्ति आय 43 हजार से बढ़कर 1.20 लाख रुपये हो चुकी है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले कई फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन (एफपीओ) को मंच पर सम्मानित किया। कार्यक्रम में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, नाबार्ड के महाप्रबंधक पंकज कुमार और रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय महाप्रबंधक पंकज कुमार उपस्थित रहे।

सहकारिता क्षेत्र में पहले हावी थे माफिया

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र में भी बड़ा परिवर्तन आया है। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2017 से पहले माफिया हावी था और रिजर्व बैंक ने 16 जिला सरकारी बैंकों को डिफाल्टर घोषित कर बंद करने का आदेश दिया था। आज इनमें से 15 बैंक मुनाफे में आ चुके हैं और शेष को भी लाभ में लाने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने बताया कि विश्व बैंक के साथ यूपी एग्री-टेक के क्षेत्र में काम करने वाला देश का पहला राज्य है।

लापता लोगों के मामले में एसीएस गृह व डीजीपी तलब

विधि संवाददाता, लखनऊ

● दो साल में एक लाख से अधिक लोगों के लापता होने का मामला

अमृत विचार : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने प्रदेश में गुमशुदा व्यक्तियों के संबंध में दर्ज स्वतः संज्ञान याचिका पर गुरुवार को सुनवाई की। कोर्ट ने उक्त मामले के संबंध में राज्य सरकार के संबंधित विभागों के पास उपलब्ध सभी आंकड़ों और रिकॉर्ड को तलब किया है । इसके साथ ही कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 23 मार्च की तिथि नियत करते हुए अपर मुख्य सचिव (एसीएस गृह) तथा पुलिस महानिदेशक को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा सुनवाई के समय उपस्थित रहने का भी निर्देश दिया है ।

यह आदेश न्यायमूर्ति राजन राय वह न्यायमूर्ति एके चौधरी की खंडपीठ ने उक्त मामले में दर्ज स्वतः संज्ञान जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। उल्लेखनीय है कि एक गुमशुदा व्यक्ति से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान न्यायालय के संज्ञान में आया कि प्रदेश में पिछले लगभग दो साल में 1,08,300 लोग लापता हो चुके हैं, जिनके संबंध में गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज हैं। इनमें से मात्र 9700 लोगों का पुलिस पता लगा सकी है। न्यायालय ने इस स्थिति को बेहद चिंताजनक व गंभीर करार देते हुए, मामले को 'प्रदेश में गुमशुदा व्यक्तियों के संबंध में' शीर्षक से जनहित याचिका दर्ज करने का आदेश दिया था।

अस्थायी पदों के 205 कर्मियों को राहत

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश के अधीनस्थ न्यायालयों में कार्यरत तकनीकी मैनपावर के 205 अस्थायी पदों को सरकार ने एक वर्ष की और राहत दे दी है। न्याय विभाग द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार इन पदों की निरंतरता 1 मार्च 2026 से 28 फरवरी 2027 तक प्रदान की गई है। यह निर्णय न्यायालयों में ई-कोर्ट और आईसीटी आधारित कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करने के उद्देश्य से लिया गया है। प्रमुख सचिव न्याय उदय प्रताप सिंह की ओर से गुरुवार को इलाहाबाद के महानिबंधक को भेजे गए शासनादेश में बताया गया है कि यह व्यवस्था 14वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के अंतर्गत उच्च न्यायालय की ई-समिति द्वारा पारित प्रस्तावों के क्रम में की गई है। इससे पहले इन्हीं 205 पदों की स्वीकृति 1 मार्च 2025 से 28 फरवरी 2026 तक के लिए दी गई थी, जिसकी अवधि अब बढ़ा दी गई है।

अभ्युदय योजना से जुड़े 77 अभ्यर्थी देंगे साक्षात्कार

● यूपी पीसीएस-2024 की मुख्य परीक्षा में पाई सफलता

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में संचालित मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना ने एक बार फिर अपनी सार्थकता सिद्ध की है। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित पूर्व परीक्षा प्रशिक्षण केंद्रों से मार्गदर्शन प्राप्त कर रहे 77 अभ्यर्थियों ने उत्तर प्रदेश सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (यूपीपीसीएस) 2024 की मुख्य परीक्षा में सफलता अर्जित की है।

अभ्युदय योजना प्रदेश के युवाओं को प्रशासनिक सेवाओं तक पहुंच दिलाने में मील का पत्थर साबित हो रही है। समाज कल्याण विभाग के उप निदेशक आनंद कुमार सिंह ने बताया कि भागीदारी भवन, लखनऊ स्थित कोचिंग केंद्र से 40, अलीगंज स्थित आदर्श परीक्षा केंद्र से 20 तथा हापुड़ स्थित राजकीय आईएएस/पीसीएस कोचिंग केंद्र से 17 अभ्यर्थी यूपीपीसीएस-2024 की मुख्य परीक्षा में सफल हुए हैं। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत अभ्यर्थियों को निःशुल्क आवास, भोजन, पुस्तकालय, ऑनलाइन एवं ऑफलाइन कक्षाएं, विषय विशेषज्ञों का मार्गदर्शन, मुख्य परीक्षा केंद्रित उत्तर लेखन अभ्यास, मॉडल टेस्ट तथा अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाती है।

ग्लोबल होगा यूपी का शहद, महिलाएं करेंगी लांच

अमृत विचार, लखनऊ : एक लाख ग्रामीण महिलाएं शहद उद्यमी बनकर अपना ब्रांड लांच करेंगी। इससे आय में एक लाख रुपये की सालाना वृद्धि का लक्ष्य रखा गया है। यूपी सरकार तैयार शहद को ग्लोबल स्तर पर बाजार उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मिशन विलेज के तहत राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा मधुमक्खी पालन कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसके माध्यम से स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी एक लाख ग्रामीण महिलाएं शहद उत्पादन के साथ-साथ फसलों की उत्पादकता भी बढ़ाएंगी। योजना के अंतर्गत अगले तीन वर्षों में एक लाख ग्रामीण महिलाओं को मधुमक्खी पालक के रूप में विकसित किया जाएगा। लक्ष्य है कि प्रत्येक महिला उद्यमी की वार्षिक आय में लगभग एक लाख रुपये की वृद्धि हो।

पांचवीं तक के छात्रों को मोबाइल पर न दें होमवर्क : डॉ. बबीता चौहान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● महिला आयोग अध्यक्ष ने सभी डीएम को डिजिटल अनुशासन अनिवार्य करने का दिया निर्देश

अमृत विचार: गाजियाबाद में मोबाइल पर कोरियन गेम्स खेलने की लत के चलते तीन बालिकाओं ने आत्महत्या कर ली। इस घटना को राज्य महिला आयोग ने को गंभीरता से लिया है। आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है। कहा कि बालक और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए अब डिजिटल अनुशासन अनिवार्य होगा। कक्षा पांचवीं तक के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में छात्रों को विषम परिस्थितियों को छोड़कर मोबाइल फोन के माध्यम से होमवर्क नहीं दिया जाएगा। साथ ही असाइनमेंट अथवा अन्य शैक्षणिक कार्य कराए जाने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाना सुनिश्चित किया जाए।

महिला आयोग की अध्यक्ष ने गुरुवार को बताया कि प्रथमदृष्ट्या उपलब्ध तथ्यों के अनुसार गाजियाबाद की दुखद घटना की पृष्ठभूमि में मोबाइल फोन पर गेम खेलने की लत ही निकल कर आ रही है। यह घटना समाज एवं शैक्षणिक व्यवस्था के लिये गम्भीर चेतावनी भी है। कोरोना काल में लॉकडाउन की अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण स्कूलों द्वारा मोबाइल फोन के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षण की व्यवस्था की गई थी। किन्तु वर्तमान में सामान्य परिस्थितियां होने के बाद भी अनेक स्कूलों द्वारा बच्चों के होमवर्क, असाइनमेंट एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियां अनिवार्य रूप से व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से भेजी जा रही हैं। जिससे बच्चों के हाथ में निरन्तर मोबाइल उपलब्ध रहने की स्थिति बन गई है। कहा कि यह स्थिति अत्यन्त चिंताजनक है। छोटी उम्र में ही मोबाइल पर अनियंत्रित गेमिंग तथा अन्य अवांछनीय गतिविधियां बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही हैं।

अग्निवीर भर्ती रैली आज से

अमृत विचार, लखनऊ : रिक्रूटिंग जोन उप्र और उत्तराखंड, रिक्रूटिंग ऑफिस (मुख्यालय) लखनऊ के तहत शुक्रवार से छावनी स्थित एएमसी सेंटर और कॉलेज के एएमसी स्टेडियम में अग्निवीर भर्ती रैली शुरू होगी। पहले दिन एआरओ लखनऊ के अंतर्गत 13 जिलों के लिए अग्निवीर ट्रेड्समैन (कक्षा 8वीं व 10वीं पास) की भर्ती होगी। 6 से 20 फरवरी तक औरैया, चित्रकूट, कन्नौज, बांदा, महोबा, हमीरपुर, बाराबंकी, गोंडा, कानपुर देहात, उन्नाव, कानपुर नगर, फतेहपुर और लखनऊ के करीब 13 हजार शॉर्टलिस्ट अभ्यर्थी रैली में शामिल होंगे। जुलाई 2025 में आयोजित ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम पास अभ्यर्थियों को एडमिट कार्ड पर दी गई तिथि व समय के अनुसार रिपोर्ट करना होगा।

जीपीएफ व सीपीएफ पर 7.1 फीसद ब्याज दर की मंजूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● वित्त विभाग के फैसले से लाखों राज्य कर्मचारियों और पेंशन से जुड़े अंशधारकों को लाभ

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने राज्य कर्मचारियों और अंशधारकों को राहत देते हुए जनरल प्रोविडेंट फंड (जीपीएफ), कंट्रीब्यूटरी प्रोविडेंट फंड (सीपीएफ) और सीपीएफ पेंशन इंश्योरेंस फंड पर मिलने वाली ब्याज दर को 7.1 प्रतिशत बनाए रखने का निर्णय लिया है। वित्त (सामान्य) अनुभाग-2 द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार यह ब्याज दर 1 जनवरी 2026 से 31 मार्च 2026 तक प्रभावी रहेगी।

वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार की ओर से जारी शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि यह निर्णय जनरल प्रोविडेंट फंड (उत्तर प्रदेश) नियमावली-1985, कंट्रीब्यूटरी प्रोविडेंट फंड (उत्तर प्रदेश) नियमावली तथा उत्तर प्रदेश कंट्रीब्यूटरी प्रोविडेंट फंड पेंशन इंश्योरेंस नियमावली-1948 के प्रावधानों के अंतर्गत लिया गया है। राज्यपाल की स्वीकृति के बाद यह आदेश जारी किया गया है। वित्त विभाग के इस फैसले से लाखों राज्य कर्मचारियों और पेंशन से जुड़े अंशधारकों को लाभ मिलेगा।

अटल विद्यालयों में 15 तक आवेदन मांगे गए

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार श्रमिकों और उनके परिवारों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही है, ताकि उनके बच्चे भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पाकर आगे बढ़ सकें। प्रदेशभर में संचालित अटल आवासीय विद्यालयों में कक्षा छह से नौवीं तक प्रवेश के लिए 15 फरवरी तक आवेदन मांगे गए हैं। इन विद्यालयों में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों की दो संतानों को अंग्रेजी माध्यम से पूरी तरह निःशुल्क शिक्षा दी जाती है। आवेदन संबंधित कार्यालय में ऑफलाइन या उप्र भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की वेबसाइट upbocw.in पर ऑनलाइन किया जा सकता है। अपर श्रमायुक्त कल्पना श्रीवास्तव ने यह जानकारी दी है।

यूपी की इंटरनेशनल फिल्म सिटी में होगी 'मॉम-2' की शूटिंग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● मार्च की शुरुआत में शुरू होगा फिल्मांकन, 20 दिन में बनेगा सेट

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट 'इंटरनेशनल फिल्म सिटी' ने रफ्तार पकड़ ली है। गौतमबुद्ध नगर के जेवर क्षेत्र में विकसित हो रही प्रदेश की पहली इंटरनेशनल फिल्म सिटी में पहली शूटिंग के रूप में बॉलीवुड फिल्म 'मॉम-2' का फिल्मांकन किया जाएगा। इसके लिए जमीन की मैपिंग शुरू कर दी गई है।

परियोजना का निर्माण कर रहे बोनी कपूर और भूटानी ग्रुप के ज्वाइंट वेंचर 'बेव्यू भूटानी फिल्म सिटी प्राइवेट लिमिटेड' के अनुसार, मैपिंग पूरी होते ही लगभग 20 दिन में शूटिंग सेट तैयार कर लिया जाएगा। फरवरी के अंत या मार्च की शुरुआत में शूटिंग शुरू होने की संभावना है। अधिकारियों ने बताया कि शूटिंग की तैयारियों के साथ-साथ फिल्म सिटी के स्थायी निर्माण कार्य भी समानांतर रूप से आगे बढ़ेंगे। यह परियोजना सेक्टर-21, यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे विकसित की जा रही है, जहां विश्वस्तरीय शूटिंग सुविधाएं उपलब्ध होंगी। बेव्यू भूटानी फिल्म सिटी के जीएम राजीव अरोड़ा ने बताया कि 'मॉम-2' के सेट के साथ ही स्थायी ढांचे का निर्माण भी शुरू कर दिया जाएगा।

अभियान

गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 6.0 की शुरुआत, सीमावर्ती जिलों में लगेंगे नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेंगी स्वास्थ्य सुविधाएं : पाठक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा को झंडी दिखाकर चिकित्सकों के दल को रवाना करते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व अन्य।

अमृत विचार: उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक गुणवत्तापरक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी संकल्प के तहत गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 6.0 एक सशक्त जनसेवा अभियान के रूप में कार्य कर रही है।

उप मुख्यमंत्री गुरुवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में इस अभियान के उद्घाटन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इस यात्रा में इस वर्ष लगभग 70 मेडिकल संस्थानों से 700 चिकित्सक एवं मेडिकल छात्र भाग ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत नेपाल सीमा से सटे थारू बाहुल्य क्षेत्रों में निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाए जाएंगे। महाराजगंज, बलरामपुर, लखीमपुर खीरी, सिद्धार्थनगर, पीलीभीत, श्रावस्ती और बहराइच जनपदों में 6 से 8 फरवरी तक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। उप मुख्यमंत्री ने बसों को झंडी दिखाकर रवाना किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वांतरंजन व विशिष्ट अतिथि परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। गुरु गोरखनाथ सेवा न्यास के अध्यक्ष प्रो एमएलबी भट्ट ने बताया कि न्यास ने जनजातीय क्षेत्रों में कैंप के साथ ही मोबाइल वैन सेवा भी शुरू करने का निर्णय लिया है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन, गुरु गोरखनाथ सेवा न्यास से जुड़े पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, चिकित्सक एवं स्वयंसेवक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

'स्पंदन ईसीजी' मशीन का किया वितरण

अभियान अंतर्गत चिकित्सकों के दल को रवाना किया गया तथा विश्व की सबसे छोटी ईसीजी मशीन 'स्पंदन ईसीजी' का वितरण भी किया गया। यह मशीन बिना बैटरी और इंटरनेट के कार्य करने में सक्षम है, जिससे दूरस्थ और सीमावर्ती क्षेत्रों में त्वरित व सटीक जांच संभव हो सकेगी।

आज का मौसम
23.0° अधिकतम तापमान
10.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.57
सूर्यास्त 05.56

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष पंचमी 01:18 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 6 फरवरी 2026, वर्ष 36, अंक 2, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ फाइनल मैच जीतने के बाद ट्रॉफी के साथ जश्न मनाती रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाड़ी।

आरसीबी चैंपियन

डब्ल्यूपीएल

वडोदरा। कप्तान स्मृति मंधाना (87) और जॉर्जिया वॉल (79) की आतिशी अर्धशतकीय पारियों की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने गुरुवार को फाइनल मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को दो गेंदें शेष रहते छह विकेट से हराकर महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 का खिताब जीत लिया। अब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियनस दोनों के नाम पर दो-दो डब्ल्यूपीएल खिताब हो गए हैं। दिल्ली की टीम को लगातार चौथी बार फाइनल में खेलते हुए शिकस्त का सामना करना पड़ा। दिल्ली के 204 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 19.4 ओवर में चार विकेट पर 204 रन बनाकर जीत दर्ज की।

(विस्तृत खेल पेज पर)

चाइनीज मांझे से मौत होना हत्या के समान : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चाइनीज मांझे से हो रही दुर्घटनाओं पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि इस कारण किसी व्यक्ति की मृत्यु होना हत्या के समान है। ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि चाइनीज मांझा पूरी तरह प्रतिबंधित है, इसके बावजूद इसकी उपलब्धता गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने पुलिस को प्रदेशव्यापी सघन छापेमारी अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने गुरुवार को लखनऊ के हैदरगंज ओवरब्रिज पर शोएब की चाइनीज मांझे से मौत का संज्ञान लेने के बाद पूरे प्रदेश में पुलिस को निर्देश दिए कि यह पता लगाया जाए कि चाइनीज मांझा किन माध्यमों से बाजार में पहुंच रहा है। इसके लिए प्रदेशभर में सघन छापेमारी अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि केवल बिक्री ही नहीं, बल्कि इसके भंडारण और परिवहन पर भी कड़ी नजर रखी जाए और दोषियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जन-सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। चाइनीज मांझा आमजन, विशेषकर बच्चों और पशु-पक्षियों के लिए जानलेवा खतरा है। उन्होंने पुलिस और प्रशासन को निर्देश दिए कि आपूर्ति श्रृंखला को पूरी तरह तोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए और इसकी प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा नियमित रूप से की जाए, ताकि किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। योगी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रदेश को चाइनीज मांझे के खतरे से पूरी तरह मुक्त करना है। इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से काम करें और प्रतिबंध का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें।

ब्रीफ न्यूज

धोखाधड़ी मामले में अल फलाह विश्वविद्यालय का चेयरमैन गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली में विस्फोट के बाद यूजीसी की शिकायत पर दर्ज दो प्राथमिकी के आधार पर दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने अल फलाह विश्वविद्यालय के चेयरमैन जावद अहमद सिद्दीकी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में ईडी द्वारा कार्यवाही शुरू करने के बाद दिल्ली पुलिस ने यह कार्रवाई की है। लाल किले के पास हुए विस्फोट के बाद अपराध शाखा ने निजी विश्वविद्यालय के कामकाज से संबंधित कथित अनियमितताओं और धोखाधड़ी के संबंध में मामले दर्ज किए थे। सिद्दीकी को कोर्ट में पेश किया जहां से उसे चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

नीट पीजी काउंसिलिंग की मेरिट सूची जारी

लखनऊ। प्रदेश के सरकारी व निजी मेडिकल कॉलेजों में रिक्त पीजी सीटों पर प्रवेश के लिए संचालित तीसरी काउंसिलिंग में गुरुवार को मेरिट सूची जारी कर दी गयी हैं। कॉलेजों में एमडी-एमएस व डिप्लोमा सीटों पर दाखिले के लिए 8935 अभ्यर्थियों की और डीएनबी सीटों के लिए 290 अभ्यर्थियों की सूची जारी की गयी है। महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा द्वारा जारी मेरिट सूची के अभ्यर्थियों को छह फरवरी से 11 फरवरी तक मनपसंद कॉलेजों की प्राथमिकताएं देनी होंगी। अगले 14 फरवरी को सीट आवंटन परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे और 17 फरवरी तक प्रवेश की प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी।

आरएसी बर्थ मिलने पर आंशिक किराया लौटाए रेलवे

नई दिल्ली। संसद की एक समिति ने कहा है कि आरएसी श्रेणी के तहत बुक किए गए टिकटों के लिए पूरा किराया वसूलना उचित नहीं है। लोक लेखा समिति (पीएसी) ने संसद में पेश की गई अपनी रिपोर्ट भारतीय रेलवे में ट्रेन परिचालन में समय की पाबंदी और यात्रा का समय में कहा कि आरएसी के तहत टिकटों के लिए पूरा किराया वसूलना, जिसमें चार्ट बनने के बाद टिकट धारक को पूरी बर्थ नहीं मिलती है, उचित नहीं है, आंशिक किराया वापस लौटाया जाना चाहिए। 2007 से ट्रेनों के वर्गीकरण के मानदंडों में बदलाव नहीं हुआ है।

विश्व व्यवस्था का झुकाव भारत की ओर

राज्यसभा में मोदी बोले- पहले देश पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था, आज चौथी सबसे बड़ी

- प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान दिया जवाब
- कहा, विकसित देश अपने आप भारत के साथ व्यापार समझौता करने आ रहे

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत आज विश्व में पैदा हो रहीं चुनौतियों के समाधान के लिए आशा की किरण बना हुआ है और दुनिया एक नई वैश्विक व्यवस्था की ओर आगे बढ़ रही है। राज्यसभा में राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने यूरोपीय संघ के साथ हुए समझौतों का उल्लेख किया और कहा कि जब कोई विकसित देश किसी विकासशील देश के साथ अपने आप व्यापार समझौता करता है तो यह भी अर्थजगत के लिए बहुत बड़ा संदेश है।

उन्होंने कहा, भारत आज विश्व में पैदा हो रहीं चुनौतियों के समाधान के लिए आशा की किरण बना हुआ है। हम समाधान दे रहे हैं। कांग्रेस समेत विभिन्न विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच भाषण शुरू करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का तेज आर्थिक विकास और कम मुद्रास्फीति एक दुर्लभ संयोग है। पिछले कुछ समय में विश्व के नौ बड़े देशों के साथ हमारे समझौते हुए हैं और उसमें 'मदर ऑफ आल डील' में यूरोपीय संघ के 27 देशों के साथ एकमुश्त समझौता हुआ है। उन्होंने कहा, विकसित देश अपने आप भारत के साथ व्यापार समझौता करने आ रहे हैं। जब कोई विकसित देश किसी विकासशील देश के साथ अपने आप व्यापार समझौता करता है तो यह भी अर्थजगत के लिए बहुत बड़ा संदेश है। ऐसे में साफ दिख रहा है कि दुनिया एक नई वैश्विक व्यवस्था की ओर आगे बढ़ रही है, जिस तरह दूसरे विश्व युद्ध के बाद एक वैश्विक व्यवस्था बनी थी। अपने भाषण के बीच वाकआउट करने वाले विपक्षी दलों के सदस्यों की ओर इशारा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जो लोग थककर चले गए, कभी न कभी उनको जवाब देना पड़ेगा कि देश की कैसी हालत बनाकर रखी थी। कोई देश अपने आप हमारे साथ समझौता करने नहीं आता था। मोदी ने कहा कि हमारा देश पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था, लेकिन आज हम विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के क्रम में हैं।

ममता सरकार घुसपैठियों को दे रही संरक्षण : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने तृणमूल कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोलते हुए उन पर घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों ने सत्ता में रहते हुए जनता के कल्याण के लिए काम नहीं किया। तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने चर्चा के दौरान केंद्र सरकार के विरोध में काफी कुछ कहा, 'किंतु वे अपने गिरेबान में भी देखें। पतन के जितने भी मानक हैं, सब मानकों में नए-नए रिकार्ड बनाते जा रहे हैं।

कांग्रेस कभी मेरी कब्र नहीं खोद पाएगी

- मोदी बोले- मोहब्बत की दुकान की बात करते हैं वे मोदी तेरी कब्र खुदेगी जैसे नारे लगा रहे हैं यह चुनावी हार से उत्पन्न उनकी हताशा है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यसभा में कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि विपक्षी दल लगातार चुनावी हार को पचा नहीं पा रहा है और उनके प्रति गहरी नफरत रखने के बावजूद वह कभी उनकी कब्र नहीं खोद पाएगा। राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने लोकसभा में विपक्षी दल द्वारा डाले गए व्यवधान पर खेद जताया और कहा कि यह न केवल एक आदिवासी और महिला राष्ट्रपति का अपमान है, बल्कि उनके सर्वोच्च संवैधानिक पद और भारत के संविधान का भी अपमान है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू पर राहुल गांधी की 'गद्दार' टिप्पणी की भी निंदा की और इसे पूरे सिख समुदाय का अपमान बताया। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जो लोग 'मोहब्बत की दुकान' की बात करते हैं, वे 'मोदी तेरी कब्र खुदेगी' जैसे नारे लगा रहे हैं, जो चुनावी हार से उत्पन्न उनकी हताशा को उजागर करता है। उन्होंने कहा, यह कैसी मोहब्बत की दुकान है? उन्होंने यह कौन से संविधान से सीखा है? क्या यह संविधान का अपमान नहीं है? मोदी ने कहा, वे कभी मेरी कब्र नहीं खोद पाएंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष कभी उनकी कब्र नहीं खोद पाएगा क्योंकि उन्हें करोड़ों माताओं, बहनों और देश के गरीबों का आशीर्वाद प्राप्त है, जिनके लिए वे निस्वार्थ भाव से काम कर रहे हैं। कांग्रेस हर भारतीय नागरिक को समस्या मानती थी, जबकि उनकी सरकार उन्हें अपनी ताकत और चुनौतियों का समाधान मानती है। प्रधानमंत्री ने करीब 100 मिनट लंबे भाषण में कहा कि वे (विपक्ष) उन्हें रोज गालियां देते हैं क्योंकि वे यह पचा नहीं पा रहे हैं कि उनके जैसा एक गरीब आदमी इस पद पर कैसे आसीन है।

पीएम के साथ कुछ भी हो सकता था, इसलिए मैंने लोस में उनकी स्पीच टाली

- लोकसभा स्पीकर बिरला का दावा- अप्रत्याशित हमले की थी प्लानिंग
- प्रधानमंत्री के जवाब के बिना लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पारित

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को कहा कि बुधवार को सदन में कांग्रेस के कई नेता सदन के नेता के आसन के पास पहुंचकर किसी अप्रत्याशित घटना को अंजाम देना चाहते थे, इसलिए उनके अनुरोध पर प्रधानमंत्री मोदी सदन में नहीं आए। बिरला ने यह भी कहा कि बुधवार को विपक्ष के कुछ सदस्यों ने उनके चैंबर में आकर जिस तरह का व्यवहार किया, वैसा लोकसभा की शुरुआत से लेकर आज तक कभी नहीं हुआ और यह दृश्य एक 'काले धब्बे' की तरह था।

लोकसभा की बैठक विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण तीन बार के स्थगन के बाद अपराह्न तीन बजे पुनः शुरू हुई तो लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि बुधवार सदन के नेता (प्रधानमंत्री मोदी) को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देना था। मेरे पास ऐसी पुख्ता जानकारी आई कि कांग्रेस पार्टी के कई सदस्य नेता सदन के आसन पर पहुंचकर कोई भी अप्रत्याशित घटना को अंजाम दे सकते थे। मैंने यह दृश्य सदन में देखा भी। अगर ऐसी घटना हो जाती तो यह अत्यंत अप्रिय दृश्य देश की लोकतांत्रिक परंपराओं को तार-तार कर देता।

देश ने देखी पूरी घटना

बिरला ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को सदन में नहीं आकर उनके आग्रह को मानते हुए सदन को अप्रिय दृश्य से बचाया और इसके लिए वह प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने यह भी कहा, बुधवार की घटना देश ने देखी है कि किस तरह महिला सदस्य वहां (प्रधानमंत्री के बैठने के स्थान) तक पहुंची हैं। यह किसी तरह उचित नहीं था। आप शब्दों से बात कह सकते हैं, आरोप लगा सकते हैं। लेकिन आप इधर (सत्तापक्ष की तरफ) आकर जिस तरह कर रहे हैं, यह उचित नहीं है।

दिल्ली-एनसीआर, गुजरात की सड़कों पर दौड़ी 'भारत टैक्सी'

नई दिल्ली। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को देश के पहले सहकारी-संचालित ऑनलाइन कैब सेवा 'भारत टैक्सी' की शुरुआत की। अभी दिल्ली-एनसीआर और गुजरात में शुरू होने वाली इस सेवा का अगले तीन साल में देशभर में विस्तार किया जाएगा।

शाह ने इस अवसर पर कहा कि अमूल सहित देश की आठ शीर्ष सहकारी संस्थाओं द्वारा स्थापित 'भारत टैक्सी' से चालकों (ड्राइवर) की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और उन्हें इस मंच पर स्वामित्व भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि पायलट परीक्षण की सफलता के बाद प्रतिस्पर्धी टैक्सी सेवा प्रदाताओं ने अपने कमीशन घटा दिए हैं और मुफ्त सवारी जैसे प्रोत्साहन भी दिए हैं लेकिन भारत टैक्सी जैसा ड्राइवर-स्वामित्व मॉडल कोई दूसरा ऑनलाइन कैब सेवा प्रदाता नहीं देता है। उन्होंने कहा, आप ड्राइवर होने के साथ भारत टैक्सी मंच के मालिक भी होंगे।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पर रिपोर्ट दर्ज

लखनऊ। भाजपा के सरोजनीनगर सीट के विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर वरिष्ठ भाजपा नेता शिवशंकर सिंह उर्फ शंकरी ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के खिलाफ सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के खिलाफ कथित रूप से असत्य, मानहानिकारक और भड़काऊ बयान दिए। आरोप है कि अपने भाषण में अजय राय ने विधायक राजेश्वर पर देश और लखनऊ को लूटने जैसे गंभीर आरोप लगाए, जो पूरी तरह निराधार और तथ्यहीन हैं। यही नहीं उक्त भाषण को पूर्व नियोजित तरीके से रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर वायरल किया गया। उक्त वीडियो रुद्रदमन सिंह नामक फेसबुक अकाउंट से वायरल किया गया था। इंस्पेक्टर सरोजनीनगर ने बताया कि गुरुवार को तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

कोयला खदान में विस्फोट, 18 मजदूरों की मौत

- मेघालय में घटी बड़ी घटना पुलिस ने मामला दर्ज किया

शिलांग, एजेंसी

मेघालय के ईस्ट जयंतिया हिल्स जिले में गुरुवार को अवैध कोयला खदान में विस्फोट होने से 18 मजदूरों की मौत हो गई और कई अन्य के फंसे होने की आशंका है। डीजीपी ने बताया कि यह घटना थांगस्कू इलाके में हुई और बचाव दल तलाशी अभियान चला रहे हैं। हमने अब तक 18 शव बरामद किए हैं, लेकिन विस्फोट के समय खदान के अंदर मौजूद लोगों की संख्या के बारे में सटीक जानकारी नहीं है।

ईस्ट जयंतिया हिल्स के एसपी ने बताया कि घटना में घायल एक व्यक्ति को एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जिसके बाद बेहतर इलाज के लिए उसे राज्य की राजधानी शिलांग रेफर कर दिया गया। शक है कि यह विस्फोट उस जगह पर कोयला खनन की गतिविधियों के दौरान हुआ, जिसे एक गैर-कानूनी काम माना जा रहा है। जब पूछा गया कि क्या खदान अवैध रूप से संचालित की जा रही थी, तो कुमार ने कहा, हां, ऐसा ही लगता है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

मोदी ने शोक जताया

शिलांग। प्रधानमंत्री मोदी ने मेघालय के ईस्ट जयंतिया हिल्स जिले में कोयला खदान में हुए विस्फोट के कारण कम से कम 18 मजदूरों की मौत होने पर शोक जताया और मृतकों के परिजन को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। घायल व्यक्ति के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की।

कब्जेदारों को लाभ पहुंचाने के आरोप में तीन पीसीएस अधिकारी निलंबित

- तहसीलदार रहते की गड़बड़ी, अब एटा, गाजियाबाद व बुलंदशहर में एसडीएम पद पर हैं तैनात

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: चंदौली जिले में सरकारी एवं ग्रामसभा भूमि से जुड़े मामलों में बड़ी प्रशासनिक गड़बड़ी सामने आने पर सरकार ने कड़ा कदम उठाया है। अवैध कब्जे हटाने के बजाय कब्जेदारों को लाभ पहुंचाने के आरोप में तीन पीसीएस अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। तीनों अधिकारी पूर्व में तहसीलदार के रूप में तैनात रहे हैं।

निलंबित अधिकारियों में तत्कालीन तहसीलदार सतीश कुमार (वर्तमान तैनाती एसडीएम एटा), विराग पांडेय (वर्तमान तैनाती एसडीएम गाजियाबाद) और लालता प्रसाद (वर्तमान तैनाती एसडीएम बुलंदशहर) शामिल हैं। इन पर सार्वजनिक, आरक्षित और ग्रामसभा भूमि को नुकसान पहुंचाने के आरोप हैं। चंदौली के जिलाधिकारी द्वारा पं. दीन दयाल उपाध्याय नगर तहसील की पत्रावलियों के निरीक्षण में यह तथ्य सामने आया कि कई मामलों में पूर्व में पारित बेदखली आदेशों के बावजूद वसूली के नोटिस वापस ले लिए गए। इससे कब्जेदारों को कार्रवाई से बचाया गया। जांच में जिन भूमियों का उल्लेख है, उनमें खलिहान, चकमार्ग, कब्रिस्तान, नवीन परती, बंजर व लोक उपयोगिता की भूमि शामिल है।

डीएम की ओर से शासन को भेजी गई थी रिपोर्ट

मामले में एडीएम (न्यायिक), एसडीएम चकिया और अपर एसडीएम चंदौली की तीन सदस्यीय समिति गठित की गई। समिति की विस्तृत जांच में स्पष्ट हुआ कि तत्कालीन तहसीलदारों ने पीठासीन अधिकारी की हैसियत से अतिक्रमणकारियों के पक्ष में आदेश पारित किए, जिससे सार्वजनिक संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा। डीएम की शासन को भेजी गई रिपोर्ट पर निलंबन की कार्रवाई की गई है। प्रमुख सचिव नियुक्ति एम. देवराज की ओर से जारी आदेश के अनुसार जांच शुरू की गई है। जांच अधिकारी के रूप में वाराणसी के मंडलायुक्त को नामित किया गया है।

उपलब्धि | लखनऊ के साथ ही रामपुर, अमेठी, ललितपुर और एटा में अभिनव प्रयोग

प्लास्टिक कचरे से बनाई 75 किलोमीटर लंबी सड़क

- पर्यावरण संरक्षण के साथ विकास का नया मॉडल, कूड़े से तीन करोड़ रुपये की आय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश के गांव अब स्वच्छता और नवाचार की नई पहचान गढ़ रहे हैं। प्लास्टिक कचरे से सड़क निर्माण, घर-घर कूड़ा संग्रहण कर उससे खाद निर्माण और आय सृजन के अभिनव प्रयोगों ने प्रदेश के ग्रामीण परिदृश्य को हाईटेक बना दिया है।

राजधानी लखनऊ समेत रामपुर, अमेठी, ललितपुर और एटा में प्लास्टिक कचरे से अब तक 75 किलोमीटर लंबी सड़कें तैयार की जा चुकी हैं, जो पर्यावरण संरक्षण के साथ विकास का नया मॉडल पेश कर रही हैं। पंचायती राज विभाग के निदेशक अमित कुमार सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर उत्तर प्रदेश में वेस्ट मैनेजमेंट का मास्टर प्लान तैयार किया गया है। इसके तहत ग्राम पंचायतों में घर-घर से कूड़ा संग्रहण शुरू कर वर्मी खाद का उत्पादन किया जा रहा है। इस पहल से अब तक 3 करोड़ रुपये से अधिक की आय सृजित हो चुकी है। वहीं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाइयों से 29 लाख रुपये की अतिरिक्त कमाई की गई है। इस योजना के तहत पंचायतीराज विभाग प्रदेश में 'वेस्ट टू वेल्थ' मॉडल पर काम कर रहा है।

लखनऊ के साथ ही रामपुर, अमेठी, ललितपुर और एटा में इसी तरह प्लास्टिक कचरे से बनाई जा रही सड़क।

प्रदेश के हर गांव में होगा प्रयोग

पंचायती राज विभाग द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छ गांव महाभियान के तहत कूड़े को संसाधन में बदला जा रहा है। प्लास्टिक कचरे का सदुपयोग कर सड़क निर्माण, जैविक कचरे से खाद उत्पादन और पंचायतों की आय बढ़ाने के ये प्रयोग प्रदेश के हर गांव को स्वच्छ, आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। इस योजना के जरिए प्रदेश के हर गांव में अभिनव प्रयोग किए जाएंगे।

प्लास्टिक वेस्ट का उपयोग

पंचायती राज विभाग के निदेशक अमित कुमार सिंह के अनुसार, विभाग ग्राम पंचायतों को नवाचार के माध्यम से मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। गांव-गांव स्वच्छता अभियान के साथ प्लास्टिक वेस्ट के उपयोग से न केवल पर्यावरण सुरक्षित हो रहा है, बल्कि करोड़ों रुपये की आय भी सृजित हो रही है।

वर्टिकल व्यवस्था के चक्रव्यूह में उपभोक्ता

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- बिजली विभाग में हर दिन 500 से अधिक आ रहीं शिकायतें
- निस्तारण में विभाग को लग रहा महीनों का समय

अमृत विचार : राजधानी में बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने के उद्देश्य से लागू की गई वर्टिकल व्यवस्था अब उनके लिए बड़ी परेशानी का कारण बनती जा रही है। बिजली बिल सुधार, नए कनेक्शन और तकनीकी शिकायतों के निस्तारण में विभाग को महीनों का समय लग रहा है। उपभोक्ताओं को लगातार विभागीय दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं।

उपभोक्ताओं का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर पल्ला झाड़ रहे हैं, जिससे वे असमंजस की स्थिति में फंसे हुए हैं। हालात यह हैं कि झटपट पोर्टल पर आवेदन करने के बावजूद नए कनेक्शन मिलने में महीनों लग रहे हैं, जबकि पॉवर कॉरपोरेशन की ओर से शहरी उपभोक्ताओं को तीन और ग्रामीण उपभोक्ताओं को सात दिनों के भीतर कनेक्शन देने का प्रावधान है।

बिजली विभाग के 1912 हेल्पलाइन नंबर और उपकेंद्रों पर प्रतिदिन 500 से अधिक शिकायतें दर्ज हो रही हैं, लेकिन कर्मचारियों की भारी कमी के कारण इनका समय पर निस्तारण नहीं हो पा रहा है। पहले लेसा ने शहर को अमौसी, मध्य, जानकीपुरम और गोमतीनगर जोन में बांट रखा था, जिससे उपभोक्ताओं को यह स्पष्ट रहता था कि उनकी शिकायत किसके अधीन है। नई वर्टिकल व्यवस्था लागू होने के बाद उपभोक्ताओं का कहना है कि अब यह समझ ही नहीं आता कि उनकी शिकायत किस अधिकारी या कर्मचारी के अंतर्गत आती है। इसी भ्रम के चलते समस्याएं लंबित हो रही हैं। उपभोक्ताओं ने मांग की है कि या तो वर्टिकल व्यवस्था में स्पष्ट जवाबदेही तय की जाए या पुरानी जोनल व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए।

उप्र पावर कॉरपोरेशन निविदा संविदा कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री देवेंद्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि वर्टिकल व्यवस्था लागू होने से करीब 30 प्रतिशत संविदा कर्मचारियों की नौकरी पर संकट है। इसके साथ ही राजस्व वसूली भी प्रभावित होगी।

पौने नौ लाख करोड़ का हो सकता है प्रदेश का बजट

इंफ्रास्ट्रक्चर को मिलेगा सबसे बड़ा हिस्सा, शिक्षा-कृषि-स्वास्थ्य पर रहेगा ज्यादा जोर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: योगी सरकार की ओर से 11 फरवरी को पेश किए जाने वाले बजट का आकार इस बार पौने 9 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इसबार भी सरकार पिछले साल अपना प्रदेश के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा बजट होने का रिकार्ड तोड़ेगी। इसबार इंफ्रास्ट्रक्चर को सबसे बड़ा हिस्सा मिलेगा, इसके बाद, शिक्षा, कृषि व स्वास्थ्य पर फोकस रहेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना इस साल पंचायत चुनाव और अगले साल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर

लोकलुभावन बजट प्रावधानों की तैयारी में लगातार समीक्षा कर चुके हैं। सरकार ने जिलों से लेकर शासन के सभी विभागों से विकास कार्यों के साथ-साथ आम जनता की सुविधाओं को मजबूत करने वाले प्रस्ताव मंगाए थे। सूत्रों के अनुसार, बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर को सबसे ज्यादा प्राथमिकता मिलने की संभावना है। सड़क, पुल, एक्सप्रेसवे, शहरी विकास, औद्योगिक ढांचे और कनेक्टिविटी से जुड़े कार्यों पर बड़े पैमाने पर निवेश किया जा सकता है। इसके बाद शिक्षा, कृषि और स्वास्थ्य जैसे सामाजिक क्षेत्रों पर भी उल्लेखनीय आवंटन की तैयारी है।

यहां सबसे ज्यादा आवंटन की उम्मीद

- 25% इंफ्रास्ट्रक्चर
- 15% शिक्षा
- 12% कृषि
- 8% स्वास्थ्य
- 5% सामाजिक सुरक्षा योजनाएं

बीते तीन वर्षों में यूपी बजट का आकार

- 2023-24 : लगभग 6.90 लाख करोड़ रुपये
- 2024-25 : लगभग 7.66 लाख करोड़ रुपये
- 2025-26 : लगभग 8.08 लाख करोड़ रुपये

पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रदेश का बजट लगभग 8.08 लाख करोड़ रुपये का था, जो अपने आप में रिकॉर्ड था। उससे पहले की तुलना में इसमें करीब 9.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। अब प्रस्तावित बजट इससे भी बड़ा होने की उम्मीद है, जिसमें जनकल्याणकारी योजनाओं को और विस्तार दिया जाएगा। बजट में युवाओं के लिए रोजगार सृजन, किसानों की आय बढ़ाने, गरीब और जरूरतमंद वर्ग के लिए संचालित योजनाओं को मजबूती देने पर विशेष ध्यान रहेगा। शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े कार्यक्रमों को और प्रभावी बनाने की तैयारी है, ताकि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इसके साथ ही कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिए भी पर्याप्त प्रावधान किए जा सकते हैं। सरकार का लक्ष्य तेज विकास के साथ-साथ वित्तीय संतुलन बनाए रखना भी है।

न्यूज ब्रीफ

कई क्षेत्रों की बिजली आज रहेगी प्रभावित

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी के कई इलाकों में आज मेंटीनेंस का काम किया जायेगा। इसके चलते कई घंटे तक सप्लाई बाधित रहेगी। गोमतीनगर के विश्वासखंड उपकेंद्र के अंर्तगत आने वाले क्षेत्रों में रखरखाव का कार्य किए जाने के कारण शुक्रवार सुबह 11 से शाम पांच बजे तक आपूर्ति बंद रहेगी। इसके चलते विवेकखंड-1, विनयखंड-4, नेहरू एन्क्लेव, विश्वासखंड-तीन के बिजली उपभोक्ता इससे प्रभावित रहेंगे। वहीं निराला नगर उपकेंद्र दोपहर एक से 3 :30 बजे तक बंद रहेगा। इससे विवेकानंदपुरी, महानगर, छपरतल्ला चौराहा और चांदगंज प्रभावित रहेगा। कूपर रोड उपकेंद्र सुबह 10 से शाम पांच बजे तक बंद रहेगा।

युवक ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

अमृत विचार, लखनऊ : सुशांत गोल्फ सिटी इलाके के मचलखेड़ा गांव में लल्लन उर्फ मनी (22) ने अपने कमरे के अंदर दुपट्टे के सहारे एंगल से लटककर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि लल्लन शराब पीने का आदी था। बुधवार रात जब लल्लन के पिता ने उसे खाने के लिए आवाज दी और कोई जवाब नहीं मिला। वे कमरे में गए तो दरवाजा अंदर से बंद था। काफी प्रयास के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला, तो पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला।

दुधारू पशुओं में थनैला रोग के उन्मूलन को गाइडलाइन जारी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार द्वारा दुधारू पशुओं में होने वाले मैस्टाइटिस (थनैला) रोग के उन्मूलन के लिए नई गाइडलाइन जारी हो गयी हैं। पशुपालन विभाग द्वारा थनैला रोग नियंत्रण एवं निदान योजना की निर्धारित गाइडलाइन के अंतर्गत गाय, भैंस, बकरी व अन्य मादा पशुओं को इस संभावित रोग से बचाया जाएगा। पशुपालन विभाग के विशेष सचिव देवेन्द्र कुमार पाण्डेय द्वारा ने गाइडलाइन जारी करते हुए गुरुवार को बताया कि इस रोग में पशुओं के थनों में दर्द, सूजन हो जाती है, शारीरिक तापमान भी बढ़ जाता है। स्ट्रेप्टो कॉकस बैक्टीरिया के संक्रमण से थनों में होने वाली इस बीमारी में पशुओं में दूध की मात्रा काफी घट जाता है। नए निर्देशों में इस बीमारी के बारे में पशुपालकों को जागरूक करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि थनैला रोग के लक्षण दिखने पर पशुपालकों को संक्रमित पशु को अन्य पशुओं से अलग रखने की सलाह दी जाती है, ताकि बीमारी का प्रसार रोका जा सके।

सरकार का भरा खजाना, वित्तीय वर्ष में 18,515 करोड़ का मिला राजस्व

बीते वर्ष की अपेक्षा इस साल जनवरी में 1,089 करोड़ की बढ़ोतरी : वित्त मंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश सरकार के खजाने में राजस्व की जमकर धन की बरसात हुई है। जीएसटी व आबकारी समेत सभी राजस्व विभागों की कर वसूली खासी बेहतर रही। इसके चलते मौजूदा वित्तीय वर्ष 2025-26 के जनवरी माह में 18,515.52 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि बीते साल के वित्तीय वर्ष में इसी अवधि के दौरान 17,425.94 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस प्रकार बीते साल की तुलना में वर्तमान वित्तीय वर्ष के जनवरी में 1089.58 करोड़ रुपये राजस्व अधिक प्राप्त हुआ है। यह धनराशि वर्तमान वित्तीय वर्ष में माह जनवरी तक के निर्धारित लक्ष्य का 74.1 प्रतिशत है।

प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने गुरुवार

वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना

को बताया कि मुख्य कर-करेत्तर राजस्व वाले मदों में अच्छा राजस्व प्राप्त किया गया। जीएसटी विभाग ने माह जनवरी, 2026 में 7,161.95 करोड़ रुपये का राजस्व वसूल किया, जबकि गत वर्ष जनवरी, 2025 के माह में वसूली 7,167.29 करोड़ रही थी। वैट के अन्तर्गत जनवरी में 2,816.47 करोड़ रुपये के राजस्व प्राप्ति हुई है, जबकि बीते साल इसी अवधि में 2,797.32 करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे। आबकारी विभाग ने इस साल जनवरी 4,122.19 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया, जबकि बीते साल इसी अवधि में 3,356.26 करोड़ वसूल किए गए थे। स्टाम्प तथा निबन्धन विभाग ने जनवरी 2026 में 2,748.74 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया, जबकि बीते साल यह प्राप्ति 2,511.11 करोड़ रुपये की रही थी। इसी तरह परिवहन विभाग ने इस जनवरी में 1,219.38 करोड़ राजस्व वसूल किया, जबकि बीते साल 1,110.83 करोड़ की रिकवरी रही थी। राजस्व की प्रमुख मद भू-तत्व तथा खनिकर्म विभाग ने जनवरी 2026 में 446.79 करोड़ प्राप्त किये, जबकि बीते साल इसी अवधि में 483.13 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया था।

लक्ष्य के मुकाबले 74.1 प्रतिशत मिला राजस्व

अमृत विचार : वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में माह जनवरी तक कर राजस्व के अंतर्गत कुल 1,78,556 .43 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है, जोकि माह जनवरी 2026 तक निर्धारित लक्ष्य 2,40,980 .67 करोड़ रुपये लक्ष्य के मुकाबले 74 .1 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि राज्यकर के अंतर्गत माह जनवरी तक राजस्व प्राप्ति के निर्धारित लक्ष्य 1,45,427 .47 करोड़ रुपये के मुकाबले 9,4039 .39 करोड़ की प्राप्ति हुई, जो इस अवधि तक निर्धारित लक्ष्य का 64 .7 प्रतिशत है। आबकारी मद के अंतर्गत इस अवधि तक निर्धारित लक्ष्य 48,900 करोड़ के के मुकाबले 43,949 .17 करोड़ की प्राप्ति हुई है, जो निर्धारित लक्ष्य का 89 .9 प्रतिशत है। स्टाम्प तथा निबंधन के अंतर्गत जनवरी माह तक राजस्व प्राप्ति निर्धारित का लक्ष्य 31,725 करोड़ है, जबकि अब तक 27,137 .81 करोड़ की प्राप्ति हो चुकी है। यह लक्ष्य का 85 .5 प्रतिशत है। इसी तरह परिवहन मद में निर्धारित लक्ष्य 11,428 .20 करोड़ रुपये का निर्धारित है। इसमें अब तक 10,063 .39 करोड़ की प्राप्ति हो चुकी है, जोकि 88 .1 प्रतिशत है।

सिल्क प्रदर्शनी

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में चल रहे सिल्क मेले में एक स्टाल पर परिधान देखतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

पंचायत सदस्यों के डाटा शुद्धिकरण के निर्देश

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तर प्रदेश ने आगामी पंचायतीराज चुनाव 2026 की तैयारियों के तहत अहम निर्देश जारी किए हैं। आयोग ने पंचायत चुनाव से संबंधित डाटा की शुद्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया है। आयोग के अनुसार, निदेशक, पंचायतीराज द्वारा उपलब्ध कराए गए सदस्य ग्राम पंचायत एवं सदस्य क्षेत्र पंचायत के समेकित विवरण का आयोग के पोर्टल पर मिलान कर उसे शुद्ध किया जाएगा। जांच में यह सामने आया है कि कई जनपदों द्वारा पोर्टल पर फीड की गई सूचनाओं में असंगतियां और त्रुटियां पाई गई हैं।

राज्य निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि इन त्रुटियों का तत्काल सुधार आवश्यक है, ताकि चुनावी प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा न आए। इसे गंभीरता से लेते हुए आयोग ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। आयोग का कहना है कि डाटा शुद्धिकरण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही पंचायत चुनाव की आगे की कार्रवाई को अंतिम रूप दिया जाएगा।

पुनर्वास विवि और पॉलिटेक्निक के छात्र गुट भिड़े, पथराव

संवाददाता, काकोरी

अमृत विचार: पारा के मोहान रोड स्थित राजकीय गोविंद बल्लभ पंत पॉलिटेक्निक परिसर में छात्रों और डॉ. शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच जमकर बवाल हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों की ओर से ईंट-पत्थर चलने लगे। घटना के दौरान परिसर में खड़ी कई मोटरसाइकिलें क्षतिग्रस्त हो गईं। मारपीट में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि छात्र राहुल त्यागी और शिवा राव के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद डॉ शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय के दर्जनों छात्रों को बुला लिया गया, जिससे मामला और उग्र हो गया।

हमले में पुनर्वास विश्वविद्यालय के बी-फॉर्मा तृतीय वर्ष के छात्र गौरव द्विवेदी का सिर फट गया, बीकॉम द्वितीय वर्ष के आदित्य मिश्रा के हाथ में चोट आई। बीपीओ प्रथम वर्ष के दिव्यांग छात्र हर्षित पांडेय को नाम पूछने के बाद जातिसूचक टिप्पणी करते हुए पीटा गया, जिससे उनके

छात्र के सिर में लगी चोट।

हाथ की चोट दिखाता छात्र।

टूटा कृत्रिम पैर।

- कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त, आधा दर्जन से अधिक घायल

हाथ में गंभीर चोट आई। बीटेक तृतीय वर्ष के छात्र आदर्श सिंह के पैर में चोट आई है। वहीं पिंक सिटी में रेस्टोरेंट संचालक हिमांशु सिंह और बीटेक द्वितीय वर्ष के छात्र अखंड राय भी हमले में घायल हुए। मारपीट व तोड़फोड़ में अखंड राय की बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। आरोप है कि हमलावरों ने एक स्कूटी की डिग्गी तोड़कर उसमें रखे तीन मोबाइल फोन, एक घड़ी, कीमती चश्मा और करीब पांच हजार रुपये निकाल लिए।

बवाल के दौरान कुछ छात्रों ने तीन वाहनों में आग लगाने का भी प्रयास किया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाठियां भांजकर हालात काबू में किए, लेकिन इस दौरान उग्र छात्रों ने पुलिस पर भी ईंट-पत्थर फेंके। जवाबी लाठीचार्ज के बाद स्थिति को पुलिस ने संभाला। छात्रों का आरोप है कि उन्होंने पहले एंटी-रैगिंग के डायरेक्टर जय प्रकाश से शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद प्रधानाचार्य केके श्रीवास्तव से भी गुहार लगाई गई, जहां उन्हें बाहर जाने को कहकर केवल पॉलिटेक्निक के एक छात्र से अकेले में बात करने की बात कही गई। मोहान रोड पुलिस चौकी प्रभारी ओम प्रकाश तिवारी ने बताया कि छात्रों के बीच आपसी विवाद हुआ था। फिलहाल किसी भी पक्ष की ओर से तहरीर नहीं मिली है।

रोडवेज की घटती आय पर विभाग चिंतित

क्षेत्रीय प्रबंधक ने एआरएम व डिपो इंजार्ज के साथ बैठक कर सुधार करने के दिए निर्देश

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार : राज्य सड़क परिवहन निगम के क्षेत्रीय कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता क्षेत्रीय प्रबंधक इंजीनियर रमेश कुमार ने की। बैठक में क्षेत्र के सभी सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक (एआरएम) और डिपो इंचार्ज मौजूद रहे।

बैठक का मुख्य उद्देश्य निगम की आय में आ रही गिरावट की समीक्षा करना और संचालन व्यवस्था को मजबूत बनाने पर जोर देना रहा। बैठक के दौरान क्षेत्रीय प्रबंधक

रमेश कुमार ने निगम की कम होती आमदनी पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही अब स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारियों का पूरी ईमानदारी और सक्रियता के साथ निर्वहन करने के निर्देश दिए। साथ पर अनियमितता या लापरवाही सख्त कार्रवाई की जाएगी।

समय-समय पर बसों की औचक जांच करें

अमृत विचार : यातायात निरीक्षकों की बैठक करते हुए विशेष निर्देश दिए गए कि वे समय-समय पर बसों की औचक जांच करें। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि बसें निर्धारित स्टॉपेज और तय स्थानों से ही संचालित हों। यात्रियों को अनावश्यक असुविधा न हो, इसके लिए बस संचालन की निगरानी और मजबूत की जाए। क्षेत्रीय प्रबंधक ने यात्रियों से फीडबैक लेने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि यात्रियों की शिकायतों और सुझावों को गंभीरता से लिया जाए, ताकि सेवा गुणवत्ता में सुधार किया जा सके। साथ ही बसों में तैनात ड्राइवर और कंडक्टर के व्यवहार पर भी नजर रखने के निर्देश दिए गए, जिससे यात्रियों के साथ शालीन और बेहतर व्यवहार सुनिश्चित हो सके। बैठक के अंत में उन्होंने कहा कि निगम की आय बढ़ाने और सेवा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। अधिकारियों से अपेक्षा की गई कि वे जमीनी स्तर पर निगरानी बढ़ाएं और परिवहन व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

ग्रामीणों व बच्चों की सूझबूझ से चोरी की कार छोड़कर भागे बदमाश

अमृत विचार, लखनऊ : मोहनलालगंज के सोहावा गांव में स्कूली बच्चों की सतर्कता और ग्रामीणों की सूझबूझ से दो बदमाश चोरी की कार छोड़कर फरार हो गए। घटना उस समय हुई जब कक्षा 6, 7 और 8 के नौ बच्चे साइकिल से गांव से लगभग एक किलोमीटर दूर स्थित पूर्व प्राथमिक विद्यालय जैतीखेड़ा बाग जा रहे थे। नहर के माइनर के रास्ते में सफेद रंग की अल्टो कार में सवार दो युवक पहुंचे और बच्चों को टॉफी का लालच देकर कार में बैठाने का प्रयास किया।

बच्चों ने खतरा भांपते हुए अपनी साइकिलें वहीं छोड़ दीं और गांव की ओर दौड़ पड़े। रास्ते में सामने से आ रहे तीन ग्रामीणों को उन्होंने पूरी बात बताई। ग्रामीणों ने संदिग्ध युवकों से पूछताछ की और पुलिस बुलाने की बात कही। खुद को घिरा देखकर बदमाश ग्रामीणों को बातों में उलझाकर मौके से फरार हो गए।

ग्रामीणों ने बदमाशों का करीब एक किलोमीटर तक पीछा किया, लेकिन वे गांव की सीमा से बाहर निकलने में सफल रहे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया। जांच में सामने आया कि कार अमेठी जिले के पते पर पंजीकृत है और 24 जनवरी को चोरी हो चुकी थी, जिसकी शिकायत यूपी कॉप ऐप पर दर्ज थी।

इंस्पेक्टर बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि कार में पेट्रोल खत्म हो गया था और बदमाश बच्चों से कार धक्का लगाने को कह रहे थे। बच्चों के इंकार पर उन्हें डांटा गया, जिससे वे डरकर भागे और ग्रामीणों को जानकारी दी। पुलिस ने अपहरण के प्रयास की बात से फिलहाल इंकार किया है। आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

हरी झंडी — वैक्सीन निर्माण के लिए जीएमपी और जीएलपी के 20 बिंदु परीक्षण में खरा उतरा

बीपी संस्थान को मिला लाइसेंस, बनेंगी वैक्सीन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- फैक्ट्री का मिला लाइसेंस, वैक्सीन निर्माण की अनुमति देगा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन
- प्रक्रिया में प्रदूषण व लघु पशु लाइसेंस, फायर एनओसी भी शीघ्र मिलेगी

अमृत विचार : बादशाहबाग स्थित पशुपालन निदेशालय परिसर में करीब सात वर्ष से बंद पड़ा ब्रिटिशकालीन पशु जैविक औषधि संस्थान (बीपी संस्थान) अब बदले कलेवर और हाईटेक स्वरूप में मार्च तक दोबारा शुरू हो जाएगा। शुरुआती चरण में यहां आधुनिक मशीनों के माध्यम से एचएस, बीक्यू, स्वाइन फीवर और ईटी वैक्सीन का निर्माण किया जाएगा, जिनकी आपूर्ति पशु चिकित्सालयों को की जाएगी। इन वैक्सीनों की खरीद पर विभाग

अब तक करोड़ों रुपये खर्च कर रहा था।

सरकार के बचेंगे करोड़ों रुपये

वर्ष 2023 में सैंपल के तौर पर बनाई गई वैक्सीन आईवीआरआई, बरेली की जांच में सफल पाई जा चुकी हैं। स्वयं वैक्सीन निर्माण से गुणवत्तापूर्ण उत्पाद कम लागत में उपलब्ध होंगे, जिससे सरकार के करोड़ों रुपये बचेंगे और बाहरी खरीद पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। पशु चिकित्सालयों में समय पर आपूर्ति सुनिश्चित होगी। एफआई, पूल पॉक्स, पीपीआर और एचएस-2 ऑयल वैक्सीन पहले की तरह तैयार की जाएंगी। भविष्य में लंपी जैसी बीमारियों की वैक्सीन पर भी शोध कर निर्माण किया जाएगा।

महानियंत्रक औषधि, दिल्ली की गाइडलाइन के अनुसार बीपी संस्थान गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेस (जीएमपी) और गुड लेबोरेटरी प्रैक्टिस (जीएलपी) के 20 बिंदुओं पर खरा उतरा है। इसके आधार पर संस्थान को फैक्ट्री लाइसेंस प्रदान कर दिया गया है। वहीं प्रदूषण लाइसेंस, लघु पशु लाइसेंस और फायर एनओसी की प्रक्रिया चल रही है, जो विदेश से मशीनें आने और उनके स्थापित होते ही जारी कर दी जाएगी। वैक्सीन निर्माण का मुख्य लाइसेंस खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा दिया जाएगा। केंद्र और राज्य की संयुक्त टीम ने निरीक्षण के बाद संस्थान को हरी झंडी दे दी है। 14 करोड़ रुपये की लागत से तैयार की जा रही लैब का कार्य अंतिम चरण में है।

ये मुख्य आधुनिक मशीनें

- वॉटर फॉर इंजेक्शन प्लांट
- धूल-मिट्टी से बचाव के लिए दीवारों पर ई-पॉक्सी कोटिंग
- तापमान नियंत्रण को एचवीएसी प्लांट
- बॉयलर, ऑटोमेटिक फिलिंग और बॉटलिंग मशीन

मतदाता सूची से नाम काटने का आरोप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा ने प्रदेश की कई विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी समर्थक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से अवैध रूप से हटाने का आरोप लगाते हुए राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की ओर से गुरुवार को यह ज्ञापन दिया गया।

ज्ञापन में सपा ने आरोप लगाया गया है कि फतेहपुर, मथुरा, मऊ, अमेठी, जौनपुर, बस्ती, भदोही, बलरामपुर (तुलसीपुर), संभल (असमौली), जालौन, कासगंज और गोंडा सहित कई जिलों में भाजपा के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा फार्म-7 का दुरुपयोग कर सपा समर्थक विशेषकर पीडीए और अल्पसंख्यक मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची से कटवाने की साजिश की जा रही है। सपा का आरोप है कि फार्म-7 में मतदाताओं के नाम व ईपिक नंबर प्रिंट कर बीएलओ और ईआरओ पर दबाव बनाया जा रहा है। कई स्थानों पर बीएलओ को डराने-धमकाने और जबरन हस्ताक्षर कराने की शिकायतें भी दर्ज कराई गई हैं। सपा ने मांग की है कि सभी संदिग्ध फार्म-7 तत्काल निरस्त किए जाएं तथा इस मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो, ताकि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष रूप से सम्पन्न हो सके।

चुनाव आयोग भाजपाइयों के घर पर बना दे बूथ

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि चुनाव आयोग का कोई झंडा हो तो अब वो भाजपाइयों के घर पर लगा दे। उन्होंने कहा कि अब बस यही बचा है कि चुनाव आयोग भाजपाइयों के घर पर बूथ बना दे और भाजपाइयों को पीठासीन अधिकारी। सपा प्रमुख ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि क्या चुनाव आयोग ने भाजपा को ठेके पर अपना काम दे दिया है या भाजपा ने चुनाव आयोग को संविदा पर रख लिया है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक पर्यायवाची कोश में 'चुनाव आयोग' को 'भाजपा' के पर्यायवाची के रूप में जोड़ देना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

नगर निगम क्षेत्र में कराया जाएगा तालाबों का सर्वे

अमृत विचार, लखनऊ : नगर निगम की जमीनों पर हो रहे अवैध कब्जों पर लगाम कसने के लिए अब नगर निगम क्षेत्र में तालाबों और सरकारी जमीनों का सर्वे कराया जाएगा। सम्पत्ति विभाग की समीक्षा बैठक में अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव ने यह निर्देश जारी करते हुए एक महीने में रिपोर्ट मांगी है। नगर निगम सदन की बैठक में महापौर सुषमा खर्कवाल ने नगर निगम की जमीनों पर हो रहे कब्जों की शिकायत पर कार्रवाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए थे। इसके साथ ही नगर निगम की जमीनों को सुरक्षित करने के लिए तारबंदी कराने के लिए निर्देशित किया था। जिस पर अपर नगर आयुक्त ने गुरुवार को बैठक करके सर्वे शुरू करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में नगर निगम के तहसीलदार, नायब तहसीलदार और समस्त लेखपाल शामिल रहे। अपर नगर आयुक्त ने बताया कि नगर निगम द्वारा चिन्हित करके खाली कराई गयी 70 गाटों की जमीन पर मुख्य अभियंता कार्यालय द्वारा तारबाड़ कराया जाएगा। इसके अलावा 45 गाटों पर नगर निगम का उद्यान विभाग गड्ढे खोदने के साथ तारबाड़ कराके जमीन सुरक्षित कराएगा। जिससे दोबारा जमीनों पर अतिक्रमण न हो सके।

होली के लिए एसी बसों की अग्रिम बुकिंग शुरू

अमृत विचार : होली के त्योहार से पहले घर जाने की तैयारी कर रहे यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। उत्तर प्रदेश रोडवेज ने एसी बसों में यात्रा के लिए अग्रिम बुकिंग की सुविधा शुरू कर दी है। बुधवार से ऑनलाइन बुकिंग खुलते ही यात्रियों ने बड़ी संख्या में टिकट खरीदना शुरू कर दिया। क्षेत्रीय प्रबंधक अमरनाथ सहाय ने बताया कि फिलहाल यह अग्रिम बुकिंग सुविधा केवल एसी बसों के लिए उपलब्ध कराई गई है। इसका उद्देश्य त्योहार के दौरान यात्रियों को भीड़ और अव्यवस्था से राहत दिलाना है। अग्रिम बुकिंग से यात्री पहले से अपनी सीट सुरक्षित कर सकेंगे और अंतिम समय में होने वाली परेशानियों से बच पाएंगे। रोडवेज की ये एसी बसें आलमबाग बस अड्डे से संचालित होंगी। इनमें लखनऊ से दिल्ली, देहरादून, जयपुर, गोरखपुर और बरेली जैसे प्रमुख और व्यस्त रूट शामिल किए गए हैं। इन रूटों पर लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को खास सहूलियत मिलेगी। यात्री उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की आधिकारिक वेबसाइट upsrtc.com पर जाकर आसानी से टिकट बुक कर सकते हैं। वेबसाइट पर बसों की समय-सारिणी, रूट विवरण और सीटों की उपलब्धता की पूरी जानकारी दी गई है। रोडवेज अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि होली के मद्देनजर समय रहते टिकट बुक कर लें, ताकि यात्रा आरामदायक और सुरक्षित हो सके।

मुंबई की टीम ने सफाई व्यवस्था का किया अध्ययन

पीआईएल पर सुनवाई के लिए हाईकोर्ट ने गठित की है कमेटी, रिपोर्ट तैयार करेगी कूड़े के पहाड़ का कैसे किया निस्तारण

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

नगर आयुक्त के साथ मौजूद टीम के सदस्य। अमृत विचार

अमृत विचार : ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था के अध्ययन के लिए गुरुवार को लखनऊ पहुंची बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा गठित मॉनिटरिंग कमेटी का लालबाग स्थित स्मार्ट सिटी कार्यालय में महापौर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार ने स्वागत किया। जहां नगर निगम ने शहर की स्वच्छता व्यवस्था और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर प्रस्तुतीकरण दिया। जिसमें शहर की कचरा संग्रहण व्यवस्था, डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन, जीपीएस आधारित वाहनों की मॉनीटरिंग, ट्रांसफर स्टेशन, मैटिरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर, बायोमाइनिंग, कचरा प्रसंस्करण प्लांट, सीएंडडी वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट सहित अन्य परियोजनाओं की जानकारी दी गई। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बताया कि शहर में कचरा संग्रहण और उसके निस्तारण आधुनिक तकनीक से की जा रही है। शिकायतों के निस्तारण और मॉनीटरिंग के लिए कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की व्यवस्था है।

अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव ने बताया कि कैसे 100 प्रतिशत पुराने कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया गया। सड़क सफाई, प्लास्टिक वेस्ट के उपयोग, हरित विकास तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी परियोजनाओं की भी जानकारी दी। अपर नगर आयुक्त ने बताया कमेटी शुक्रवार को शिवरी स्थित ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण प्लांट का निरीक्षण करेगी।

बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा एक पीआईएल पर सुनवाई करते हुए लखनऊ नगर निगम द्वारा कूड़े के पहाड़ को किस तरह निस्तारित किया गया, इसकी एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए निर्देशित किया गया है। जिसके तहत हाई कोर्ट ने एक कमेटी का गठन किया है। जिसमें रिटायर्ड आइएएस, वैज्ञानिक, आईआईटी के प्रोफेसर सहित प्रशासनिक अधिकारी शामिल हैं।

कम मलबा शुल्क वसूली, 11 जेई का वेतन रोका

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : सभी आठ जोन में मलबा कलेक्शन के लिए बनाए गए सीएंडडी वेस्ट सेंटरों पर जरूरत भर मलबा नहीं आ रहा है। जबकि शहर में जगह-जगह मलबा फैला नजर आ जाएगा। मलबा हटवाने का काम जोन स्टर पर नगर निगम के अवर अभियंता देखते हैं।

सड़क पर फैले बिल्डिंग मैटेरियल या मलबे पर नगर निगम जुर्माना वसूलता है। लेकिन जोन स्तर पर सीएंडडी वेस्ट सेंटर पर मलबा शुल्क की कम वसूली पर नगर आयुक्त ने बड़ी कार्रवाई की है। उनके निर्देश पर 11 जेई के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इनका जनवरी माह का वेतन रोक दिया है। वेतन तभी जारी होगा जब सीएनडी वेस्ट से वसूले जाने वाला राजस्व 1.50 करोड़ रुपये का लक्ष्य 31 मार्च से पहले पूरा न हो जाए।

इनका वेतन रोका

जेई	जोन
अशोक कुमार	2
नीतू	3
शनि विश्वकर्मा	4
शिल्पी सिंह	4
अरुण मेहता	5
कैलाश	5
रमन सिंह	6
अभिषेक गुप्ता	6
दिव्या उपाध्याय	7
राजेंद्र कुमार	8
लता वर्मा	8

लविवि में नेट-जेआरफ में छात्रों ने पार किया शतक

- कुल 22 हुए जेआरएफ और 95 नेट चयनित

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों ने इस बार फिर रिकार्ड कायम करते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग में के नेट जेआरएफ परीक्षा में शतक का आंकड़ा पार किया है। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से 95 छात्र-छात्राओं ने नेट जबकि 22 ने जेआरफ के लिए उत्तीर्ण किया है। देर शाम तक परिणाम की मिली जानकारी के अनुसार विश्वविद्यालय से कुल 117 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, संकल्प और विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण का परिणाम है।

64.94 लाख गृहकर बकाए पर मंडी समिति का बैंक खाता सीज

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : गृहकर के बड़े बकायेदारों के खिलाफ नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई की है। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार नवीन गल्ला मंडी सीतापुर रोड के भवन संख्या जीबी/सीसी पर 31 मार्च 2026 तक कुल 42 लाख 36 हजार 118 रुपये गृहकर बकाया है। मंडी से जुड़े भवन संख्या 605/385 पर 22 लाख 57 हजार 922 रुपये की राशि बकाया है। उक्त धनराशि का भुगतान नगर निगम को अब तक नहीं किया गया है। नगर निगम ने वसूली के लिए पहले भी संस्था को कई बार बिल एवं नोटिस जारी किए थे।अधिकारियों ने व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर बकाया राशि जमा करने के लिए कहा था लेकिन भुगतान नहीं किया गया। जनवरी 2026 में नवीन गल्ला मंडी कार्यालय द्वारा 19 जनवरी 2026 का 22 लाख रुपये का एक चेक व्हाट्सएप के माध्यम से भेजा गया, जो बिना हस्ताक्षर का था। यह चेक न तो विधिसम्मत था और न ही नगर निगम कार्यालय में जमा कराया गया। इसके बाद भी संबंधित संस्था ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। जिसे देखते हुए उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 506 से 509 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मंडी समिति का बैंक खाता तत्काल प्रभाव से सीज कर दिया गया है। साथ ही इस खाते से किसी भी प्रकार के लेन-देन पर रोक लगा दी गई है।

आईटी सिटी के लिए जुटाई 2100 एकड़ भूमि

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 20 फरवरी को लांच होगी योजना, पहले किसानों को मिलेंगे भूखंड

अमृत विचार : लखनऊ विकास प्राधिकरण ने सुल्तानपुर रोड स्थित आईटी सिटी योजना 20 फरवरी को लांच करने की तैयारी तेज कर दी है। सबसे पहले इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में लैंड पूलिंग नीति के तहत निशुल्क जमीन देने वाले किसानों को सेक्टर-15, 16, 17 एवं 18 में 288 से 35 वर्गमीटर के भूखंड लॉटरी से आवंटित किए जाएंगे। प्राधिकरण ने अब तक करीब 1500 किसानों से 2,100 एकड़ जमीन जुटा ली है।

आईटी सिटी 3,490 एकड़ क्षेत्रफल की योजना है। इसमें मोहनलालगंज तहसील के ग्राम बक्कास, सोनई कंजेहरा, सिकन्दरपुर अमोलिया, सिद्धपुरा, परेहटा, पहाड़नगर टिकरिया, रकीबाबाद, मोहारी खुर्द, मोहारी कला, खुजौली और भटवारा की जमीन चिह्नित है। प्राधिकरण बोर्ड के निर्णय के अनुसार लैंड पूलिंग, भूमि अर्जन, आपसी सहमति से क्रय के आधार पर भूमि जुटाव का कार्य किया जा रहा है। इस क्रम में 27 जनवरी तक जिन भू-स्वामियों के लैंड पूलिंग के एग्रीमेंट निष्पादित हुए हैं। उनके मध्य 20 फरवरी को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मर्करी हॉल में लॉटरी ड्रा करके योजना लांच की जाएगी। इसके बाद आम लोगों के लिए ऑनलाइन पंजीयन खोला जाएगा। भूखंड की कीमत लगभग 4 हजार रुपये प्रति वर्गफिट प्रस्तावित है। इसी तरह वेलनेस सिटी लांच करके भूखंड आवंटित किए जाएंगे।

होली पर भद्रा और खग्रास चंद्रग्रहण का दुर्लभ संयोग

अमृत विचार , लखनऊ : इस वर्ष होली पर्व पर ज्योतिषीय दृष्टि से दुर्लभ संयोग बन रहा है। 2 मार्च को होलिका दहन के समय भद्रा का प्रभाव रहेगा, जबकि 3 मार्च को धुलेंडी के दिन खग्रास चंद्रग्रहण पड़ रहा है। इसे लेकर लोगों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। ज्योतिषाचार्य पंडित रामजी ने बताया कि 3 मार्च को चंद्रग्रहण के कारण सूतक काल रहेगा, जो ग्रहण से नौ घंटे पूर्व शुरू हो जाएगा। सूतक काल में शुभ कार्य, पर्व और मंदिर दर्शन वर्जित माने जाते हैं, इसलिए शास्त्रों के अनुसार 3 मार्च को होली खेलना उचित नहीं है। ऐसे में रंगों का पर्व 4 मार्च को मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 2 मार्च को चतुर्दशी तिथि शाम 5:18 बजे तक रहेगी, इसके बाद पूर्णिमा प्रारंभ होगी, जो 3 मार्च शाम 4:33 बजे तक रहेगी। पूर्णिमा के साथ भद्रा 2 मार्च शाम 5:18 बजे से 3 मार्च सुबह 4:56 बजे तक रहेगी। शास्त्रों के अनुसार भद्रा के पुच्छ भाग में होलिका दहन का विधान है। इस वर्ष होलिका दहन के लिए सर्वाधिक शुभ समय रात 12:50 से 2:02 बजे तक रहेगा।

युवा कल्याण अधिकारी पर दहेज प्रताड़ना की रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पत्नी का आरोप 50 लाख रुपये व गाड़ी की मांग पूरी न होने पर पीटा
- प्रेमिका संग शादी करने की बात कहकर घर से निकाला

अमृत विचार: जानकीपुरम थाने में विवाहिता ने हरदोई में तैनात युवा कल्याण अधिकारी, ससुरालवालों व कथित प्रेमिका के खिलाफ दहेज प्रताड़ना, मारपीट समेत गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप है कि दहेज में थार जीप देने के बाद भी अब 50 लाख रुपये और फॉरच्यूनर गाड़ी की मांग पूरी न होने पर मारपीट की गयी। यही नहीं पति ने तलाक लेकर प्रेमिका संग शादी करने की धमकी दी। मारपीट कर घर से निकाल दिया गया। इंस्पेक्टर जानकीपुरम विनोद कुमार तिवारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

बख्शी का तालाब के ग्राम देवरई कला निवासी तरुण प्रकाश तिवारी ने बेटी निकिता तिवारी की शादी 14 फरवरी 2025 को जानकीपुरम विस्तार साठ फीटा रोड के रहने वाले शिवाकांत द्विवेदी से आईआईएम रोड स्थित बीआर पैलेस में हुई थी। मूल रूप से इटौंजा निवासी शिवाकांत हरदोई में क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी के पद पर हैं। शादी में वधूपक्ष ने दान-दहेज व अन्य मदों में 93 लाख रुपये खर्च किए थे। साथ ही दहेज में महिंद्रा थार दी थी। शादी के बाद निकिता जानकीपुरम विस्तार स्थित ससुराल पहुंचीं, जहां पति शिवाकांत द्विवेदी, सास सुषमा, ससुर नारायण और ननद क्षमा ने कम दहेज का ताना देना शुरू कर दिया।

पीड़िता ने बताया कि शादी के समय पति शिवाकांत लखनऊ में संबद्ध थे। कुछ समय बाद उनका ट्रांसफर हरदोई हो गया था। आरोप है जब कभी शिवाकांत घर पर रुकते तो मोबाइल पर बात करते रहते थे। बाहर रहने पर उनका मोबाइल रात में व्यस्त रहता था। पूछने पर लखनऊ आकर मारपीट करते थे। आरोप है कि ससुरालवालों ने 25 लाख रुपये और फॉरच्यूनर गाड़ी की मांग की। पीड़िता ने यह बात मायकेवालों को बताई। यह भी बताया कि छानबीन में पता चला कि शिवाकांत का कानपुर की एक महिला से संबंध हैं। आरोप है कि दोनों साथ-साथ कई जगह घूमे और होटलों में भी रुके। जब इस बारे में सवाल किया गया तो पति और ससुराल पक्ष ने मारपीट करते हुए गला दबाकर मारने का प्रयास किया। बाद में तलाक की धमकी देकर सारे जेवर छीन लिए। सूचना मिलते ही 23 अक्टूबर को भाई ससुराल पहुंचा और बहन निकिता को लेकर चला गया। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि पति सोशल मीडिया पर कथित प्रेमिका के साथ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट कर उसे अभद्र शब्दों से अपमानित कर रहा है। विरोध करने पर आत्महत्या कर झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी भी दी जा रही है। पीड़िता की तहरीर पर जानकीपुरम थाने में पति, सास-ससुर, ननद और कथित प्रेमिका के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

सिटी डायरी

वार्षिक समारोह सम्पन्न

छात्रों को प्रमाण पत्र देते मुख्य अतिथि।

अमृत विचार , बख्शी का तालाब : बख्शी का तालाब क्षेत्र के हेमी स्थित एसएस पब्लिक स्कूल में गुरुवार को वार्षिक समारोह सादगी एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बीकेटी विधायक योगेश शुक्ला और मोहनलालगंज विधायक अमरीश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथियों एवं विद्यालय प्रबंधन द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके बाद विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों, योग प्रदर्शन, ड्रिल और खेल गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रभावी प्रदर्शन किया, जिसे उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों ने सराहा। कार्यक्रम के दौरान शैक्षणिक, खेल एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन प्रवीण सिंह चौहान और प्रधानाचार्य सीके शर्मा ने विद्यालय की शैक्षणिक व सहशैक्षणिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

एसआईआर सूची में नाम काटे जाने से आक्रोशित लोग।

नाम काटे जाने से लोगों में आक्रोश

अमृत विचार, सरोजनीनगर : सरोजनीनगर क्षेत्र के फर्रूखाबाद चिल्लावां गांव में एक ही समुदाय के दर्जनों लोगों के नाम एसआईआर सूची से काटे जाने की सूचना पर गुरुवार को ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। आरोप है कि गांव के प्राथमिक विद्यालय स्थित बूथ पर दशरथ कुमार नामक व्यक्ति ने फार्म-7 भरकर बड़ी संख्या में ग्रामीणों के नाम मतदाता सूची से हटाने के लिए आपत्ति दर्ज कराई। ग्रामीणों के अनुसार दशरथ कुमार ने बीएलओ रमजान अली को आवेदन देकर कई लोगों को मृत अथवा गांव का निवासी न होने की जानकारी दी। बीएलओ द्वारा फोन पर सत्यापन किए जाने पर मामला सामने आया। इसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण बूथ पर पहुंचे और नाराजगी जताई।

निर्माण रुकवाते राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारी।

रुकवाया अवैध निर्माण कार्य

अमृत विचार, निगोहां : क्षेत्र के लालपुर गांव में खाद गड्ढे और देवस्थान की भूमि पर अवैध कब्जे की सूचना मिलने पर राजस्व विभाग की टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। जांच के दौरान पाया गया कि कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर छोटी-छोटी दीवारें खड़ी की जा रही थीं और एक चौड़ा रास्ता बनाने का कार्य चल रहा था।राजस्व टीम ने मौके पर पहुंचते ही निर्माण कार्य को तत्काल रुकवा दिया और कब्जा कर रहे लोगों को सख्त हिदायत दी। लेखपाल अशोक वर्मा ने बताया कि पूरे मामले की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को प्रेषित की जा रही है और दोषियों के विरुद्ध आगे की कार्रवाई की जाएगी।

काकोरी में चेकिंग करते पुलिस अधिकारी।

काकोरी में सघन चेकिंग अभियान

अमृत विचार,काकोरी : राजधानी लखनऊ में प्रतिबंधित चाइनीज मांझा से एक युवक की मौत और दूसरे के गंभीर रूप से घायल होने की घटना के बाद पुलिस प्रशासन एक्शन मोड में नजर आया। इसी क्रम में काकोरी थाना क्षेत्र में पुलिस ने सघन जांच अभियान चलाया।एसीपी काकोरी शकील अहमद के नेतृत्व में थाना काकोरी पुलिस ने कस्बा काकोरी सहित पूरे थाना क्षेत्र में पतंग और मांझा बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ विशेष चेकिंग अभियान चलाया।

बुरा हाल

महापौर के निर्देश हवा हवाई, जिम्मेदार कर रहे खानापूर्ति

नगर निगम मुख्यालय के बाहर ही अतिक्रमण नहीं हटा पा रहे जिम्मेदार

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : महापौर सुषमा खर्कवाल के बार-बार निर्देश के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी नगर निगम मुख्यालय के बाहर ही अतिक्रमण नहीं हटा पा रहे हैं। पार्षद 27 जनवरी को हुई सामान्य सदन की बैठक में भी शहर में जाम और अतिक्रमण का मुद्दा उठा चुके हैं। महापौर ने अधिकारियों को मुख्यालय से लेकर लालबाग और कैसरबाग क्षेत्र तक प्रतिदिन अभियान चलाने के निर्देश दिए थे लेकिन अधिकारी उनके आदेश का मखौल उड़ा अभियान के नाम पर केवल खानापूर्ति कर रहे हैं। मुख्यालय से चंद कदमों की दूरी पर नावेल्टी चौराहे तक जाम से जनता को जूझना पड़ता है।

नगर निगम मुख्यालय के बाहर खड़े वाहन। अमृत विचार

नगर निगम मुख्यालय के बगल में ही दुकानदार सड़क पर कार एसेसरीज लगा रहे हैं। दुकान पर काम करने वाले कर्मचारी दिन भर सड़क से निकलने वाले वाहनों को एसेसरीज लगाने के लिए हाथ देकर रोकते हैं और सड़क पर ही गाड़ी लगवा देते हैं। इसके अलावा शर्मा चाय और दुर्गमा होटल के आस-पास भी सड़क के दोनों ओर वाहन खड़े कर दिये जाते हैं, जिससे आस-पास दिन भर जाम लगता है।

नगर निगम का दावा है कि समय-समय पर अभियान चलाकर दुकानदारों पर जुर्माना लगाया जाता है। लेकिन दुकानदारों को नगर निगम की कार्रवाई का डर नहीं है। अभियान चलाने के कुछ देर बाद ही सड़क पर फिर कार एसेसरीज कारोबार शुरू हो जाता है। अतिक्रमण से जाम की बुरी स्थिति देखते हुए महापौर ने प्रतिदिन अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं, जिसका अनुपालन नहीं किया जा रहा है।

वाहन उठाने को क्रेन मंगाई

- अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव ने अतिक्रमण और जाम का संज्ञान लेते हुए सड़क से अतिक्रमण हटाने के लिए जोनल अधिकारी ओपी सिंह को निर्देशित किया। साथ ही सड़क से गाड़ियां उठाने के लिए एक क्रेन जोन एक में तैनात करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एक महीने तक लगातार नगर निगम मुख्यालय से होते हुए नावेल्टी चौराहा, कैपर रोड, वाल्मीकि मार्ग और कैसरबाग तक अभियान चलाया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

12वीं के छात्र ने शिक्षिका के होंठ काटे

मैनपुरी,एजेंसी। मैनपुरी जिले में एकतरफा प्यार की सनक में 12वीं के एक छात्र द्वारा अपनी शिक्षिका पर जानलेवा हमला करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी छात्र ने सुनसान रास्ते में शिक्षिका को रोककर धारदार हथियार से हमला किया और उनके दोनों होंठ काट दिए। गंभीर रूप से घायल शिक्षिका का पहले सैफई अस्पताल में उपचार हुआ, बाद में परिजन उन्हें बेहतर इलाज के लिए आगरा के एक निजी अस्पताल ले गए। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। अखंड प्रताप सिंह नामक छात्र अपनी ही स्कूल की शिक्षिका से छेड़छाड़ करता था। इस संबंध में 'पेरेंट्स-टीचर मीटिंग' (पीटीएम) के दौरान छात्र की मां से शिकायत भी की गई थी। उस समय परिवार की ओर से सुधार का आश्वासन दिया गया, लेकिन छात्र की हरकतों में कोई बदलाव नहीं आया। परेशान होकर शिक्षिका ने स्कूल छोड़ दिया और ज्योति रोड स्थित दूसरे विद्यालय में पढ़ाने लगीं। इसके बावजूद आरोपी छात्र ने उनका पीछा करना नहीं छोड़ा। वह नए स्कूल के रास्ते में भी शिक्षिका को रोककर परेशान करने लगा और कथित तौर पर अनैतिक संबंध बनाने का दबाव डालता था।

पुलिस रिपोर्ट उपलब्ध कराना निष्पक्ष सुनवाई को आवश्यक शर्त : हाईकोर्ट

न्यायमूर्ति ने सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ता पर तय किए गए आरोपों को किया रद्द

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक मामले में आरोपी को पुलिस रिपोर्ट उपलब्ध कराने के संबंध में स्पष्ट किया कि आरोपी को पुलिस रिपोर्ट और संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराना महज औपचारिकता नहीं, बल्कि निष्पक्ष सुनवाई का मूल तत्व है। इसी आधार पर न्यायमूर्ति अवनीश सक्सेना की एकलपीठ ने बीएनएसएस की धारा 528 के तहत विजेंद्र कुमार द्वारा दाखिल याचिका स्वीकार करते हुए बीएनएसएस की धारा 230 का पालन न होने के कारण तय किए गए सभी आरोपों को रद्द कर दिया।

मामला इटावा के विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) की अदालत से जुड़ा है। जहां आरोपी के विरुद्ध बीएनएस की धारा 137(2), 87, 352 65(1) तथा पॉक्सो और एससी/एसटी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए थे। निचली अदालत ने छह जनवरी 2025 को आरोपपत्र पर संज्ञान लिया और चार अप्रैल 2025 को आरोप तय किए। साक्ष्यों का अवलोकन करने पर कोर्ट ने पाया कि आदेश में बीएनएसएस की धारा 230 के अनिवार्य अनुपालन का कोई उल्लेख नहीं था। केवल हाशिये पर आरोपी के हस्ताक्षर होने से यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि दस्तावेज वास्तव में उपलब्ध कराए गए थे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि धारा 230 के तहत पुलिस रिपोर्ट और बयान बिना विलंब और किसी भी स्थिति में पेशी की तारीख से 14 दिनों के भीतर उपलब्ध कराना अनिवार्य है। बाद में कोर्ट ने चार अप्रैल 2025 को तय आरोपों को रद्द कर दिया और निर्देश दिया कि एक सप्ताह के भीतर आरोपी को पुलिस संबंधी दस्तावेज उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही आरोपी को इसके बाद डिस्चार्ज आवेदन दाखिल करने की स्वतंत्रता भी प्रदान की गई।

मृतक आश्रित के अनुग्रह राशि के दावे को अस्वीकार नहीं कर सकता बैंक

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मृत बैंक कर्मचारी के आश्रित को अनुग्रह राशि देने से इनकार करने वाले बैंक के आदेश को निरस्त करते हुए मामले पर पुनर्विचार करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति विक्रम डी. चौहान की एकलपीठ ने कहा कि केवल आंतरिक परिपत्र के आधार पर दावा समय-सीमा से बाहर बताकर खारिज नहीं किया जा सकता, विशेषकर तब जब वह परिपत्र आश्रितों को कभी सूचित ही न किया गया हो। मामले में याची की माता, जो विपक्षी/सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, आगरा में कार्यरत थीं, उनका निधन सात अक्टूबर 2011 को हो गया था। याची ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया, जिस पर बैंक ने नियुक्ति से इनकार करते हुए अनुग्रह राशि के लिए आवेदन करने को कहा। इसके बाद परिवार की ओर से आवेदन प्रस्तुत किया गया, लेकिन बैंक ने यह कहते हुए दावा खारिज कर दिया कि कर्मचारी की मृत्यु के छह माह के भीतर आवेदन आवश्यक था। कोर्ट ने रिकॉर्ड के अवलोकन से पाया कि संबंधित समय-सीमा बैंक के एक आंतरिक परिपत्र से उत्पन्न हुई थी, जिसकी जानकारी मृतक कर्मचारी के आश्रितों को नहीं दी गई थी, साथ ही बैंक स्वयं पत्र जारी कर आवेदन आमंत्रित कर चुका था, इसलिए बाद में विलंब का आधार लेकर दावा अस्वीकार करना उचित नहीं ठहराया जा सकता। इन परिस्थितियों में न्यायालय ने बैंक के आक्षेपित आदेशों को निरस्त करते हुए मामले को पुनर्विचार के लिए वापस भेज दिया और निर्देश दिया कि याची के आवेदन पर यथाशीघ्र तीन माह के भीतर निर्णय लिया जाए।

कार्यवाही को बहु-आपराधिक इतिहास होना अनिवार्य नहीं

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद जिले के सिहानी गेट थाने में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के एक मुकदमे से संबंधित कार्यवाही रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि गैंग-चार्ट तैयार करने और अभियोजन शुरू करने की प्रक्रिया में गैंगस्टर नियमावली, 2021 का उल्लंघन सिद्ध नहीं हुआ है। कोर्ट ने अभिलेखों का अवलोकन करते हुए पाया कि गैंग-चार्ट में आधार मामले की जांच पूर्ण होने की तिथि अंकित थी और सक्षम अधिकारियों ने अपने हस्तलिखित संतोष के साथ संयुक्त बैठक में उसे अनुमोदित किया। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि नियम 5, 8, 16 या 17 का उल्लंघन हुआ है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की एकलपीठ ने श्रीमती ज्योति सूरी की याचिका खारिज करते हुए पारित किया। याची ने विशेष सत्र परीक्षण, आरोपपत्र तथा संज्ञान आदेश को रद्द करने की मांग करते हुए याचिका दाखिल की थी। याचिका में कहा गया कि गैंग-चार्ट में केवल एक आधार मुकदमे का उल्लेख है, संयुक्त बैठक की प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया और आरोपपत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न नहीं की गई और नियमों का उल्लंघन करते हुए गैंगस्टर एक्ट लगाया गया, जबकि राज्य की ओर से तर्क दिया गया कि आधार मामले की जांच पूरी होने के बाद ही गैंग-चार्ट तैयार किया गया, सक्षम अधिकारियों ने संयुक्त बैठक में विचार कर उसे अनुमोदित किया और सभी आवश्यक औपचारिकताओं का पालन किया गया। मामले के तथ्यों पर विचार करते हुए कोर्ट ने स्पष्ट किया कि गैंग-चार्ट के साथ आरोपपत्र की अदालत से जारी प्रमाणित प्रति संलग्न करना आवश्यक नहीं है। कोर्ट ने निष्कर्ष दिया कि गैंग-चार्ट की तैयारी, अनुमोदन और आरोपपत्र दाखिल करने की प्रक्रिया विधि के अनुरूप है तथा इसमें कोई ऐसी अवैधता नहीं है, जिससे पूरी कार्यवाही रद्द की जाए।

सूचना
मैने अपना नाम TAUFIQ से बदलकर TAUFIK AHMAD रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-BARSATI ADD-H-No-68 SADHAI PURWA PURE BALE DIST-SHRAWASTI-271840 (U.P.)

सूचना
मैने अपना नाम SHABANA BEGUM से बदलकर SHABANA PARVEEN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। FATHER NAME-MUNEER AHMAD ADD-551G/79 OLD SARDARI KHERA ALAMBAGH DIST-LUCKNOW-226005 (U.P.)

सूचना
सूचित हो कि मेरे पुत्र का नाम श्लोक धनगर (SHLOK DHANGAR) है। नाम से पहले दिव्य (DIVY) जोड़ दिया है। इस प्रकार अब मेरे पुत्र का नाम दिव्य श्लोक धनगर (DIVY SHLOK DHANGAR) हो गया है। जिसे भविष्य में इसी नाम से जाना पहचाना जाये। **सीमा पाल पत्नी आलोक पाल 570/851, गोपालपुरी, आलमबाग, लखनऊ, उ0प्र0।**

सूचना
सूचित हो कि मेरे पासपोर्ट सं0- N3075881 पर मेरा नाम त्रुटिवश UROOZ FATIMA दर्ज हो गया है, जो गलत है, जबकि मेरा सही नाम UROOJ FATIMA है। उपरोक्त UROOZ FATIMA और UROOJ FATIMA दोनों एक ही महिला के नाम हैं। अतः उपरोक्त पासपोर्ट में मेरा सही नाम UROOJ FATIMA दर्ज किया जाये। **उरूज फातमा (UROOJ FATIMA) पुत्री श्री इरशाद हुसैन पत्नी श्री अहमद जैदी, निवासी- 15 राइट बड़ा बाग, मुफ्तीगंज, थाना- ठाकुरगंज, चौक, जिला लखनऊ।**

ग्रीन औद्योगिक उत्कृष्टता में गोरखपुर यांत्रिक कारखाना को मिला ग्रीनको प्लेटिनम प्रमाण पत्र

गोरखपुर, अमृत विचार। भारतीय उद्योग परिसंघ सीआईआई गुरुवार को यांत्रिक कारखाना में आयोजित कार्यक्रम में यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर को ग्रीनको रेटिंग के प्रमाणीकरण के लिए प्लेटिनम स्तर का प्रमाण पत्र एवं शील्ड प्रदान की गई।

यह प्रतिष्ठित प्रमाण पत्र पर्यावरणीय स्थिरता, संसाधन संरक्षण तथा हरित औद्योगिक विकास के क्षेत्र में कारखाने के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया गया। ग्रीनको मूल्यांकन के दौरान कारखाने ने ऊर्जा दक्षता, जल संरक्षण, अक्षय ऊर्जा के उपयोग, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी, अपशिष्ट प्रबंधन, सामग्री संरक्षण एवं पुनर्चक्रण, हरित आपूर्ति श्रृंखला, हरित अवसंरचना तथा पर्यावरणीय नवाचार जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त की। प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर नरेश कुमार ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए सभी अधिकारियों, ग्रीनको टीम प्रभारीयों एवं कर्मचारियों को हार्दिक बधाई दी।

होली पर्व पर चलाई जाएंगी विशेष गाड़ियां

गोरखपुर, अमृत विचार। आगामी होली पर्व पर भारतीय रेल द्वारा 01 से 22 मार्च तक देश के विभिन्न नगरों से/को 1410 होली विशेष गाड़ियों का संचलन किया जायेगा। अभी तक की योजना के अनुसार पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से देश के विभिन्न नगरों के लिए 62 विशेष ट्रेनें चलाई जायेंगी, जिसे आवश्यकता पड़ने पर बढ़ाया जा सकता है। पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर, लखनऊ, बनारस, काठगोदाम, छपरा स्टेशनों से दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता सहित देश के विभिन्न नगरों के लिए होली विशेष गाड़ियों के संचलन से यात्री सुविधाजन्य तरीके से यात्रा कर अपने नगर को पहुँच कर अपनों के बीच सौहार्द का पर्व होली मना सकेंगे। यात्रीगण होली विशेष गाड़ियों में अपना बर्थ आरक्षित कराकर अपनी यात्रा को सुखद एवं अरामदेह बना सकेंगे।

रेलवे ट्रैक पर लगेगा एआई इनेबल्ड इंट्रूजन डिटेक्शन सिस्टम

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन वन्य जीव प्राणियों (हाथियों) की सुरक्षा हेतु महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। गाड़ी संचलन के दौरान रेल ट्रैक पर आने वाले हाथियों के बचाव हेतु नई तकनीक ए.आई. इनेबल्ड इंट्रूजन डिटेक्शन सिस्टम का उपयोग कर रही है। पूर्वोत्तर रेलवे के 99.18 रूट किमी. पर ए.आई. इनेबल्ड इंट्रूजन डिटेक्शन सिस्टम लगाया जायेगा। ए.आई. इनेबल्ड इंट्रूजन डिटेक्शन सिस्टम के द्वारा हाथियों की सुरक्षा बेहतर होगी। यह सिस्टम डिस्ट्रीब्यूटेड एकॉस्टिक सेंसर (डैस) के जरिये ट्रैक पर हाथियों के मौजूदगी का पता लगाता है। यह सिस्टम ऑप्टिकल फाइबर और पहले से फीड किये गये हाथियों की चाल के सिग्नेचर के आधार पर काम करता है और लोको पायलट, स्टेशन मास्टर एवं कंट्रोल रूम को तुरंत मैसेज भेजता है, ताकि समय रहते ट्रेन रोकी जा सके और हाथियों को बचाया जा सके।

पूर्वोत्तर रेलवे
शुद्धि-पत्र
"ई-निविदा सूचना सं.: DYCE-CON-LJN-11-2025, जिसकी टेण्डर क्लोजिंग दिनांक 06-02-2026 को 15:00 बजे थी, को आई.आर.ई.पी.एस. पोर्टल पर तकनीकि कारणों से निरस्त कर दिया गया है।"
उप मुख्य इन्जीनियर/निर्माण-I, लखनऊ
मुजाधि/डब्लू-450
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रदीप कुमार अग्रहरि पुत्र राम नारायण अग्रहरि नई बाजार, नगर पंचायत, पर0 व तहसील सलोन, जिला रायबरेली का निवासी हूं। मेरे आधार कार्ड में त्रुटिवश नाम हिमेश अग्रहरि व जन्मतिथि 10-08-1991 अंकित है, जो कि गलत है। मेरा सही नाम प्रदीप कुमार अग्रहरि और जन्मतिथि 10.08.1982 है। जिसे आधार कार्ड में अंकित किया जाना है।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
पहले मेरा नाम VASEE ROON NISHA था अब बदलकर VASHIRUN NISHA रख लिया है भविष्य में मुझे VASHIRUN NISHA के नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-RAFIQUL ISLAM ADD-QASBA,DEOGAON POST-P/S-DEOGAON DIST-AZAMGARH-276201(U.P.)

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता कि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम त्रुटि के कारण AZIM AHAMD लिख गया है। जबकि हाई स्कूल के अंक पत्र में मेरा नाम AZIM AHMAD लिखा है और यही सही है। अतः अब मुझे AZIM AHMAD के नाम से ही जाना पहचाना जाय। **अजीम अहमद, जमुनियाबाग, वजीरगंज - फैजाबाद (उ0प्र0)**

सूचना
पहले मेरा नाम OSAMA था अब मैने अपना नाम बदलकर OSAMA KHAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। OSAMA KHAN S/0-YUNUS KHAN ADD-VILL-POST&HEMPUR SIRSIYA DIST-SHRAWASTI (U.P.)

सूचना
मैने अपना नाम MOHAMMAD MAROOF से बदलकर MOHD MAROOF रख लिया है। भविष्य मे मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। MOHD MAROOF S/0-MOHAMMAD KHALIL ADD-VILL AND POST-SAIDANPUR DIST-BARABANKI-225206 (U.P)

सूचना
मैंने अपनी पुत्री रुद्रांशी ठाकुर का नाम वाणी ठाकुर रख दिया है। अब इसे इसी नाम से जाना पहचाना जाए। सरकारी अभिलेखों में भी वाणी ठाकुर ही लिखा व पढ़ा जाए। **एकता श्रीवास्तव पत्नी अर्पित कुमार ठाकुर, निवासी विनीत खंड, गोमती नगर लखनऊ।**

Public Notice
I have changed my name from IKBAL AHAMAD to IQBAL AHMAD. Henceforth, I should be known and identified by the name IQBAL AHMAD.IQBAL AHMAD (Ikbal Ahmad), son of Akbar Ali, resident of 41 Lalganj Utraula, District Balrampur.

सूचना
पहले मेरा नाम HARJEET था अब मैने बदलकर अपना नाम HARJEET NISHAD रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O TADAKNATH, SARAIYA MAFI PS BALDIRAI SULTANPUR UP 227812

सूचना
पहले मेरा नाम MOHAMMAD ASIF KHAN था अब मैने बदलकर अपना नाम MD ASIF KHAN रख लिया है भविष्य में मुझे MD ASIF KHAN के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- MOHAMMAD MUSHTAQ KHAN R/O- 544-K/639 SARDAR NAGAR BISMIL COLONY NEAR LAL MASJID BALAGANJ LUCKNOW

सूचना
पहले मेरा नाम ARSALA KHATOON था अब मैने बदलकर अपना नाम ARSALA BANO रख लिया है भविष्य में मुझे ARSALA BANO के नाम से जाना व पहचाना जाए। W/O- ABU TALHA R/O- VILL MUZASA MALIHABAD, LUCKNOW

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है मेरा इंटरमीडिएट का अंक पत्र और प्रमाण पत्र गांव से शाहाबाद आने पर 04. 02. 2026 को वास्तव में कहीं खो गये है। **विपिन शर्मा निवासी मोहल्ल कटरा तहसील शाहाबाद जिल हरदोई**

सूचना
मेरा पुत्र अनुज कुमार उर्फ लकी मेरे कहने में नहीं है। मुझे परेशान करता है जिसके चलते मैंने उसे अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। अब मेरा उससे कोई वास्ता सरोकार नहीं है। अपने किए गए कार्यो व लेन-देन का वह स्वयं जिम्मेदार होगा। **सूर्य प्रसाद पुत्र स्वर्गीय सुंदरलाल निकट शीतला मंदिर सर्राफा मंडी लालगंज रायबरेली।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम SALEEM AHMAD S/O ABUL WAHID था जो कि मैने अपना नाम बदलकर MOHD SALEEM S/O ABUL WAHID रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **निवासी मोहल्ला मंसूरगंज थाना दरगाह शरीफ जनपद बहराइच यूपी।**

सूचना
मेरी यूपी बोर्ड हाईस्कूल वर्ष 2005 अनुक्रमांक 2423659 तथा इंटरमीडिएट वर्ष 2007 अनुक्रमांक 1383560 अंकपत्र सह प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गया है। **लालमणि मौर्य पुत्र खेदूराम मौर्य निवासी ग्राम व पोस्ट कटरिया याकूबपुर, तहसील अकबरपुर, जिला - अंबेडकरनगर।**

बेदखली सूचना
मैं **वहीद अहमद सुत स्व0 सईद अहमद, निवासी ग्राम-कोटिया थाना-कुड़वार जिला-सुलतानपुर,** मेरा पुत्र अमीर उल्ला व उसकी पत्नी सायरा बानों हमेशा मुझसे व पास पड़ोस के लोगों से लड़ाई झगड़ा करती रहती है जिससे मेरी सामाजिक छवि धूमिल हो रही है। मेरे कहने सुनने में नहीं है। उपरोक्त लोगों के व्यवहार से परेशान होकर अपनी सम्पूर्ण चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ अगर मेरे पुत्र अमीर उल्ला व बहू सायरा बानों के द्वारा कोई भी आपराधिक कार्य किया जाता है तो मेरा व मेरे परिवार वालो से कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम PARDEEP दर्ज हो गया है जो कि गलत है जबकि मेरे आधार कार्ड एवं हाई स्कूल के मार्कशीट पर मेरा सही नाम PRADEEP है। मेरा नाम PRADEEP मेरे सभी दस्तावेज में मान्य होगा। प्रदीप (PRADEEP) पुत्र नंदलाल (NANDLAL) ग्राम व पोस्ट भगतपुर, थाना अतरौलिया, तहसील बूढ़नपुर जिला आजमगढ़ उत्तर प्रदेश

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के छात्रों को पुरस्कार मिला

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2026 के अवसर पर वन विभाग द्वारा पक्षी फोटोग्राफी प्रतियोगिता में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को पुरस्कार मिला है। विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2026 के अवसर पर वन विभाग द्वारा पक्षी फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य आर्द्रभूमियों के संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना था। इस प्रतियोगिता में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 172 स्टेशनों का काम पूरा

नई दिल्ली, अमृत विचार। स्टेशन का पुनर्विकास रेल मंत्रालय ने स्टेशनों के दीर्घकालिक पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है। इस योजना के अंतर्गत स्टेशनों के सुधार हेतु मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध तरीके से उनका कार्यान्वयन करना शामिल है। अब तक इस योजना के तहत विकास के लिए 1337 स्टेशनों की पहचान की गई है। फिलहाल, 172 स्टेशनों का काम पूरा हो चुका है। भारतीय रेलवे (आईआर) द्वारा देशभर के पुलों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। पुलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, आईआर में रेलवे पुलों के निरीक्षण की एक सुस्थापित प्रणाली है। सभी पुलों का निरीक्षण वर्ष में दो बार नामित अधिकारियों द्वारा किया जाता है, एक बार मानसून शुरू होने से पहले और एक बार मानसून के बाद विस्तृत निरीक्षण। इसके अतिरिक्त, मुख्य पुल अभियंता (सीबीई) द्वारा निर्धारित स्थिति के आधार पर कुछ पुलों का निरीक्षण अधिक बार भी किया जाता है।

रेलवे बोर्ड के सदस्य ने दौरा कर समीक्षा की

नई दिल्ली, अमृत विचार। रेलवे बोर्ड के सदस्य परिचालन एवं व्यवसाय विकास हरि शंकर वर्मा ने बड़ौदा हाउस स्थित उत्तर रेलवे मुख्यालय का दौरा किया और जोन के परिचालन प्रदर्शन और रणनीतिक दिशा की समीक्षा की। उनके आगमन पर, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक डॉ. मोनिका अग्निहोत्री और प्रमुख मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक प्रवीण पांडे ने उनका औपचारिक स्वागत किया। विभागाध्यक्षों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान, हरि शंकर वर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि रेल संचालन के दौरान संरक्षा और सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए। कार्य संस्कृति के संबंध में कड़े निर्देश देते हुए, उन्होंने सभी वरिष्ठ अधिकारियों को औपनिवेशिक मानसिकता त्यागने और सेवा वितरण में पूर्णत ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने दी।

राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कल से

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु में आगामी 7 फरवरी को 'भारतीय भाषा परिवार' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम भारतीय भाषा समिति, दिल्ली एवं सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न होगा। इस संगोष्ठी में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन कार्यरत भारतीय भाषा समिति द्वारा राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी), दिल्ली से प्रकाशित 'भारतीय भाषा परिवार' विषयक दो महत्वपूर्ण पुस्तकों के विशेष संदर्भ में गहन चर्चा की जाएगी।

लखनऊ नगर निगम
लालबाग, टी.एन. रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.)
ई-टेण्डर पोर्टल : https://etender.up.nic.in

निविदा सू.सं. : 382/मु0अ0/ई.ई./2025-26 दिनांक : 05.02.2026

अति-अल्पकालिक निविदा सूचना

नगर निगम, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु दिनांक 12.02.2026 को मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 11.02.2026 अपरान्ह 2:00 बजे तक कार्यालय दिवस की अवधि में फार्म कीपर कार्यालय के अतिरिक्त, मुख्य अभियन्ता, मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते है या नगर निगम की वेबसाइट lmc.up.nic.in से टेण्डर नोटिस डाउनलोड किया जा सकता है। निविदा दिनांक 12.02.2026 को अपरान्ह 3:00 बजे तक मुख्य अभियन्ता कार्यालय कक्ष में रखे निविदा बॉक्स में डाली जा सकती है। प्राप्त निविदाएं दिनांक 12.02.2026 को अपरान्ह 4:00 बजे मुख्य अभियन्ता के समक्ष खोला जायेगा। यदि निविदा तिथि को अवकाश होता हैं तो निविदा अगले कार्य दिवस को डाली एवं खोली जायेगी। किसी भी निविदा को स्वीकार एवं अस्वीकार करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा।

क्र. सं.	कार्य का नाम	कार्य धनांक (रू. में) जीएसटी रहित	धरोहर धनराशि (रू. में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	18% GST	कुल निविदा मूल्य (रू. में)
1	जोन-04 हाईकोर्ट गेट नं0-09 के पास सर्वजनिक शौचाल एवं यूरिनल के निर्माण का कार्य।	843382.00	84339.00	30 दिन	844.00	152.00	996.00

शर्ते :- 01. निविदा में प्रतिभाग हेतु नगर निगम में पंजीकृत होना आवश्यक नही है। न्यूनतम निविदा धारक को सफल होने पर नियमानुसार पंजीकरण कराना आवश्यक होगा। **02.** 10 प्रतिशत निम्न तक 0.50 प्रति 1 प्रतिशत कम दर पर तथा 10 प्रतिशत से अधिक निम्न दर पर 1.00 प्रतिशत प्रति कम दर पर सिक्योरिटी/परफारमेन्स गारण्टी ली जायेगी। **03.** शासनादेश संख्या-962/नौ-9-2017/81ज/17 दिनांक 17.10.2017 के अनुसार जी.एस.टी. का भुगतान फर्म द्वारा वास्तविक वाउचर प्रस्तुत करने के उपरान्त प्रतिपूर्ति की जायेगी। **04.** आवेदक निविदादाता को शासनादेश संख्या 3890/नौ-5-19-149 सा0/2019 दिनांक 20.09.2019 का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा। **05.** कार्य समय से पूर्ण न होने पर अर्थ दण्ड लगाया जायेगा एवं जमानत धनराशि जब्त कर फर्म को काली सूची में डाल दिया जायेगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी सम्बन्धित ठेकेदार/फर्म की होगी। **06.** कार्य हेतु 01 वर्ष की डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड पूर्ण होने के उपरान्त ही कार्य सन्तोषजनक पाये जाने पर जमानत धनराशि अवमुक्त किया जायेगा।

मुख्य अभियन्ता

समाज और किसानों के हित में उपयोगी सिद्ध होने चाहिए शोध

वाराणसी, एजेंसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में गुरुवार को "सतत विकास के लिए जलवायु अनुकूल कृषिः नवाचार और समाधान 2026" विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। कृषि विज्ञान संस्थान के आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग द्वारा आयोजित इस सम्मेलन का तकनीकी सहयोग फिलीपींस स्थित अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान ने किया है। इसमें देश-विदेश के वैज्ञानिक, शोधकर्ता, नीति-निर्माता और विद्यार्थी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का कृषि उत्पादन पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है, इसलिए प्रमाण-आधारित शोध और ठोस समाधान समय की आवश्यकता हैं। उन्होंने अंतर्विषयी सहयोग, नवाचार और स्थायी साझेदारी पर बल देते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों का शोध समाज और किसानों के हित में उपयोगी सिद्ध होना चाहिए। मुख्य अतिथि डॉ. हिमांशु पाठक, महानिदेशक, अंतरराष्ट्रीय अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय फसल अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का सबसे अधिक असर गरीब और कमजोर समुदायों पर पड़ रहा है। उन्होंने खाद्य सुरक्षा और आजीविका की रक्षा के लिए सामूहिक प्रयासों, अनुकूलन और शमन की रणनीतियों को अपनाने की आवश्यकता बताई तथा निरंतर निवेश पर जोर दिया। अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र के निदेशक डॉ. सुधांशु सिंह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन अब वास्तविक चुनौती बन चुका है।

छात्रों को बताए कैंसर के लक्षण और बचाव के तरीके

रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट ने अमृत विचार के सहयोग से दो दिन में छह विद्यालयों के छह सौ बच्चों को किया जागरूक

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- जीके सिटी मोंटेसरी स्कूल, जय नारायण सरस्वती स्कूल व नालंदा पब्लिक स्कूल में हुआ कैंसर जागरूकता कार्यक्रम
- छात्रों को कैंसर से बचाव के लिए नियंत्रित जीवनशैली और सेहतमंद खानपान की आदत अपनाने की दी गई सलाह

अमृत विचार : रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट ने अमृत विचार के सहयोग से विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर दो दिवसीय कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का गुरुवार को समापन हो गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन जीके सिटी मोंटेसरी स्कूल, जय नारायण सरस्वती स्कूल और नालंदा पब्लिक स्कूल में हुए कार्यक्रम में रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट के कैंसर विशेषज्ञ डॉ. सिद्धार्थ अरोड़ा ने विद्यार्थियों को कैंसर के संबंध में ए टू जेड तक जागरूक किया। कैंसर के लक्षण, उपचार और बचाव के साथ ही इससे बचाव रखने के लिए जीवनशैली कैसी रखनी चाहिए, किस तरह का खानपान रखना चाहिए आदि बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी। जागरूकता कार्यक्रम में दो दिन में शहर के छह स्कूलों के करीब छह सौ बच्चों को कैंसर के प्रति जागरूक किया।

कैंसर जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत पहले सत्र में सुबह करीब 11.15 बजे से जीके सिटी मोंटेसरी स्कूल में कार्यक्रम कराया गया। डॉ. सिद्धार्थ अरोड़ा ने छात्र-छात्राओं को कैंसर के लक्षण, बचाव के संबंध में विस्तार से बताया। छात्र-छात्राओं ने कैंसर को लेकर कई सवाल किए, जिस पर डॉ. सिद्धार्थ अरोड़ा ने बच्चों की मन की शंकाओं को दूर किया। बच्चों को जीवनशैली बेहतर रखने और खानपान पर ध्यान देने पर जोर दिया। स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. नरेंद्र शर्मा ने कहा कि बच्चों को कैंसर सहित अन्य गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूक करते रहना चाहिए, ताकि बच्चे अपने परिवार, समाज को जागरूक कर सकें। इस तरह के कार्यक्रम बच्चों को विभिन्न बीमारियों के प्रति जागरूक करने में सहयोगी बनते हैं। कैंसर से डरना नहीं चाहिए। सही समय पर इलाज से कैंसर से मरीज को बचाया जा सकता है। वहीं, दूसरे सत्र में दोपहर 1 बजे जय नारायण सरस्वती स्कूल में कार्यक्रम आयोजित किया। डॉ. सिद्धार्थ अरोड़ा ने बच्चों को कैंसर के शुरुआती लक्षण, उनकी पहचान सहित कई कारणों से होने वाले विभिन्न कैंसर के प्रति जागरूक किया। कैंसर से स्वयं को बचाने के लिए जीवनशैली में किस तरह से बदलाव करने की जरूरत है, उसकी जानकारी से बच्चों को रूबरू कराया। शरीर फिट रखने और मोटापा कम करने के लिए एक्सरसाइज करने पर जोर दिया। बच्चों ने बताया कि हम लोगों को बहुत अच्छी जानकारी दी गयी। कैंसर के प्रति सभी स्कूलों में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित होने चाहिए, समाज में जितनी जागरूकता आएगी, उतना ही ज्यादा लोग कैंसर से अपना बचाव रख सकेंगे। तीसरे सत्र में दोपहर करीब 2.15 बजे नालंदा पब्लिक स्कूल में आयोजित किए गए कैंसर जागरूकता कार्यक्रम में डॉ. सिद्धार्थ अरोड़ा ने बच्चों को विभिन्न कैंसर के प्रति जागरूक किया। बच्चों से कहा कि कैंसर लाइलाज नहीं है, आधुनिक उपचार से कैंसर को मात दी जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान कैंसर विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम भी मौजूद रही। वहीं, बुधवार को सोब्तीज पब्लिक स्कूल, केशलता इंटरनेशनल स्कूल, नारायणा ई-टेक्नो स्कूल में कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट व अमृत विचार की ओर से जयनारायण सरस्वती स्कूल में आयोजित कैंसर जागरूकता कार्यक्रम में बोलते डॉ. सिद्धार्थ अरोड़ा। ● अमृत विचार

ढाई साल की भतीजी से दुष्कर्म कर फंदा लगाकर दी जान

बीसलपुर (पीलीभीत), अमृत विचार: रिश्तों को शर्मसार करती हुई एक घटना दियोरियाकलां क्षेत्र से सामने आई। छत पर खेल रही ढ़ाई साल की भतीजी को उसका चचेरा चाचा अपने साथ ले गया और दुष्कर्म किया। इस घटना की जानकारी जब परिवार तक पहुंची तो कुछ दी देर बाद आरोपी चाचा ने फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। आरोपी की मौत हो गई और बच्ची को सीएचसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है।

घटना पीलीभीत जिले के दियोरियाकलां कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की है। गुरुवार देर शाम एक ग्रामीण की ढ़ाई साल की बच्ची अपनी छत पर खेल रही थी। इस दौरान उसका 25 वर्षीय चचेरा चाचा पहुंचा और बच्ची को पहले बहलाया फुसलाया। इसके बाद अपने साथ ले गया और दरिंदगी दिखाते हुए बच्ची से दुष्कर्म किया। बच्ची की हालत बिगड़ गई। बच्ची के रोने पर परिजन पहुंचे और जानकारी की। जिसके बाद घर में घटना को लेकर विवाद हुआ। आरोपी को डांट फटकार लगाई गई। इसके बाद आरोपी चाचा ने फंदे से लटक कर अपनी जान दे दी।

उधर, बच्ची को परिजन सीएचसी बीसलपुर ले गए। वहां से प्राथमिक इलाज के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस पहुंची और जानकारी की। अफसर भी पहुंचे और मौका मुआयना किया। एसओ दियोरिया गौतम सिंह ने बताया कि चचेरे चाचा ने छत पर खेल रही ढ़ाई साल की भतीजी से दुष्कर्म किया। इसके बाद खुदकुशी कर ली है। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचकर जानकारी की गई। बच्ची को अस्पताल भिजवाया गया है। मामले में कार्रवाई की जा रही है।

कचहरी में अधिवक्ताओं का हंगामा, साथी का तख्त फूंका

मारपीट करने वाले टोल के कर्मियों की पैरवी पर भड़के

फूटा गुस्सा

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : गुरुवार को कचहरी में माहौल अचानक उग्र हो गया। बारा टोल प्लाजा पर वकीलों से मारपीट के आरोपियों की पैरवी कर रहे कचहरी के एक अधिवक्ता का तख्त व बेंच फूंक दी गई। साथी वकीलों का गुस्सा देख पैरवी कर रहे वकील के साथ ही उनके सहयोगी मौके से चुपचाप निकल गए। हालांकि कोर्ट से आरोपियों की जमानत याचिका भी खारिज कर दी गई। मौके पर जमकर हंगामा हुआ। वहीं पैरवी के आरोपी वकील के बैठने न बैठने पर फैसले का दायित्व कार्यकारिणी पर डाल दिया गया है।

बताते चलें कि हैदरगढ़ कोतवाली क्षेत्र में लखनऊ-सुल्तानपुर हाईवे पर स्थित बारा टोल प्लाजा पर बीती 14 जनवरी को टोल कर्मियों और एक वकील के बीच मारपीट और जबरदस्त विवाद हुआ था। फास्टैग बैलेंस न होने पर वकील की पिटाई से आक्रोशित वकीलों ने तीन दिन तक विरोध प्रदर्शन किया था। इस मामले में पीड़ित वकील की तहरीर पर पुलिस ने टोल प्लाजा प्रबंधक समेत आधा दर्जन लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली। घटना के बाद एनएचएआई ने टोल ऑपरेटर कंपनी का अनुबंध समाप्त कर दिया था।

गुरुवार को जिला मुख्यालय पर कचहरी में न्याय भवन के सामने हाल में बैठने वाले अधिवक्ता मनोज शुक्ला ने आरोपियों की जमानत के लिए निचली अदालत में वकालतनामा लगाया था। इसकी खबर तेजी से फैली, वहीं मनोज शुक्ला के तख्त के आसपास भीड़ एकत्र हो गई, माहौल उग्र हो गया, इसी बीच वकील मनोज शुक्ला अपने सहयोगियों के साथ मौके से निकल लिए, वहीं उनका तख्त व बेंच तोड़फोड़ कर उसमें आग लगा दी गई। इस दौरान एकत्र भीड़ ने जमकर हंगामा व नारेबाजी की। यह घटना सुनने व देखने के बाद परिसर में चर्चा का माहौल बन गया। इस बारे में जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष नरेन्द्र वर्मा ने बताया कि अधिवक्ता मनोज शुक्ला बारा टोल प्लाजा पर वकील के साथ हुई घटना के आरोपियों की पैरवी कर रहे थे। इसकी खबर पाकर गुस्साए वकील एकत्र हो गए और नाराजगी का इजहार किया। हालांकि वकील का सामान सुरक्षित है। आगे वकील मनोज शुक्ला कचहरी में बैठेंगे या नहीं के सवाल पर नरेन्द्र वर्मा ने जवाब दिया कि इसका फैसला कार्यकारिणी या सदन करेगा। आरोपियों की जमानत याचिका भी खारिज हो गई है।

फाइनल मैच जीतने के बाद विक्ट्री का निशान दिखाते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

माताओं को समर्पित फाइनल में जीसीटी विजेता

लखनऊ, अमृत विचार : प्रतिमा सिंह की स्मृति में आयोजित स्मृति कप सीज़न-2 का फाइनल मैच स्पोर्ट्स गैलेक्सी क्रिकेट ग्राउंड में हुआ। राजस्व परिषद के अध्यक्ष अनिल कुमारमुख्य अतिथि रहे। इस वर्ष टूर्नामेंट पूरी तरह माताओं को समर्पित रहा। धारा वर्ल्ड ने 18.1 ओवर में 108 रन बनाये। जवाब में जीसीटी ने 16.2 ओवर में 109/4 बनाकर 6 विकेट से जीत दर्ज की। टूर्नामेंट का आयोजन चन्दन सिंह और नंदन सिंह द्वारा किया गया।

युवक के माथे का तिलक जबरन मिटाया

देवा, बाराबंकी, अमृत विचार : सूफी संत हाजी वारिस अली शाह की दरगाह के बाहर गुरुवार को एक शर्मनाक घटना हुई, जिसका वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में एक समुदाय विशेष का युवक दूसरे युवक के माथे पर लगा तिलक पानी से धोता दिख रहा है। गुरुवार दोपहर दरगाह पर जियारत करने पहुंचे हरीश शर्मा के साथ एक व्यक्ति द्वारा मारपीट और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। पीड़ित के अनुसार, दरगाह के बाहर प्रसाद की दुकान लगाने वाले व्यक्ति ने उसे पंडित कहकर बुलाया और तिलक लगाने को लेकर विवाद शुरू कर दिया। विरोध पर आरोपी ने मारपीट की और पीड़ित के माथे पर लगे तिलक को जबरन पानी से मिटा दिया। पुलिस आरोपी जावेद वारसी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

युवक लापता

बाराबंकी, अमृत विचार : थाना बड्डूपुर क्षेत्र में सामान लाने सीतापुर गया युवक अचानक लापता हो गया। ग्राम शाहपुर मजरे भगौली तीर्थ निवासी मोहम्मद जुबेर ने अपने 25 साल के पुत्र मोहम्मद अनवार के लापता होने की सूचना थाने में दी। बताया कि मोहम्मद अनवार 3 फरवरी की शाम अपने घर से महमूदाबाद जनपद सीतापुर कुछ सामान लेने के लिए निकला था, लेकिन देर रात तक वापस घर नहीं लौटा। परिजनों द्वारा आसपास तलाश किए जाने के बावजूद युवक का कोई सुराग नहीं लग सका।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, सीतापुर।

पताः—तृतीय तल, विकास भवन, सीतापुर।

मैन्यूवल निविदा की प्रेस सूचना

पत्रांक—1564 / ग्रा0अ0वि0 / निविदा पत्राली / अनु0सहायक / 2025—2026, दिनांकः—21—01—2026

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड सीतापुर के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में ए,बी,सी,डी एवं ई श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से *मैन्यूवल विधि* के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्यों हेतु स्वीकृति निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा दे सकता है। जी0एस0टी0 की धनराशि जमा कर रसीद की मूल प्रति अन्य निविदा प्रपत्रों के साथ कार्यालय में जमा करना होगा।

1. कार्य से सम्बंधित विवरण निम्नवत् हैः—

क्र0 सं0	जनपद का नाम	योजना / कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0में)	बिड सिकुरिटि (इ0एम0डी0) (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य जी.एस.टी. सहित (रू0में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षाऋतु सहित
1	2	3	4	5	6	7
		विधायक निधि योजना				
1	सीतापुर	हरगांव—लहरपुर मार्ग से मुद्रासन के पास लोकतंत्र सेनानी राधे श्याम मिश्रा स्मृति द्वार का निर्माण, वि0खं0 हरगांव।	9.93	0.50	500+225+132= 857.00	03 माह
2	सीतापुर	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिसवां की बाउण्ड्रीवाल व गेट नम्बर—02 का निर्माण कार्य, वि0खं0 बिसवां।	8.92	0.45	500+225+132= 857.00	03 माह
3	सीतापुर	सिधौली से महमूदाबाद भट्ठे के पास भगवान महावीर जैन जी स्मृति द्वार का निर्माण, वि0खं0 सिधौली।	9.93	0.50	500+225+132= 857.00	03 माह
4	सीतापुर	पैतेपुर नगर पंचायत के पास मेजर ध्यानचन्द जी स्मृति द्वार का निर्माण, वि0खं0 महमूदाबाद।	9.93	0.50	500+225+132= 857.00	03 माह
5	सीतापुर	मनवा चौराहे के पास भटपुर रोड पर साहित्यकार मुंशी प्रेमचन्द्र जी स्मृति द्वार का निर्माण, वि0खं0 सिधौली।	9.93	0.50	500+225+132= 857.00	03 माह
6	सीतापुर	मछरेहटा में कल्ली मार्ग पर लोकमाता अहिल्याबाई होलकर जी स्मृति द्वार का निर्माण, वि0खं0 मछरेहटा।	9.93	0.50	500+225+132= 857.00	03 माह
7	सीतापुर	जलालपुर से मछरेहटा सूरजपुर चौराहे पर आदिगुरु श्री शंकराचार्य जी स्मृति द्वार का निर्माण, वि0खं0 मछरेहटा।	9.93	0.50	500+225+132= 857.00	03 माह
8	सीतापुर	सिधौली से मिश्रिख रोड पर बाड़ी साहित्यकार श्री नरोत्तम दास ठाकुर जी स्मृति द्वार का निर्माण, वि0खं0 सिधौली।	9.93	0.50	500+225+132= 857.00	03 माह
9	सीतापुर	कमलापुर शिवपुरी मैग्ना चीनी मिल रोड पर मान्यवर श्री कांशीराम जी स्मृति द्वार का निर्माण कार्य, वि0खं0 कसमण्डा।	9.93	0.50	500+225+132= 857.00	03 माह

2. निविदा सूचना में अंकित कार्यालयों में बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथिः—17—02—26 से 19—02—26 (पूर्वान्ह 11:00 बजे से अपरान्ह 4:00 बजे तक)
3. निविदा प्राप्ति के लिए अंतिम तिथि, समय व स्थानः—20—02—26 को दोपहर 12:00 बजे तक कार्यालय अधिशासी अभियन्ता ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग प्रखण्ड—सीतापुर, अधीक्षण अभियन्ता ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग परिमण्डल लखनऊ, एवं जिलाधिकारी जनपद सीतापुर।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समयः—21—02—26 को अपरान्ह 12:30 बजे।

अधिक जानकारी के लिए कृपया अधिशासी अभियन्ता ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग प्रखण्ड सीतापुर में सम्पर्क करें।

(ज्ञानेन्द्र कुमार)
अधिशासी अभियन्ता,
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
प्रखण्ड सीतापुर।
राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से।

UP - 245235 दिनांक: 04/02/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय उपजिलाधिकारी बलरामपुर सदर जनपद बलरामपुर

पत्रांकः—564 / र0का0 / मत्स्य नीलामी शिविर / विज्ञप्ति / 2026 दिनॉकः— 02.02.2026

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 एवं नियमावली—2016 की धारा 61 ख नियम 57 व शासनादेश संख्या 1 / 60 / 01—02—2013—96 रिट संख्या 2013 दिनाक 09 जून 2013 राजस्व अनुभाग—2 लखनऊ के अनुक्रम में नीलामी द्वारा ग्राम सभाओं के 0.200हे0 से 2.00हे0 से बडे तालावों, पोखरों, मीनाशयों, एवं जल प्रणालियों का 10 वर्ष मस्त्य पालन पट्टा शिविर का आयोजन शासनादेशानुसार आवंटन समिति के सदस्यों की उपस्थिति में तहसील सभागार बलरामपुर में शिविर अधिकारी, नायब तहसीलदार बलरामपुर की उपस्थिति में प्रातः 10 बजे से की जायेगी, तथा पटटा हेतु आवेदन अपराहन 02 बजे तक ही स्वीकार की जायेगी उसके पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नही किया जायेगा, 0.200 से 2.00 हे0 तक लगान 5000 रूपया प्रति एकड़ है तथा 02 हे0 से अधिक का 10000.00 रूपया प्रति एकड़ लगान निर्धारित की जायेगी, तथा आरक्षित बोली का 25 प्रतिशत तत्काल जमा करना होगा नीलामी पट्टा हेतु तालाबों का विवरण निम्नवत् हैः—

क्रमांक	ग्राम का नाम	गाटा सख्या	क्षेत्रफल (हे0)	रा0स0की धार 61 के अर्न्तगल 2 हे0 से कम क्षे0 वाले तालावों का लगान रू0 5000 एवं 2हे0 से अधिक क्षे0 वाले तालाबो की लगान 10000 रूपया प्रति हे0 प्रति वर्ष की दर से प्रतिवर्ष हेतू आरक्षित है।	बोली बोलने हेतु आरक्षित न्यूनतम धनराशि 1/4 भाग	विकास खण्ड का नाम	शिविर/नीलामी की तिथि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	विशुनीपुर	167	0.2470	1235		बलरामपुर	
2	कलवारी	370	0.2750	1375		बलरामपुर	
3		378	0.2550	1275		बलरामपुर	
4		379	0.4050	2025		बलरामपुर	
5		413ख	0.4900	2450		बलरामपुर	
6		440	0.7850	3925		बलरामपुर	
7		443	0.2100	1050		बलरामपुर	
8		517	0.6920	3460		बलरामपुर	
9		543	0.9140	4570		बलरामपुर	
10	खरहरगडही	189	0.1170	585		बलरामपुर	
11	दुल्हिनपुर	29	0.2670	1335		बलरामपुर	
12		264 / 266	0.7290	3645		बलरामपुर	
13	राघवपुर	90	0.2830	1415		बलरामपुर	
14		303न	5.6330	56330		बलरामपुर	
15		613	0.2790	1395		बलरामपुर	
16	बरईपुर	207घ	1.0400	5200		बलरामपुर	
17	कटिया	1	4.1130	41130		बलरामपुर	
18		626	9.8950	98950		बलरामपुर	
19	बघनी	26	1.0240	5120		बलरामपुर	
20		111क	5.0790	50790		बलरामपुर	
21		581	0.6070	3035		बलरामपुर	
22		598	0.4940	2470		बलरामपुर	
23		669	0.8130	4065		बलरामपुर	
24		725	0.5140	2570		बलरामपुर	
25		327	0.6680	3340		बलरामपुर	
26	देवरांवा	469ख	0.5430	2715		बलरामपुर	
27	भवनियापुर	259घ	0.2670	1335		बलरामपुर	
28		719	0.5390	2695		बलरामपुर	
29	शेखापुर	68	0.2590	1295		बलरामपुर	
30		109	0.2590	1295		बलरामपुर	
31		124	5.1320	51320		बलरामपुर	
32		245	0.2510	1255		बलरामपुर	
33		308	0.2590	1295		बलरामपुर	
34		447	0.5340	2670		बलरामपुर	
35	श्रीनगर	462क	0.9180	4590		बलरामपुर	
36		678	0.6230	3115		बलरामपुर	
37	रतनपुर	28	2.2330	22330		बलरामपुर	
38		76	0.3000	1500		बलरामपुर	
39		77	0.0490	245		बलरामपुर	
40		103	0.2430	1215		बलरामपुर	
41		291	0.0610	305		बलरामपुर	
42	इमिलिया	130	0.5180	2590		बलरामपुर	
43		176	0.4980	2490		बलरामपुर	
44		233	0.3640	1820		बलरामपुर	
45		619	2.5490	25490		बलरामपुर	
46		877क	1.9510	9755		बलरामपुर	
47		968ग	4.2940	42940		बलरामपुर	
48		1033क	6.4340	64340		बलरामपुर	
49		1093क	0.2710	1355		बलरामपुर	
50	धरमनगर	95	1.1970	5985		बलरामपुर	
51		171	0.4370	2185		बलरामपुर	
52		271	0.2270	1135		बलरामपुर	
53	नन्दनगर	1185क	15.8190	158190		बलरामपुर	
54		479ख	1.8420	9210		बलरामपुर	
55		515	0.3680	1840		बलरामपुर	
56		665	1.8780	9390		बलरामपुर	
57		1113क	0.2710	1355		बलरामपुर	
58		1121क	0.4090	2045		बलरामपुर	
59	वफांवा	48	0.3400	1700		बलरामपुर	
60		201	0.2830	1415		बलरामपुर	
61	परसिया माफी	109	0.5790	2895		बलरामपुर	
62	बांसेडीला	239मि	0.1860	930		बलरामपुर	
63	कान्दभारी	66ख	0.8580	4290		बलरामपुर	
64		507	0.4450	2225		बलरामपुर	
65	दुल्हापुर	637	0.4010	2005		बलरामपुर	
66		449	0.2590	1295		बलरामपुर	
67	फरेन्दा	522क	5.9130	59130		बलरामपुर	
68		556	4.5210	45210		बलरामपुर	
69		683ख	0.2060	1030		बलरामपुर	
70	अमरहवा	871	0.5180	2590		बलरामपुर	
71	बिराहिमपुर	153	1.6470	8235		बलरामपुर	
72		154	0.3520	1760		बलरामपुर	
73		155	0.3040	1520		बलरामपुर	
74	बिराहिमपुर	195	2.9700	29700		बलरामपुर	
75		628	18.0090	180090		बलरामपुर	
76	नौबस्ता मुडिला	1652	0.7890	3945		बलरामपुर	
77	टेंगनहिया मानकोट	378 / 1199	0.3640	1820		बलरामपुर	
78	दुर्गापुर	394क	0.7330	3665		बलरामपुर	
79	भगवतपुर	484	0.2870	1435		बलरामपुर	
80	काशीपुर	128ग	2.4280	24280		हरैया सतघरवा	
81		128ख	0.2270	1135		हरैया सतघरवा	
82	ललिया	4	0.2140	1070		हरैया सतघरवा	
83		3	0.2350	1175		हरैया सतघरवा	
84		129	0.2910	1455		हरैया सतघरवा	
85	मंगराकोहल	1028	0.2100	1050		हरैया सतघरवा	
86		1412	0.4130	2065		हरैया सतघरवा	
87	सिंहपुर	17	0.2510	1255		हरैया सतघरवा	
88		277क	0.2790	1395		हरैया सतघरवा	
89		274ख	0.4740	2370		हरैया सतघरवा	
90	फटवा	424	0.4500	2250		हरैया सतघरवा	
91	अम्बरनगर	98	0.3760	1880		हरैया सतघरवा	
92	तुरकौलिया	424	0.5220	2610		हरैया सतघरवा	
93		434	0.2310	1155		हरैया सतघरवा	
94		456	0.2430	1215		हरैया सतघरवा	
95		503	0.6320	3160		हरैया सतघरवा	
96		259	1.0600	5300		हरैया सतघरवा	
97		612क	0.8740	4370		हरैया सतघरवा	
98	बजरडीह	130	0.3610	1805		हरैया सतघरवा	
99		131	0.3240	1620		हरैया सतघरवा	
100		189	0.6390	3195		हरैया सतघरवा	
101	भुसैलिया	367ख	0.7170	3585		हरैया सतघरवा	
102		461	0.5750	2875		हरैया सतघरवा	
103		612	2.5780	25780		हरैया सतघरवा	
104	मकुनहवा	49	0.2060	1030		हरैया सतघरवा	
105		402	0.5670	2835		हरैया सतघरवा	
106		469	0.4170	2085		हरैया सतघरवा	
107	बनघुसरी	381	0.2310	1155		हरैया सतघरवा	
108		705	0.5460	2730		हरैया सतघरवा	
109		752 / 759	0.6570	3285		हरैया सतघरवा	
110	बल्देवनगर	689	0.3600	1800		हरैया सतघरवा	
111	सिरैहिया	205	0.5630	2815		हरैया सतघरवा	
112		920क	0.3760	1880		हरैया सतघरवा	
113	नन्दनगर	332	0.6640	3320		हरैया सतघरवा	
114	भरहापारा	273	0.4450	2225		हरैया सतघरवा	
115	अहलादनगर	602	0.4370	2185		हरैया सतघरवा	
116	अरनहवा	533	0.2060	1030		हरैया सतघरवा	
117	धनघटा	55	0.2670	1335		हरैया सतघरवा	
118		142	0.6320	3160		हरैया सतघरवा	
119		424	0.3930	1965		हरैया सतघरवा	
120		502	0.2950	1475		हरैया सतघरवा	
121		508	0.3840	1920		हरैया सतघरवा	
122		650	0.7170	3585		हरैया सतघरवा	
123	नन्दनगर	33	0.3720	1860		हरैया सतघरवा	
124	प्रानपुर	21	0.2190	1095		हरैया सतघरवा	
125	गुगौली कला	149	1.1370	5685		हरैया सतघरवा	
126	इटवा	1062	0.2350	1175		हरैया सतघरवा	
127	सिरसिया	143	0.2390	1195		हरैया सतघरवा	
128	भितवरिया कला	1116	1.1490	5745		हरैया सतघरवा	
129	बिनुहनीकला	622	1.1570	5785		हरैया सतघरवा	
130	रतनवा	145क	0.2590	1295		हरैया सतघरवा	
131	सिकन्दरबोझी	1403	0.2510	1255		हरैया सतघरवा	
132	गनवरिया	252क	0.9300	4650		हरैया सतघरवा	
	156.5040	**1270520**					

नीलामी प्रक्रिया में बोली बोलने की पात्रता एवं शर्ते उ0प्र0 राजस्व संहिता 2006 एवं नियमावली 2016 के अनुरूप होगी।

नीलामी प्रक्रिया में बोली बोलने की पात्रता एवं शर्ते उ0प्र0 राजस्व संहिता 2006 एवं नियमावली 2016 के अनुरूप होगी।

0.200 हे0 से 2.00 हे0 तालाबों की नीलामी हेतु उपर्युक्त शासनादेश में निहित प्राविधानानुसार मछुआ समुदाय के लोगो को वरीयता दी जायेगी।

2.00हे0 से ऊपर के तालाबो में नीलामी हेतु, उ0प्र0 सहकारी अधिनियम 1965 के तहत पंजीकृत मत्स्य जीवी सहकारी समितियां ही पात्र होगी।

नीलामी बोली बोलने वाले इच्छुक व्यक्तियों को छः माह के अन्दर निर्गत आय, जाति व निवास प्रमाण पत्र एंव राजस्व देय के सम्बन्ध में आदेयता प्रमाण पत्र फोटो युक्त प्रार्थना पत्र के साथ शिविर में स्वयं उपस्थित होना होगा।

यदि किसी एक ही तालाब के लिए एक ही बरीयता क्रम के एक से अधिक व्यक्ति इच्छुक है तो ऐसे तालाबों का आंवटन बोली के माध्यम से किया जायेगा।

नीलामी समाप्त होने के पश्चात सर्वोच्च बोली दाता नीलामी ग्रहता को सर्वोच्च बोली धनराशि का 25 प्रतिशत तत्काल जमा करना होगा शेष 75 प्रतिशत धनराशि 15 दिवस के अन्दर जमा करना अनिवार्य है अन्यथा जमानत राशि व जमा राशि जब्त होगी।

नीलामी समाप्त होने के पश्चात सर्वोच्च बोली दाता नीलामी ग्रहता को सर्वोच्च बोली धनराशि का 25 प्रतिशत तत्काल जमा करना होगा शेष 75 प्रतिशत धनराशि 15 दिवस के अन्दर जमा करना अनिवार्य है अन्यथा जमानत राशि व जमा राशि जब्त होगी।

पट्टे की शर्ते नीलामी से सम्बन्धित अन्य जानकारी हेतु नालामी तिथि के पूर्व किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय तहसीलदार बलरामपुर या कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य बलरामपुर से सम्पर्क किया जा सकता है।

सचिव भूमि प्रबन्धक समिति / लेखपाल को इस निर्देश के साथ की आवंटन के सम्बन्ध में व्यापक प्रचार—प्रसार कराकर मत्स्य शिविर कैम्प में अनिर्वाय रूप से उपस्थिति हो तथा अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति को भी सूचित कर पत्रावली पर सूचना प्रस्तुत करें।

उपजिलाधिकारी
सदर बलरामपुर

UP-245268 दिनांक 04.02.2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कमजोर लोग हमेशा न्याय और समानता के लिए चिंतित रहते हैं। बलवान लोग इन दोनों की परवाह नहीं करते।
-अरस्तू, दार्शनिक

आयोग पर अभियोग

मतदाता सूची किसी भी लोकतंत्र की रीढ़ होती है। यदि उसमें त्रुटि या पक्षपात का संदेह पैदा हो जाए, तो चुनाव की निष्पक्षता पर ही प्रश्न चिह्न लग जाता है। मुद्दा किसी एक राज्य या दल का नहीं, बल्कि मताधिकार की पवित्रता का है। ऐसे में चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण अभियान पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री द्वारा उठाए गए सवालों को दलगत राजनीति से इतर गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

सामान्यतः गहन पुनरीक्षण एक जटिल प्रशासनिक कार्य है, जिसमें घर-घर सत्यापन, दस्तावेजों की जांच और आपत्तियों के निस्तारण जैसी प्रक्रियाएं शामिल होती हैं। इसे त्रुटि रहित ढंग से पूरा करने में लंबा समय लगता है। यदि दो वर्ष में होने वाला कार्य तीन महीने में समेटा जा रहा है, तो स्वाभाविक है कि जल्दबाजी से त्रुटियों की आशंका बढ़ेगी। चुनाव आयोग को यह स्पष्ट करना होगा कि किन तकनीकी साधनों या अतिरिक्त संसाधनों के आधार पर वह इतनी तेज गति से यह काम कर रहा है। केवल पश्चिम बंगाल में ही सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की नियुक्ति जैसी अतिरिक्त निगरानी की व्यवस्था समानता के सिद्धांत पर प्रश्न उठाता है। यदि आयोग के पास इसके लिए पूर्व में शिकायतों का इतिहास या उच्च जोखिम वाले क्षेत्र जैसे कारण हैं, तो वह उन्हें सार्वजनिक करे। 58 लाख से अधिक नामों का हटाया जाना अत्यंत गंभीर तथ्य है। यह प्रक्रिया मतदाता सूची को शुद्ध करने के लिए है या बड़े पैमाने पर बहिष्करण का। आयोग का दायित्व केवल 'डुप्लीकेट हटाना' नहीं, बल्कि 'वास्तविक मतदाता को शामिल रखना' भी है। समावेशन और शुद्धिकरण के बीच संतुलन ही लोकतांत्रिक मर्यादा है। लैंगिक भेदभाव या विशेष समुदायों के नाम अधिक हटने के आरोपों की स्वतंत्र ऑडिट से जांच होनी चाहिए। विवाहित महिलाओं के नाम केवल उपनाम परिवर्तन के कारण हटने के मामलों में स्व-घोषणा और सरल सत्यापन पर्याप्त होना चाहिए। नामों की गलत वर्तनी या तकनीकी त्रुटियों के कारण नाम हटना भी चिंताजनक है। आयोग को डिजिटल डेटाबेस में सुधार, स्थानीय स्तर पर त्वरित सुधार शिविर और ऑनलाइन शिकायत निस्तारण प्रणाली को सशक्त बनाना होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने आधार को एक वैकल्पिक पहचान के रूप में स्वीकार किया है, उसे न मानना आदेश की अवमानना की श्रेणी में आ सकता है। आयोग को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी कर अनुपालन सुनिश्चित करना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ द्वारा नोटिस जारी किया जाना इस पूरे विवाद को संवैधानिक आयाम देता है।

यदि 'तार्किक विसंगतियों' की सूची सार्वजनिक नहीं की गई है, तो अदालत निश्चित रूप से स्पष्टीकरण मांग सकती है। चुनाव आयोग की स्वायत्तता लोकतंत्र की आधारशिला है। उस पर 'सरकारी प्रश्रय' का आरोप तभी कमजोर होगा जब वह पारदर्शी, समान और तर्कसंगत आचरण प्रदर्शित करे। अंततः सर्वोच्च न्यायालय का कथन स्मरणीय है कि हर समस्या का समाधान संभव है। पर समाधान तभी संभव होगा, जब प्रक्रिया का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं को बाहर करना नहीं, बल्कि हर योग्य नागरिक को शामिल करना हो।

प्रसंगवश

चूल्हे से चांद तक महिलाओं की बदलती पहचान

कृति जैन
लेखिका

रसोई की दीवारें केवल ईंट-सीमेंट की बनी हुई संरचना नहीं होतीं, वे उस सामाजिक सोच की मूक प्रतीक हैं, जिसने सदियों से महिलाओं की दुनिया को सीमाओं में बांध दिया। इन दीवारों के भीतर सिर्फ़ भोजन नहीं पकता, बल्कि अनगिनत सपने भी धीमी आंच पर सुलगते रहते हैं। यहां हर दिन समझौते होते हैं- खुद से, अपनी इच्छाओं से, अपनी पहचान से। बाहर की दुनिया तेज़ी से बदल रही है, पर इन दीवारों के भीतर आज भी वही पुरानी अपेक्षाएं गूंजती हैं। फिर भी, इन्हीं सीमाओं के बीच एक दृढ़ आवाज़ जन्म लेती है- मैं इससे अधिक हूं और इससे आगे जा सकती हूं।

भारतीय समाज में महिला को अक्सर त्याग और सहनशीलता की प्रतिमा बना दिया गया है। उसकी सफलता इस कसौटी पर परखी जाती है कि उसने परिवार के लिए कितना त्याग किया, न कि उसने अपने लिए क्या हासिल किया। बचपन से उसे सिखाया जाता है कि सपने देखना ठीक है, पर उन्हें सीमाओं में रखना ज़रूरी है। धीरे-धीरे वह भी मान लेती है कि उसकी ज़िंदगी की प्राथमिकता हमेशा दूसरे होंगे। फिर भी, उसके मन के किसी कोने में उसकी इच्छाएं जीवित रहती हैं- शांत, धैर्यवान और अपने सही समय की प्रतीक्षा करती हुई।

आज की महिला एक साथ कई भूमिकाएं निभा रही है। वह मां है, पत्नी है, बहू है, लेकिन इन सबसे पहले वह एक संपूर्ण इंसान है, जिसके अपने सपने और आकांक्षाएं हैं। दिन भर वह घर की ज़िम्मेदारियों में उलझी रहती है, पर रात के सन्नाटे में उसका मन जाग उठता है। तब वह किताब खोलती है, ऑनलाइन कक्षाओं में समय लगाती है या अपने भविष्य की नई तस्वीर गढ़ती है। समाज भले ही उसकी इस कोशिश को अनदेखा करे, लेकिन उसके भीतर आत्मनिर्भर बनने की आग हर दिन और प्रखर होती जाती है।

कई बार महिलाओं के सपने उसी रसोई से आकार लेते हैं, जहां कभी उन्हें सीमित कर दिया गया था। वर्षों तक स्वाद और मेहनत से खाना बनाने वाली महिला एक दिन समझ पाती है कि यही उसका हुनर है। वह अपने काम को घर की चारदीवारी से बाहर लाने का साहस जुटाती है। शुरुआत में ताने मिलते हैं, शक किया जाता है, लेकिन वह पीछे नहीं हटती। धीरे-धीरे उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और उसका हुनर उसकी पहचान बन जाता है। यह बदलाव सिर्फ़ कमाई तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता की नींव रख देता है।

यह सफ़र आसान नहीं होता। समय की कमी, शारीरिक थकान, परिवार की अपेक्षाएं और समाज की आलोचना, हर मोड़ पर नई बाधाएं खड़ी हो जाती हैं। कई बार महिलाओं को यह महसूस कराया जाता है कि उनका आगे बढ़ना घर के संतुलन को बिगाड़ देगा। अपराधबोध चुपचाप उनके मन में जगह बना लेता है। फिर भी कुछ महिलाएं इन दबावों के बावजूद आगे बढ़ती हैं, क्योंकि वे जानती हैं कि उनका सपना किसी का नुकसान नहीं करता, बल्कि दूसरों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

संघर्ष की इस राह पर महिलाएं कई बार गिरती हैं, लेकिन हर बार थोड़ा और सशक्त होकर उठती हैं। वे समझ जाती हैं कि सफलता का अर्थ पूर्णता नहीं, बल्कि निरंतर प्रयास और धैर्य है। उनके चेहरे पर थकान साफ़ दिखती है, पर आंखों में संतोष की रोशनी होती है। वे जानती हैं कि यह लड़ाई सिर्फ़ उनकी नहीं है, वे उन अनगिनत महिलाओं के लिए रास्ता बना रही हैं, जो अभी खामोश हैं, लेकिन सपने देखना नहीं छोड़ा है।

नेपाल: युवा बदल सकते हैं चुनाव नतीजों की तस्वीर

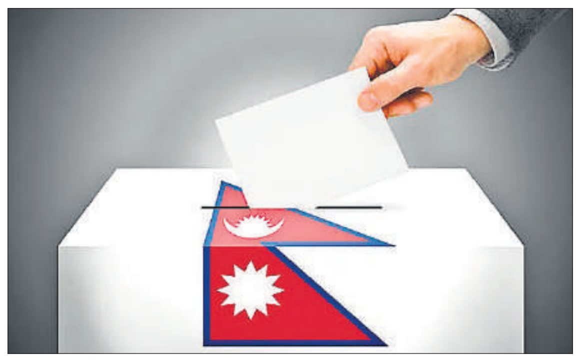

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

नेपाल का चुनाव कई मायनों में बड़ा दिलचस्प है। नई और पुरानी सभी पार्टियां बस भाग्य भरोसे चुनाव मैदान में हैं। एजेंडे की बात करें तो सभी के पास वही पुराना राग ही है। नेपाली कांग्रेस जो इस बार पूर्व महामंत्री गगन थापा के नेतृत्व में अपने पुराने दावे और वादों के साथ मैदान में हैं। पार्टी के नए सभापति गगन थापा ने तो पूर्व सभापति शेर बहादुर देउबा को टिकट से ही वंचित कर दिया। एमाले और माओवादी केंद्र के पास भी नेपाल के लिए कुछ नया नहीं है। इन तीन पुरानी पार्टियों के इतर इस बार पूरे नेपाल में चुनाव मैदान में उतरी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को लोग भरोसे की दृष्टि से जरूर देख रहे हैं।

नेपाल के पहाड़ी लोगों को इस पार्टी से परिवर्तन की अनुभूति की आश है, लेकिन इसका भी कोई क्लियर एजेंडा नहीं दिख रहा, हां इस पार्टी में जेन जी आंदोलन के नायक सुडान गुरूंग और काठमांडू के पूर्व मेयर वालेन शाह सहित ढेर सारे युवाओं के आ जाने से इस पार्टी को युवा मतदाताओं पर भरोसा ज्यादा है। नेपाल में सत्ता आती जाती रही है, लेकिन समस्याएं जस की तस हैं। बेरोजगारी,पलायन, मंहगाई, भ्रष्टाचार सब बेकाबू है। इस सबसे युवा ही ज्यादा प्रभावित और आक्रोशित हैं। जैसा कि दिख रहा है, यदि युवाओं का फैसला एक तरफा हुआ तो संभव है, परिणाम चौंकाने वाला हो, लेकिन यह भी संभव है कि सत्ता की चाभी मधेश के हाथ में हो।

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी का जन्म पिछले चुनाव में धूमकेतु की तरह हुआ। इसके अध्यक्ष रवि लामी छाने नेपाल के पत्रकार रहे हैं। इनका टीवी टाक शो नेपाल मं काफी लोकप्रिय रहा है। पिछले चुनाव में पश्चिम नेपाल में इस पार्टी को अच्छी खासी सफलता मिली थी। एक दर्जन से अधिक सीटों पर राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के उम्मीदवार कामयाब हुए थे। ओली सरकार में रवि लामी छाने गृहमंत्री थे। बतौर गृह मंत्री उनकी पहचान एक सख्त मंत्री की थी। उन्हें अमरीकी नागरिक विवाद में पद और प्रतिनिधि सभा से त्यागपत्र देना पड़ा था। बाद में इस विवाद के सुलझ जाने पर वे प्रतिनिधि सभा में वापस आए और फिर गृहमंत्री बने। गृहमंत्री रहते हुए उन्होंने ब्यूरोक्रेट्स और राजनीतिक भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की भरपूर कोशिश की। कई बड़े अफसरों और राजनेताओं के भ्रष्टाचार की जांच का आदेश देकर वे सुर्खियों में रहे, हालांकि उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ा।

प्रचंड और ओली के अलग होने के बाद जब नेपाली कांग्रेस और ओली की सरकार बनी तो इस सरकार में रवि लामी छाने शामिल नहीं हुए। इस बीच वे खुद धोखाधड़ी के बड़े लपेटे में आ गए। उन्हें जेल जाना पड़ा। अभी वे जमानत पर हैं। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी पूरी तरह रवि लामी छाने के नेतृत्व और जेन जी आंदोलन के नायकों के भरोसे है। वालेन शाह जब काठमांडू के मेयर थे, तब अपने कार्यालय में ग्रेटर नेपाल का नक्शा लगाए हुए थे, वे कभी-कभी हिंदुत्व की भी बात करते हैं। ग्रेटर नेपाल के नक्शे में भारत के सीमावर्ती हिस्से को दर्शाया गया है। यदि उनकी राजनीति का केंद्र बिंदु यही है, तो समझा जा सकता है कि सत्ता में आने पर इस पार्टी का भारत से कैसा रिश्ता हो सकता है।

यह चुनाव सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'हामी नेपाल' के संचालक सुडान गुरूंग और वालेन शाह की अग्निपरीक्षा है। वालेन शाह राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी से पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली के खिलाफ झापा क्षेत्र संख्या पांच से चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं सुडान गुरूंग कुछ बड़ा करने के लिए गोरखा क्षेत्र संख्या एक से चुनाव लड़ रहे हैं। गोरखा क्षेत्र संख्या एक की बात करें, तो यहां का चुनाव किसी के लिए भी आसान नहीं है। सुडान ओली के अपदस्थ होने के बाद अंतरिम सरकार के किंगमेकर की भूमिका में थे। पिछले कई चुनावी निराशाओं से थके यहां के लोगों को इस बार सुडान से उम्मीद है। कुछ समय पहले तक सुडान की प्राथमिकता में राजनीति नहीं थी। जेन-जी आंदोलन ने अचानक उन्हें राष्ट्रीय पहचान दिला दी।

आंदोलन के दौरान स्वयंसेवक के रूप में जुड़े सुडान, आंदोलन खत्म होते-होते सत्ता समीकरण में 'किंगमेकर' की भूमिका तक पहुंच गए। सुशीला कार्की के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार और मंत्रियों की नियुक्ति में उनकी प्रत्यक्ष भूमिका रही। जिस तेजी से वे राष्ट्रीय राजनीति में उभरे, उसी तेजी से आगे बढ़ पाएं, तो नेपाल की राजनीति में यह एक परिवर्तन होगा, जो नेपाल के मिजाज को रेखांकित करेगा।

झापा क्षेत्र संख्या पांच से वालेन शाह केपी शर्मा ओली के मुकाबले चुनाव लड़ रहे हैं। वे राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की ओर से प्रधानमंत्री पद का चेहरा हैं। पिछले दिनों नेपाल के एक बड़े गुटखा व्यवसायी द्वारा गिफ्ट की गई मंहगी डिफेंडर गाड़ी को लेकर वे सुर्खियों में थे। अब उनके खिलाफ चुनाव आयोग में औपचारिक रूप से शिकायत दर्ज की गई है। वालेन शाह पर चुनावी आचार संहिता, प्रचलित कानूनों और लोकतांत्रिक मूल्यों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है।

नेपाल के चुनाव में इस बार 'मधेश' मुद्दा गायब है, लेकिन यह भी सच है कि मधेश फतह किए बिना किसी भी पार्टी के लिए सत्ता की कुर्सी आसान नहीं है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने इसी के दृष्टिगत मधेश में अपेक्षाकृत अच्छे और योग्य उम्मीदवारों का चयन कर मैदान में उतारा है। अब वे कितना कामयाब हो पाएंगे, यह आकलन अभी मुश्किल है। नेपाल के मधेश क्षेत्र का 23 जिला भारत सीमा से सटा है। यहां की करीब 90 लाख की आबादी नेपाली भाषा के साथ हिंदी भाषी भी हैं। ये लोग खुद को भारत के करीब महसूस करते हैं। पूर्व में यहां के संसदीय क्षेत्रों का सीमांकन पूरब पश्चिम को था। तब मधेश से मधेशी उम्मीदवार ही चुनाव जीतते थे, वे चाहे जिस दल के हों।

लोकतांत्रिक संविधान लागू होने के बाद इसका सीमांकन उत्तर दक्षिण की ओर कर दिया गया। इसके पीछे का मकसद यही था कि नेपाल की राजनीति में मधेश का वर्चस्व कम किया जाए। इस सीमांकन के खिलाफ मधेश में आंदोलन भी खूब हुआ लेकिन कोई असर नहीं डाल सका।

> नेपाल में नई और पुरानी सभी पार्टियां बस भाग्य भरोसे चुनाव मैदान में हैं। एजेंडे की बात करें तो सभी के पास वही पुराना राग है। एमाले और माओवादी केंद्र के पास भी नेपाल के लिए कुछ नया नहीं है।

आमने सामने

जब चीन के टैंक भारत की सीमा की तरफ बढ़ रहे थे, उस वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन नहीं किया था। यदि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदन में आते हैं तो मैं यह पुस्तक उन्हें भेंट करूंगा।
-राहुल गांधी
नेता प्रतिपक्ष

राहुल गांधी के पास ठोस मुद्दे नहीं हैं, इसलिए वे सुर्खियों में बने रहने और चर्चा बटोरने के लिए इस तरह के बयान देते रहते हैं। सेना और शहीदों का सम्मान पूरे देश के लिए सर्वोपरि है। इस तरह की बयानबाजी से देश की छवि को नुकसान पहुंचाती है।
-देवेंद्र फडणवीस
मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र

जरूरी है बच्चों की परवरिश पर भी हो चिंतन

डॉ. शिवम् भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर

एक ही परिवार की 12, 14 और 16 साल की तीन बच्चियों ने रात के दो बजे, ग़ाज़ियाबाद की एक ऊंची इमारत की नौवीं मंज़िल से छलांग लगा दी। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हमारे डिजिटल युग का नंगा और क्रूर सच है। यह घटना सिर्फ़ एक परिवार का निजी शोक नहीं है, यह पूरे समाज के लिए चेतावनी की घंटी है। यह हमें बताती है कि जिस तकनीक को हमने सुविधा, प्रगति और सुरक्षा का प्रतीक मान लिया, वही तकनीक जब बिना निगरानी और संवेदनशील समझ के बच्चों के हाथ में पहुंचे, तो वह उनके मन, रिश्तों और जीवन पर चुपचाप कब्ज़ा कर सकती है।

कोविड काल से हुए बड़े बदलावों में एक यह भी है कि बड़ी तादाद में बच्चों की दुनिया सिमटकर मोबाइल स्क्रीन पर आ गई और बच्चों को मोबाइल दिया जाना भी न्यू नॉर्मल हो गया। पढ़ाई ऑनलाइन हुई, दोस्ती वर्चुअल हुई, खेल डिजिटल हुए और अकेलापन सामान्य हो गया। माता–पिता को यह एक सुरक्षित विकल्प लगा कि बच्चा घर के भीतर है, बाहर की बुरी संगत से दूर है। पर हम यह भूल गए कि आज की बुरी संगत गलियों में नहीं, ऐप्स में घूमती है। कई ऑनलाइन गेम, फैनडम और वर्चुअल कम्युनिटी बच्चों को एक समानांतर पहचान का भ्रम देती हैं, जहां वे अपने वास्तविक जीवन की परेशानियों से भागकर एक काल्पनिक दुनिया में शरण लेते हैं। यह शरण शुरू में मनोरंजन लगती है, फिर आदत बनती है और अंततः मानसिक निर्भरता में बदल जाती है। इसके बाद 'लेवल', 'टास्क' और 'चैलेंज' जैसे शब्द बच्चों के मन पर ऐसा दबाव बनाते हैं कि वे वास्तविक जीवन की संवेदनाओं, रिश्तों और खतरे के बोध से कटने लगते हैं। यही वह बिंदु है, जहां खेल मनोरंजन नहीं रहता, बल्कि मानसिक नियंत्रण का औज़ार बन जाता है।

यह समस्या किसी एक देश, किसी एक गेम या किसी एक ट्रेंड तक सीमित नहीं है। कुछ समय पहले भी ऐसे जानलेवा गेम और ऐप्स चर्चाओं में रह चुके हैं- प्रतिबंधित हो चुके हैं, आज कोरियन गेम चर्चा में है, कल कोई और होगा, पर खतरे का ढांचा वही अकेलापन, स्क्रीन पर बढ़ता समय, नींद और दिनचर्या का टूटना, परिवार से संवाद का खत्म होना और धीरे–धीरे मनोवैज्ञानिक असंतुलन। इसके बावजूद तमाम परिवारों में अभिभावकों का सबसे बड़ा भ्रम यही है कि 'मेरे बच्चे के साथ ऐसा नहीं हो सकता।' अभिभावक मान लेते हैं कि उनका बच्चा समझदार है, अच्छे स्कूल में पढ़ता है, या सिर्फ़ कुछेक रील देखता है-गेम खेलता है। यही आत्मसंतोष बच्चों को सबसे असुरक्षित स्थिति में धकेल देता है। सच्चाई यह है कि डिजिटल दुनिया में कोई बच्चा पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। न उसकी बुद्धिमत्ता, न उसकी सामाजिक हैसियत और न ही पारिवारिक अनुशासन उसे स्वतः सुरक्षित बनाता है।

इस संकट का समाधान भावनात्मक प्रतिक्रियाओं या घटना बीत जाने के बाद की बहसों में नहीं है। समाधान घर के भीतर नीति बनाने में है। मोबाइल और इंटरनेट को बच्चों के लिए 'असीम आज़ादी' की तरह नहीं, बल्कि नियंत्रित संसाधन की तरह देखना होगा। छोटे बच्चों को व्यक्तिगत स्मार्टफोन देने की प्रवृत्ति पर पुनर्विचार ज़रूरी है। रात के समय बच्चों के कमरे में मोबाइल का न होना, सभी डिजिटल उपकरणों का एक साझा स्थान पर रखा जाना, पढ़ाई और मनोरंजन के लिए अलग–अलग समय सीमा तय करना, ये कोई कठोर कदम नहीं, बल्कि न्यूनतम सुरक्षा मानक हैं। बच्चे विरोध करेंगे, नाराज़ होंगे, लेकिन माता–पिता को यह समझना होगा कि अस्थायी असहमति स्थायी सुरक्षा की कीमत है।

तकनीकी नियंत्रण भी अब विकल्प नहीं, जिम्मेदारी है। पैरेंटल कंट्रोल, स्क्रीन टाइम लिमिट, कंटेंट फ़िल्टर और सुरक्षित ब्राउज़िंग जैसे उपाय केवल सेटिंग नहीं, बल्कि डिजिटल सुरक्षा की बुनियादी संरचना हैं। जिस तरह हम बच्चों को सड़क पार करना सिखाते हैं, वैसे ही उन्हें ऑनलाइन दुनिया में सुरक्षित रहना भी सिखाना होगा। यह निगरानी अविश्वास का प्रतीक नहीं है, बल्कि संरक्षण का आधुनिक रूप है, लेकिन तकनीक से भी बड़ा हथियार संवाद है। माता–पिता और बच्चों के बीच रोज़मर्रा की बातचीत, बिना स्क्रीन के साथ बिताया गया समय, उनके ऑनलाइन व्यवहार को समझने की ईमानदार कोशिश, यही वह भावनात्मक पुल है जो बच्चों को आभासी दुनिया में डूबने से बचाता है। यदि बच्चा अचानक चिड़चिड़ा हो जाए, नींद कम हो जाए, पढ़ाई या सामाजिक गतिविधियों से कटने लगे, तो इसे उम्र का असर कहकर नज़रअंदाज़ करना खतरनाक हो सकता है। यह मानसिक स्वास्थ्य संकट का शुरुआती संकेत भी हो सकता है और समय रहते मदद लेना शर्म नहीं, समझदारी है।

बिना निगरानी और सीमाओं के दिया गया मोबाइल बच्चों के हाथ में खिलौना नहीं, जोखिम का साधन बन सकता है। यहां मुद्दा डिजिटल हो चुकी दुनिया के साथ रफ्तार बनाए रखने का नहीं है, सवाल यह है कि क्या हम अपने बच्चों को इस दुनिया के लिए मानसिक, भावनात्मक और नैतिक रूप से तैयार कर रहे हैं?

> एक ही परिवार की तीन बच्चियों ने नौवीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। यह हमारे डिजिटल युग का नंगा और क्रूर सच है।

सोशल फोरम

अरिजीत सिंह का संन्यास

डॉ. प्रकाश हिंदुस्तानी
ब्लॉगर

अरिजीत सिंह शानदार गायक और शानदार शख़्स हैं, वरना किसकी हिम्मत कि 39 की उम्र में एलान कर दिया कि अब फिल्मों में प्लेबैक सिंगिंग नहीं करूंगा। वह भी तब, जब वे अपने पार्श्वगायन में टॉप पर हैं। अरिजीत सिंह भारत के सबसे बड़े म्यूजिकल आइकन हैं और ग्लोबली स्पॉटिफाई पर दुनिया के सबसे ज़्यादा फॉलो किए जाने वाले आर्टिस्ट हैं। सबसे ज्यादा फॉलोअर्स 17 करोड़ 22 लाख से ज्यादा उन्हीं के हैं। लगातार सात साल (2019-2025) स्पॉटिफाई के सबसे ज्यादा स्ट्रीम्ड आर्टिस्ट रहे।

कामयाब तो बहुतेरे होते हैं, पर शिखर पर होते हुए शिखर को छोड़ने का एलान करने के लिए गहरी सोच, समझ, हिम्मत और तजुर्बा चाहिए। अरिजीत ने कहा है कि वे संगीत जगत में बने रहेंगे। गायन जारी रहेगा, केवल फिल्मों के लिए, किसी हीरो को अब अपनी आवाज़ नहीं देंगे। मुझे कुछ अलग म्यूजिक करना है, ताकि मैं जी सकूं। मैं कई दूसरे सिंगर्स को सुनना चाहता हूं, जो मुझे असली मोटिवेशन दें।

बलिहारी है अरिजीत।

अरिजीत ने साफ किया कि मैं बहुत जल्दी बोर हो जाता हूं... तो सच यही है कि मैं बोर हो गया था। मैं इंडियन क्लासिकल म्यूजिक में वापस जाना चाहता हूं। मैं अपनी खुद का म्यूजिक बनाना चाहता हूं और स्टार्ट अगेन चाहता हूं। अब अरिजीत लाइव कॉन्सर्ट्स, इंडिपेंडेंट म्यूजिक और अपने क्रिएटिव प्रोजेक्ट्स पर फोकस करेंगे। उन्होंने ये भी क्लियर किया कि कुछ पुराने कमिटमेंट्स पूरे करेंगे, तो 2026 में कुछ रिलीज़ अभी भी हो सकती हैं। कई इसे उनकी सादगी और क्रिएटिव फ्रीडम की मिसाल मान रहे हैं। अरिजीत 36 साल से गा रहे हैं। केवल तीन साल की उम्र से उन्होंने गाना शुरू किया था। नौ साल की उम्र में उन्हें सरकार की तरफ से क्लासिकल वोकल्स के लिए स्कॉलरशिप भी मिली थी। उनकी मां तबला बजाती और गाती थीं, जिससे उनका संगीत का सफर शुरू हुआ।

2005 में फेम गुरुकुल में हिस्सा लिया, टॉप सिक्स तक पहुंचे, लेकिन ऑडियंस वोटिंग से बाहर हो गए। कई लोग यहीं रुक जाते, लेकिन अरिजीत ने हार नहीं मानी और मेहनत की। अरिजीत सिर्फ गायक नहीं, वो अच्छे तबला वादक हैं, गिटार और पियानो भी बजाते हैं और म्यूजिक प्रोडक्शन भी करते हैं। मल्टी-टैलेंटेड होना उनकी आवाज़ की गहराई का राज है।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

दिव्यांगता और समावेशन का अधूरा सपना

सत्य प्रकाश नायक
एक्टिविस्ट

भारत में दिव्यांग महिलाओं की स्थिति को केवल स्वास्थ्य, सहायता या कल्याण की समस्या के रूप में देखना एक गंभीर भूल होगी। यह मूलतः सत्ता, संसाधनों, अवसरों और निर्णय-प्रक्रियाओं तक असमान पहुंच की समस्या है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया की लगभग 16 प्रतिशत आबादी किसी न किसी प्रकार की दिव्यांगता के साथ जीवन जी रही है। भारत में जनगणना 2011 के अनुसार लगभग 2.7 करोड़ लोग दिव्यांग हैं, जिनमें बड़ी संख्या महिलाओं की है। इसके बावजूद नीति-निर्माण, योजनाओं और सामाजिक विमर्श में उनकी उपस्थिति अत्यंत सीमित बनी हुई है। वे सरकारी रिपोर्टों में दर्ज तो होती हैं, लेकिन सार्वजनिक जीवन में बहुत कम दिखाई देती हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे (NFHS-5) और जनगणना के आंकड़े भी यह संकेत देते हैं कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्रों में दिव्यांग महिलाओं की भागीदारी अभी भी बहुत कम है।

दिव्यांग महिला का जीवन तीन स्तरों पर नियंत्रित होता है घर, समाज और व्यवस्था। घर के भीतर पिता, भाई और पति स्वयं को 'संरक्षक' मानते हुए उसकी हर पसंद पर अधिकार जताते हैं। निर्णय-प्रक्रियाओं पर पुरुषों का वर्चस्व आज भी बना हुआ है। समाज उसे 'कमज़ोर' और 'निर्भर' मानकर हाशिये पर रख देता है और व्यवस्था उसे प्राथमिकता सूची के अंत में पहुंचा देती है। इन तीनों स्तरों पर पितृसत्तात्मक शक्ति-संबंध उसके जीवन की दिशा तय करते हैं।

टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज़, एनसीपीईडीपी, यूएन वीमेन इंडिया और सामाजिक शोधकर्ता अनीता घई के अध्ययन बताते हैं कि कई परिवारों में बेटियों को चाहे वे दिव्यांग हों या न हों, आर्थिक निर्णयों और संपत्ति से जुड़े मामलों में पूरी भागीदारी नहीं मिलती, लेकिन जब बेटी दिव्यांग होती है, तो यह उपेक्षा और गहरी हो जाती है। उसे अक्सर 'दीर्घकालिक आश्रित' मान लिया जाता है और यह मान लिया जाता है कि वह भविष्य में परिवार की आर्थिक ज़िम्मेदारी नहीं उठा पाएगी। इसी सोच के कारण उसकी शिक्षा, कौशल और आत्मनिर्भरता पर पर्याप्त निवेश नहीं किया जाता। धीरे-धीरे उसे आर्थिक रूप से निर्भर बना दिया जाता है। विवाह को ही उसका 'सुरक्षित भविष्य' मान लिया जाता है और कई बार यह निर्णय उसकी इच्छा और सहमति के बिना होता है।

उसकी आवाजाही पर भी नियंत्रण रहता है। कहां जाएगी, किससे मिलेगी, कब बाहर निकलेगी? इन सब पर परिवार का अधिकार माना जाता है। 'इज़्ज़त', 'सुरक्षा' और 'देखभाल' के नाम पर यह नियंत्रण जीवनभर चलता रहता है। यह नियंत्रण उसके आत्मविश्वास और सामाजिक विकास को सीमित कर देता है। सवाल यह है, क्या हम सच में सुनते हैं कि वह क्या चाहती है?

यौनिक स्वायत्तता और प्रजनन अधिकार भी इसी नियंत्रण संरचना का हिस्सा बन जाते हैं। अनेक महिलाओं के लिए गर्भनिरोध, गर्भधारण या नसबंदी उनके स्वयं के निर्णय नहीं होते। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (UNFPA) और विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्टें बताती हैं कि कई मामलों में दिव्यांग महिलाओं को प्रजनन स्वास्थ्य से जुड़े फैसलों में स्वतंत्र भूमिका नहीं मिलती। डॉक्टर भी अक्सर महिला से सीधे बात करने के बजाय परिवार से संवाद करना अधिक सुरक्षित समझते हैं। यह स्थिति महिला की इच्छा, सहमति और गरिमा को कमजोर करती है।

हम अक्सर 'दिव्यांग' शब्द का प्रयोग ऐसे करते हैं, जैसे यह एक समान स्थिति हो, जबकि वास्तविकता कहीं अधिक जटिल है। दृष्टिबाधित, श्रवण बाधित, बौद्धिक दिव्यांगता, मनोसामाजिक दिव्यांगता, ऑटिज़्म और सेरेब्रल पाल्सी से जुड़ी महिलाओं की ज़रूरतें, क्षमताएं और चुनौतियां अलग-अलग होती हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

ऐसे हुई गर्म हवा के गुब्बारे की खोज

मानव की उड़ने की इच्छा जितनी पुरानी है, उतनी ही रोमांचक है गर्म हवा के गुब्बारे की कहानी। इस सपने को पहली बार वास्तविकता में बदलने का श्रेय 18 वीं शताब्दी के फ्रांस के दो भाइयों– जोसेफ और एटियेन मोंटगोल्फियर को जाता है। कागज बनाने के व्यवसाय से जुड़े ये भाई आकाश में उड़ते बादलों और धुएं को देखकर अक्सर सोचते थे कि क्या हवा की मदद से कोई वस्तु ऊपर उठ सकती है। एक दिन जोजेफ ने आग के ऊपर उठते धुएं को देखा और महसूस किया कि गर्म हवा में कोई "उठाने की शक्ति" है। इसी विचार ने उन्हें प्रयोग के लिए प्रेरित किया। 1783 में उन्होंने कागज और कपड़े से बना एक बड़ा थैला तैयार किया और उसके नीचे आग जलाकर उसमें गर्म हवा भरी। आश्चर्यजनक रूप से वह गुब्बारा ऊपर उठ गया। यह मानव इतिहास में पहली सफल गर्म हवा के गुब्बारे की उड़ान थी। बाद में, इसी वर्ष पेरिस में एक और ऐतिहासिक प्रयोग किया गया, जिसमें पहले जानवरों और फिर मनुष्यों को गुब्बारे में बैठाकर उड़ाया गया। यह घटना आधुनिक विमानन की नींव मानी जाती है।

इस आविष्कार के पीछे का विज्ञान सरल, लेकिन प्रभावशाली है। गर्म हवा ठंडी हवा की तुलना में हल्की होती है। जब गुब्बारे के अंदर की हवा गर्म की जाती है, तो उसका घनत्व कम हो जाता है। बाहर की ठंडी और भारी हवा गुब्बारे को ऊपर की ओर धकेलती है।यही सिद्धांत उत्थापन बल (Buoyancy) कहलाता है। जब तक गुब्बारे के अंदर की हवा आसपास की हवा से हल्की रहती है, तब तक गुब्बारा आकाश में तैरता रहता है। गर्म हवा का गुब्बारा केवल एक आविष्कार नहीं था, बल्कि यह मानव जिज्ञासा, प्रयोगशीलता और विज्ञान की शक्ति का प्रतीक बना। इसने यह सिद्ध कर दिया कि कल्पना और विज्ञान मिलकर असंभव को भी संभव बना सकते हैं।

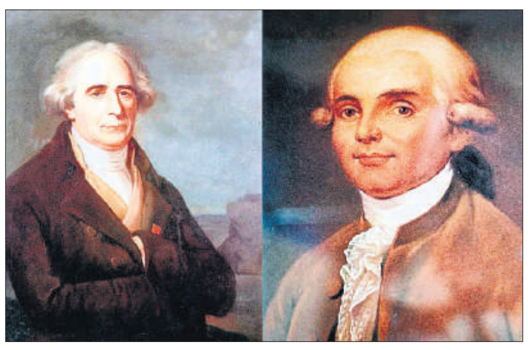

वैज्ञानिक के बारे में

जोसेफ और एटियेन मोंटगोल्फियर फ्रांस के अन्नोने (Annonay) नगर में जन्मे थे और एक कागज निर्माण करने वाले प्रतिष्ठित परिवार से संबंध रखते थे। जोसेफ-मिशेल (1740–1810) स्वभाव से कल्पनाशील, जिज्ञासु और प्रयोगप्रिय थे। उन्हें प्राकृतिक घटनाओं को देखकर नए विचार सूझते थे। इसके विपरीत जैक्स-एटियेन (1745–1799) अधिक व्यावहारिक, अनुशासित और व्यवस्थित व्यक्तित्व के थे। उन्होंने परिवार के व्यवसाय और सार्वजनिक संबंधों को संभाला।

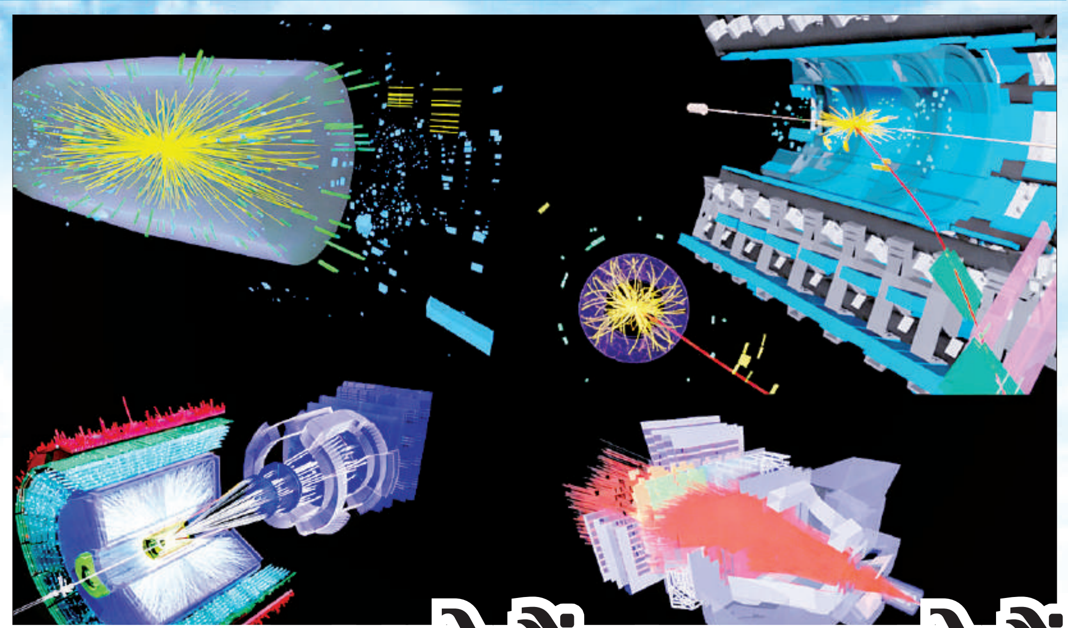

जब कण टकराते हैं तब खुलते हैं ब्रह्मांड के राज

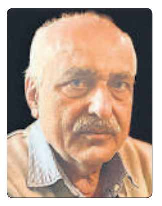

रणबीर सिंह
विज्ञान लेखक

हिग्स बोसोन की खोज लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर (LHC) के पहले रन में दर्ज किए गए कोलिजन डेटा से संभव हुई थी, जो 2009 के अंत से 2012 के अंत तक चला। इस खोज ने स्टैंडर्ड मॉडल के अंतिम अधूरे हिस्से को पूरा किया, लेकिन साथ ही कई नए सवाल भी खड़े कर दिए। 2015 के बसंत में व्यापक मेंटेनेंस के बाद LHC को अधिक ऊर्जा पर दोबारा शुरू किया गया। दूसरा रन इस मायने में निर्णायक है कि वह हमें हिग्स बोसोन को गहराई से समझने और स्टैंडर्ड मॉडल से आगे की भौतिकी की खोज करने का अवसर देता है।

कोलिजन की क्वांटम प्रकृति

प्रोटॉन टकराव पूरी तरह प्रेडिक्टेबल नहीं होते। क्वांटम मैकेनिक्स के अनुसार, हर कोलिजन केवल संभावनाओं का समूह होता है। स्टैंडर्ड मॉडल यह बता सकता है कि औसतन कौन-सी प्रक्रिया कितनी बार होगी, लेकिन किसी एक टकराव का परिणाम पहले से तय नहीं किया जा सकता। इसलिए दुर्लभ प्रक्रियाओं को देखने के लिए बहुत अधिक संख्या में कोलिजन आवश्यक होते हैं। यह ठीक वैसा ही है जैसे पासे की निष्पक्षता जांचने के लिए उसे बार-बार फेंकना पड़ता है।

हिग्स बोसोन: डिके और मास मैकेनिज्म

हिग्स बोसोन का महत्व इस बात में है कि वही अन्य कणों को द्रव्यमान देता है। कोलिजन में बनने के तुरंत बाद हिग्स विभिन्न कणों में डिके (विघटन) हो जाता है। इसके डिके चैनलों की दरें संबंधित कणों के द्रव्यमान पर निर्भर करती हैं। अब तक हिग्स के फोटॉन, W और Z बोसोन में डिके स्पष्ट रूप से देखे जा चुके हैं, जबकि फर्मियॉन में मुख्यतः ताऊ लेप्टन और आंशिक रूप से बॉटम क्वार्क के प्रमाण मिले हैं। दूसरे रन का अधिक डेटा इन मापों को कहीं अधिक सटीक बना सकता है।

- **हिग्स की अन्य विशेषताएं-** दूसरे रन से हम यह भी जानना चाहेंगे कि हिग्स कितनी तेजी से डिके करता है, क्या वह वास्तव में एक फंडामेंटल कण है या उसके भीतर कोई सब-स्ट्रक्चर छिपा है और क्या हिग्स स्वयं से इंटरैक्ट करता है। हिग्स का self-interaction सीधे इस बात से जुड़ा है कि वह स्वयं अपना द्रव्यमान कैसे प्राप्त करता है। साथ ही यह संभावना भी खुली है कि एक से अधिक, भारी हिग्स बोसोन मौजूद हों।
- **उच्च ऊर्जा और नए कणों की संभावना-** दूसरे रन में टकराव की ऊर्जा पहले से अधिक है। इसका अर्थ है कि अब अधिक भारी और अब तक अनदेखे कण बनाए जा सकते हैं। उच्च ऊर्जा पर बेहतर रिजॉल्यूशन मिलता है, जिससे कणों और बलों को और बारीकी से समझा जा सकता है। यही कारण है कि भले ही स्टैंडर्ड मॉडल काफी सफल दिखता हो, वैज्ञानिक यह मानते हैं कि वह अंतिम सिद्धांत नहीं हो सकता।
- **स्टैंडर्ड मॉडल की सीमाएं-** स्टैंडर्ड मॉडल की सबसे बड़ी सीमा यह है कि उसमें गुरुत्वाकर्षण शामिल नहीं है। गुरुत्वाकर्षण को जनरल रिलेटिविटी समझाती है, जो क्वांटम सिद्धांत से अलग ढांचे में खड़ी है। इसके अलावा स्टैंडर्ड मॉडल में कई पैरामीटर और कण संरचनाएं मनमानी प्रतीत होती हैं, जैसे बोसॉन और फर्मियॉन का असंतुलन। ये संकेत देते हैं कि किसी अधिक व्यापक सिद्धांत की आवश्यकता है।
- **सुपरसिमेट्री: एक संभावित विस्तार-** स्टैंडर्ड मॉडल का एक लोकप्रिय विस्तार सुपरसिमेट्री है। यह प्रत्येक बोसोन के लिए एक फर्मियॉन पार्टनर और प्रत्येक फर्मियॉन के लिए एक बोसॉन पार्टनर प्रस्तावित करती है। इससे हिग्स, W और Z बोसोन के अपेक्षाकृत छोटे द्रव्यमान की व्याख्या संभव होती है। सुपरसिमेट्री कई नए कणों और अतिरिक्त हिग्स बोसोन की भविष्यवाणी करती है, जिनकी खोज दूसरे रन का एक बड़ा लक्ष्य है।

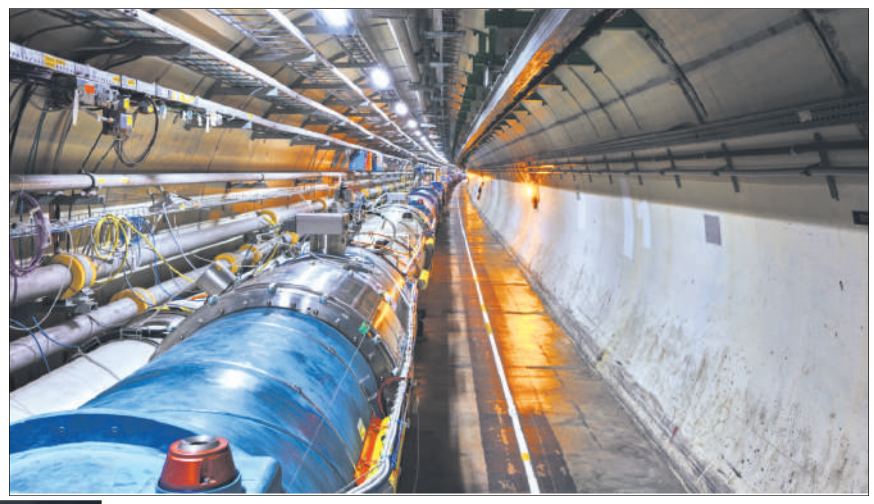

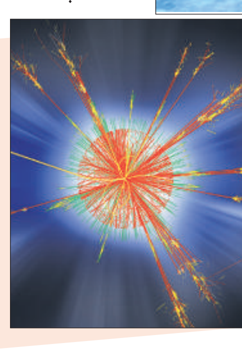

LHC के प्रमुख डिटेक्टर

LHC में चार मुख्य डिटेक्टर हैं। ATLAS और CMS जनरल-पर्पस डिटेक्टर हैं और इन्हीं ने हिग्स बोसोन की खोज की थी। ALICE को भारी आयनों के टकराव के लिए डिजाइन किया गया है, ताकि क्वार्क-ग्लूऑन प्लाज्मा और शुरुआती ब्रह्मांड जैसी स्थितियों का अध्ययन हो सके। LHCb बॉटम क्वार्क के डिके का अध्ययन करता है, जो दुर्लभ प्रक्रियाओं और नई भौतिकी के संकेत दे सकते हैं।

मैटर-एंटीमैटर असमानता और डार्क मैटर

LHCb के प्रयोग CP-वायलेशन के अध्ययन के जरिए यह समझने की कोशिश करते हैं कि ब्रह्मांड में मैटर क्यों बचा और एंटीमैटर क्यों नहीं? दूसरी ओर, डार्क मैटर की समस्या भी स्टैंडर्ड मॉडल से बाहर जाती है। ब्रह्मांड के अधिकांश द्रव्यमान का निर्माण ऐसे कणों से हुआ है, जिन्हें हम अभी नहीं जानते। कई सिद्धांत मानते हैं कि डार्क मैटर कण हिग्स क्षेत्र से द्रव्यमान प्राप्त करते हैं, इसलिए हिग्स का विस्तृत अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण है।

आगे का रास्ता

LHC का दूसरा रन केवल पहले रन की पुष्टि नहीं है, बल्कि नई खोजों का द्वार है। चाहे वह हिग्स की गहरी समझ हो, सुपरसिमेट्री की खोज, डार्क मैटर के संकेत या मैटर-एंटीमैटर असमानता की व्याख्या- दूसरा रन हमें यह जानने के और करीब लाता है कि ब्रह्मांड किससे और कैसे बना है।

जंगल की दुनिया

ब्लू व्हिसलिंग थ्रश: पहाड़ों में बसा नीला सौंदर्य

ब्लू व्हिसलिंग थ्रश चंडीगढ़ क्षेत्र के जंगलों और वन इलाकों में पाया जाने वाला एक अत्यंत आम, लेकिन प्रभावशाली पक्षी है। सुबह और शाम के समय इसकी तेज, मानव जैसी सीटी या सीख जैसी आवाज दूर-दूर तक सुनाई देती है, जिससे यह अपनी उपस्थिति आसानी से दर्ज करा देता है। यद्यपि यह मूल रूप से एक पर्वतीय पक्षी है, लेकिन शिवालिक पहाड़ियों की तलहटी में बसे चंडीगढ़ और आसपास के क्षेत्रों का प्राकृतिक वातावरण इसके लिए अत्यंत अनुकूल है।

यह पक्षी गहरे नीले-काले रंग का होता है, जिसके सिर और शरीर पर चांदी जैसे नीले रंग की चमकदार धारियां दिखाई देती हैं। धूप पड़ने पर इसका रंग और भी अधिक चमकीला प्रतीत होता है। इसकी सबसे अलग पहचान इसकी चमकीली पीली चोंच है, जो इसके गहरे शरीर रंग के साथ तीव्र विरोधाभास बनाती है। ब्लू व्हिसलिंग थ्रश का आकार लगभग 31 से 35 सेंटीमीटर तक होता है और इसकी मजबूत काया इसे अन्य थ्रश प्रजातियों से अलग बनाती है।

अंतर्राज्यीय चंडीगढ़ क्षेत्र (आईएससीआर) में इसे बहुत आम पक्षी माना जाता है। इसका प्रमुख कारण यह है कि यह क्षेत्र चारों ओर से शिवालिक पहाड़ियों से घिरा हुआ है और यहां घने वन, प्राकृतिक नाले, झीलें और हरित पट्टियां मौजूद हैं। सुखना वन अभ्यारण्य, सारंगपुर वनस्पति उद्यान, मोरनी हिल्स और कसौली क्षेत्र इस पक्षी के प्रमुख आवास माने जाते हैं। ब्लू व्हिसलिंग थ्रश का भोजन मुख्यतः कीड़े-मकोड़े, केंचुए, घोंघे, छोटे केकड़े और अन्य जलीय जीव होते हैं। इसे अक्सर पानी के किनारे चट्टानों पर उछलते-कूदते भोजन खोजते देखा जा सकता है। प्रजनन काल में यह चट्टानों की दरारों, नालों के पास या

पुराने ढांचों में घोंसला बनाता है। ब्लू व्हिसलिंग थ्रश न केवल चंडीगढ़ क्षेत्र की जैव विविधता का महत्वपूर्ण हिस्सा है, बल्कि यह स्वच्छ और संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र का भी संकेतक माना जाता है।

वैज्ञानिक फैक्ट

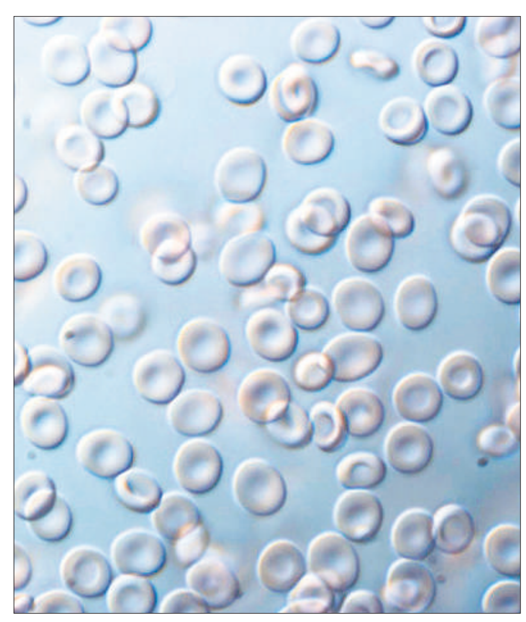

प्राकृतिक इंजीनियरिंग का अद्भुत चमत्कार

मानव शरीर प्राकृतिक इंजीनियरिंग का एक असाधारण नमूना है, जिसकी जटिलता और दक्षता आज भी वैज्ञानिकों को आश्चर्यचकित करती है। शरीर के विभिन्न तंत्र आपस में इस तरह जुड़े होते हैं कि जीवन बिना किसी व्यवधान के निरंतर चलता रहता है। इनमें परिसंचरण तंत्र विशेष रूप से उल्लेखनीय है, जो शरीर की हर कोशिका तक जीवनदायी तत्व पहुंचाने का कार्य करता है।

क्या आप जानते हैं कि एक रक्त कोशिका को पूरे शरीर का एक चक्कर लगाने में केवल लगभग 60 सेकंड का समय लगता है? यह अविश्वसनीय रूप से तेज यात्रा जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। रक्त कोशिकाएं फेफड़ों से ऑक्सीजन लेकर शरीर के हर ऊतक तक पहुंचाती हैं और साथ ही पोषक तत्वों की आपूर्ति करती हैं। इसके विपरीत, वे कोशिकाओं द्वारा उत्पन्न कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

इस तंत्र की कार्यक्षमता इस बात का प्रमाण है कि मानव शरीर स्वयं को संतुलित रखने और निरंतर कार्यशील बनाए रखने में कितना सक्षम है। हृदय का नियमित धड़कना, रक्त वाहिकाओं का जाल और कोशिकाओं का समन्वय ये सभी मिलकर जीवन की निरंतरता सुनिश्चित करते हैं। विज्ञान का संसार वास्तव में विशाल और चमत्कारों से भरा हुआ है। यह हमें न केवल प्रकृति और शरीर की जटिल संरचनाओं को समझने का अवसर देता है, बल्कि उनके प्रति सम्मान और जिज्ञासा भी जाग्रत करता है। मानव शरीर का अध्ययन हमें यह सिखाता है कि जीवन जितना सरल दिखाई देता है, वास्तव में उतना ही गहराई से संगठित और अद्भुत है।

एरीज के लिए खास मददगार साबित होगा अंतरिक्ष स्टेशन

बबलू चंद्रा
नैनीताल

पहले एस्ट्रोसेट और दूसरा आदित्य एल-1 के बाद इसरो की अंतरिक्ष में एक और लंबी छलांग की तैयारी है। इस सफलता के बाद भारत अमेरिका और चीन के समकक्ष खड़ा हो जाएगा। बात अगर उत्तराखंड की करें तो यहां नैनीताल में स्थित आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वैज्ञानिकों के लिए यह स्टेशन अंतरिक्ष के अध्ययनों में काफी मददगार साबित होगा। तकनीकी रूप से यह उन्नत होगा। इस अंतरिक्ष मिशन से जुटाए जाने वाले आंकड़े एरीज के वैज्ञानिकों के लिए बेहद मददगार साबित होंगे और एरीज के लिए यह दोहरा लाभ देने वाला मिशन साबित होगा।

अंतरिक्ष स्टेशन अत्याधुनिक तकनीक व अत्यंत सुविधाजनक है, जो पृथ्वी की ऑर्बिट से अंतरिक्ष को चारों ओर से देख सकता है। वर्ष 2028 में प्रस्तावित यह परियोजना देश के पास चलती-फिरती प्रयोगशाला होगी, जो जमीनी दूरबीनों की तुलना में कहीं अधिक कारगर होगी। इस प्रयोगशाला के जरिए चांद, तारे, ग्रह, नक्षत्रों और सुदूर अंतरिक्ष में किसी भी दिशा को देखा जा सकता है और सटीक आंकड़े जुटाए जा सकते हैं।

एरीज सौर अध्ययन के साथ अंतरिक्ष मौसम का महत्वपूर्ण अध्ययन करता है। एरीज की वेदशाला में स्थापित सोलर टेलीस्कोप सूर्य और सोलर फ्लेयर्स पर नजर रखती है। अंतरिक्ष स्टेशन से मिले रियल टाइम डाटा से एरीज के अध्ययन में मदद मिल सकेगी। इसके अलावा एरीज की देव स्थल स्थित 3.6 मीटर की ऑप्टिकल दूरबीन है। इसके जरिए अंतरिक्ष से जुटाया गए आंकड़ों का मिलान

अंतरिक्ष स्टेशन से प्राप्त आंकड़ों से किया जा सकेगा। माइक्रोग्रैविटी में किए गए प्रयोगों के नतीजे खगोल विज्ञान, कॉस्मिक रेडिएशन और एटमॉस्फेरिक स्टडीज में मदद मिलेगी।

यह सभी एरीज के रिसर्च से जुड़े हुए महत्वपूर्ण अध्ययन क्षेत्र हैं। इसके अलावा एरीज हिमालय के वातावरण पर काम करता है, जिसे लेकर एरीज में एसटी रडार स्थापित किया गया है। अंतरिक्ष स्टेशन का एक महत्वपूर्ण कार्य जलवायु समेत हमारी वायुमंडलीय स्थिति में नजर रखना होगा लिहाजा अंतरिक्ष स्टेशन से जुटाए आंकड़ों से एरीज के वैज्ञानिकों के लिए शोध व अन्य अध्ययनों में आसानी हो जाएगी। कुल मिलाकर भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन न केवल एरीज, बल्कि देश के तमाम अंतरिक्ष और जलवायु पर अध्ययन करने वाली संस्थाओं के लिए लाभकारी सिद्ध होगा।

एरीज के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे कहते हैं कि इसमें दोराय नहीं है कि देश अंतरिक्ष के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है और अभी तक विश्व में अलग पहचान बनाने में कामयाब हुआ है। अंतरिक्ष स्टेशन बेहद महत्वपूर्ण मिशन है और किसी भी देश का अंतरिक्ष से खुद के अध्ययन का सपना सच हो सकता है और इसरो भारतीय वैज्ञानिकों का यह साकार करने जा रहा है। इस मिशन की सफलता से वैज्ञानिक नभ, जल और थल पर अध्ययन कर सकेंगे। अभी तक पृथ्वी की निचली कक्षा में यूएस का इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन और चीन का तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन मौजूद है और अब भारत अंतरिक्ष स्टेशन वाला तीसरा देश बन जाएगा।

बिजनेस ब्रीफ

ब्रिटेन ने नीतिगत दर 3.75% पर रखा स्थिर

लंदन। ब्रिटेन के केंद्रीय बैंक ने गुरुवार को अपनी प्रमुख ब्याज दर को 3.75 प्रतिशत पर स्थिर बनाए रखने की घोषणा की। यह फैसला मुद्रास्फीति के लक्ष्य से ऊपर बने होने और आर्थिक वृद्धि में सुधार के संकेतों के बीच किया गया है। बैंक ऑफ इंग्लैंड की नौ-सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने रेपो दर को स्थिर रखने का फैसला बहुमत से किया। समिति के पांच सदस्य दर अपरिवर्तित रखने के पक्ष में थे जबकि चार सदस्य इसमें 0.25 प्रतिशत की कटौती चाहते थे। ब्रिटिश केंद्रीय बैंक के गवर्नर एंड्रयू बेली ने कहा कि वसंत ऋतु तक महंगाई दर के लक्ष्य के करीब आने की उम्मीद है।

सन फार्मा 500 करोड़ में लगाएगी विनिर्माण इकाई

गुवाहाटी। दवा कंपनी सन फार्मा असम में विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने को 500 करोड़ का निवेश करेगी। इससे 500 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। दवा कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने बुधवार को मुख्य सचिव रवि कोटा के साथ बैठक में परियोजना से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की थी। कोटा ने बुधवार देर रात एक्स पर लिखा, सन फार्मास्यूटिकल के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और असम में औषधि विनिर्माण इकाई स्थापित करने के कंपनी के प्रस्ताव की समीक्षा की। कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राहुल अवस्थी और कार्यकारी उपाध्यक्ष रंजीत मोहापात्रा ने कोटा से मुलाकात की। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रस्ताव में राज्य में दवा फॉर्मूलेशन विनिर्माण इकाइयों की स्थापना शामिल है।

केंद्र व राज्य जीएसटी ई-वे बिल सुधारों पर कर रहे काम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ई-वे बिल ढांचे में सुधार के लिए राज्यों से बात कर रही है। इस पर जीएसटी परिषद की अगली बैठक में चर्चा होगी। पिछले सप्ताह जारी आर्थिक समीक्षा में कहा गया था कि जीएसटी सुधारों में अगली कड़ी ई-वे बिल प्रणाली को प्रवर्तन और नियंत्रण के साधन के बजाय सुगम माल ढुलाई के साधन के रूप में पुनर्परिभाषित करने पर केंद्रित हो सकती है। ई-वे बिल सुधारों से माल ढुलाई व्यवस्था का काफी हद तक विनियमन कम होगा। इससे व्यापार के लिए लागत और देरी कम होगी। साथ ही कर प्रशासन के लिए प्रभावी और बिना हस्तक्षेप वाली निगरानी बनी रहेगी।

अगले महीने से लागू हो सकता है भारत-अमेरिका व्यापार समझौता

केंद्रीय मंत्री बोले- अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर और भारत अमेरिका से आयातित कुछ वस्तुओं पर शुल्क करेगा कम

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत और अमेरिका मार्च के मध्य तक बहुप्रतीक्षित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। इसके बाद अमेरिका, भारतीय वस्तुओं पर आयात शुल्क कम कर देगा। समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद भारत भी अमेरिका से आयातित कुछ वस्तुओं पर आयात शुल्क कम करना शुरू करेगा। संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर ऑनलाइन माध्यम से किए जाएंगे।

मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण पर एक संयुक्त बयान को चार से पांच दिन में अंतिम रूप देने और उस पर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद है, जिसके बाद अमेरिका द्वारा लगाया गया शुल्क घटकर 18 प्रतिशत होगा। दोनों देशों ने इस सप्ताह की शुरुआत में समझौते को अंतिम रूप दिया। इसके तहत अमेरिका में प्रवेश करने वाले भारतीय सामान पर शुल्क 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) का पहला चरण लगभग तैयार है और हमें उम्मीद है कि अगले चार से पांच दिन में हम अमेरिका तथा भारत के बीच एक संयुक्त बयान को अंतिम रूप देकर उस पर हस्ताक्षर कर देंगे। इसके आधार पर इस साझेदारी का पहला चरण शुरू होगा। गोयल ने कहा कि औपचारिक समझौते का मसौदा तैयार हो रहा है, जिसमें एक या डेढ़ महीने लग सकता है। संभवतः औपचारिक समझौते पर मार्च के मध्य तक हस्ताक्षर हो जाएंगे। भारतीय वस्तुओं पर कम किए गए 18% शुल्क अमेरिका के कार्यकारी आदेश से लागू होंगे, जो संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर के एक या दो दिन बाद जारी होगा। गोयल ने बताया कि इस समझौते में किसी भी प्रकार के निवेश की प्रतिबद्धता नहीं है।

- भारत-अमेरिका मार्च के मध्य तक समझौते पर कर सकते हैं हस्ताक्षर
- बीटीए का पहला चरण तैयार, संयुक्त बयान के बाद होगा शुरू

देश को ऊर्जा, डेटा सेंटर उपकरण और आईसीटी उत्पादों की आवश्यकता

गोयल ने कहा कि इन सभी चीजों की तेजी से आगे बढ़ा पाएंगे क्योंकि कानूनी समझौते के बाद हमें और भी रियायतें मिलेंगी। सौदे के 500 अरब अमेरिकी डॉलर के खरीद वाले हिस्से के बारे में मंत्री ने कहा कि भारत जिस तेजी से विकास कर रहा है, उसे देखते हुए देश को बड़ी मात्रा में ऊर्जा, डेटा सेंटर उपकरण और आईसीटी उत्पादों की आवश्यकता होगी। हमारी इस्पात उत्पादन क्षमता वर्तमान के 14 करोड़ टन से बढ़कर कुछ वर्ष में 30 करोड़ टन हो जाएगी। इसलिए, जब हमने अमेरिका से अपनी आवश्यकताओं का अनुमान लगाया तो हम 500 अरब डॉलर के आंकड़े पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि भारत की विमानों की मांग, बोइंग को दिए गए और अभी दिए जाने वाले लेकिन तैयार ऑर्डर की संख्या 70-80 अरब डॉलर है। अगर इसमें इंजन और अन्य कलपुर्जे भी जोड़े जाएं तो लागत शायद 100 अरब डॉलर पहुंच जाएगी।

भारतीय शुल्क में कमी कानूनी समझौते के बाद ही संभव : वाणिज्य सचिव

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि इस कानूनी समझौते से हमें अमेरिकी सामान पर शुल्क कम करने का अधिकार मिलेगा। अग्रवाल ने कहा कि भारतीय शुल्क में कमी केवल एक कानूनी समझौते के बाद ही संभव होगी। उन्होंने कहा कि भारतीय शुल्क, एमएफएन (सबसे तरजीही राष्ट्र) शुल्क हैं जबकि अमेरिकी आयात शुल्क, कार्यकारी शुल्क है। अमेरिका- तेल, एलपीजी, एलएनजी, विमान, आईसीटी उत्पाद, लैपटॉप, स्मार्टफोन और डेटा सेंटर उपकरण जैसी सभी वस्तुएं उपलब्ध करा सकता है, जिन्हें भारत अन्य देशों से खरीद रहा है। अग्रवाल ने कहा कि पांच वर्षों में ये खरीद 2,000 अरब डॉलर की होने वाली है। अगर हम अमेरिका से 500 अरब डॉलर की खरीद कर लेते हैं तो इससे हमारी आपूर्ति शृंखला में विविधता और मजबूती ही बढ़ेगी।

ऊर्जा गलियारा वार्ता में भारत की वृद्धि आधारित प्राथमिकताओं पर जोर

ह्यूस्टन। कौंसुल जनरल डीसी मंजुनाथ ने कहा कि भारत की तेज आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने की महत्वाकांक्षा दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी है। भरोसेमंद एवं किफायती ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ स्वच्छ प्रौद्योगिकियों तथा नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिकी उद्योग के साथ संवाद और सहयोग अहम है। ह्यूस्टन स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास (सीजीआई) ने अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) के सहयोग से ग्लोबल एनर्जी आउटलुक 2026 पर 4 फरवरी को उच्चस्तरीय अमेरिका-भारत ऊर्जा गोलमेज बैठक की। इसमें वैश्विक ऊर्जा, इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी कंपनियों के 30 से अधिक अधिकारी शामिल हुए। इनमें एक्सॉनमोबिल, शेवरॉन, हनीवेल, गेल, लार्सन एंड टुब्रो, वेदरफोर्ड, लैंजाटेक, एसएंडपी ग्लोबल, मैकिन्से और सोसाइटी ऑफ पेट्रोलियम इंजीनियर्स के प्रतिनिधि शामिल थे।

500 अरब डॉलर के लक्ष्य के लिए अमेरिका से निर्यात में करनी होगी वृद्धि

मंत्री ने कहा कि बजट में डेटा केंद्रों के लिए भारी रियायतों की घोषणा की गई है। अगर हमें डेटा केंद्रों में 100-150 अरब डॉलर का निवेश मिलता है तो हमें उन केंद्रों के लिए उपकरणों की जरूरत होगी। फरवरी, 2025 में दोनों देशों के बीच तय 500 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य को पूरा करने के लिए भारत को निश्चित रूप से अमेरिका से निर्यात और खरीद में काफी वृद्धि करनी होगी। उन्होंने कहा कि भारत ने अमेरिका के साथ हुए इस समझौते के तहत जिन वस्तुओं को खरीदने का वादा किया है उनकी वर्तमान वैश्विक खरीद 300 अरब डॉलर से अधिक है।

भारत-जीसीसी ने एफटीए वार्ता के नियम-शर्तों पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली। भारत और पश्चिमी एशियाई देशों के समूह खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) ने मुक्त व्यापार समझौते पर औपचारिक बातचीत शुरू करने के लिए नियम एवं शर्तों पर गुरुवार को हस्ताक्षर किए। नियम एवं शर्तों में प्रस्तावित व्यापार समझौते का दायरा और तौर-तरीके बताए गए हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जीसीसी के साथ बातचीत को लेकर नियम एवं शर्तों पर हस्ताक्षर समारोह की अध्यक्षता की। जीसीसी, खाड़ी क्षेत्र के छह देशों सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, कुवैत, ओमान और बहरीन का समूह है। गोयल ने कहा कि यह समझौता दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि एक करोड़ भारतीय जीसीसी क्षेत्र में रह और काम कर रहे हैं। यह अत्यंत उचित है कि अब हम एक अधिक मजबूत और सुदृढ़ व्यापारिक व्यवस्था में प्रवेश करें जो वस्तुओं एवं सेवाओं के अधिक मुक्त प्रवाह को सक्षम बनाएगी, नीति में पूर्वानुमान तथा स्थिरता लाएगी और अधिक निवेश को प्रोत्साहित करने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि यह समझौता भारत के साथ जीसीसी देशों की खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा को भी बढ़ावा देगा। भारत विश्व में अनाज का एक प्रमुख उत्पादक है जबकि जीसीसी देश तेल एवं गैस के निर्यातक हैं।

भारत ने 2026 के लिए संयुक्त राष्ट्र नियमित बजट में 3.52 करोड़ डॉलर का दिया योगदान

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत ने वर्ष 2026 के लिए संयुक्त राष्ट्र के नियमित बजट में 3.52 करोड़ अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया है। इससे वह उन 47 सदस्य देशों की ऑनर रोल सूची में शामिल हो गया है, जिन्होंने समय पर अपना पूरा बकाया जमा कराया है। संयुक्त राष्ट्र योगदान समिति के अनुसार, तीन फरवरी 2026 तक 47 सदस्य देशों ने संयुक्त राष्ट्र के वित्तीय नियमों के तहत निर्धारित 30 दिन की अवधि के भीतर अपना पूरा नियमित बजट योगदान अदा कर दिया है। भारत ने तीन फरवरी को 2026 के संयुक्त राष्ट्र नियमित बजट के लिए 3.52 करोड़ डॉलर का भुगतान किया।

- समय पर अपना पूरा बकाया जमा कराने वाले 47 सदस्य देशों की ऑनर रोल सूची में शामिल हुआ भारत

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने ऑनर रोल में शामिल देशों का जिक्र करते हुए भारत का नाम लिया। उन्होंने कहा कि यह वह देश है जहां दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा 182 मीटर ऊंची स्टैच्यू ऑफ यूनिटी स्थित है। हां, बिल्कुल सही.. भारत। भारत लगातार उन देशों में शामिल रहा है जो संयुक्त राष्ट्र को अपना योगदान समय पर और पूर्ण रूप से अदा करते हैं।

नये आयकर अधिनियम के फॉर्म, नियम इसी महीने होंगे अधिसूचित

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन रवि अग्रवाल ने कहा है कि आयकर अधिनियम, 2025 के अप्रैल से लागू होने से पहले फरवरी में जरूरी फॉर्म और नियम अधिसूचित किए जाएंगे। इसके साथ ही अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों की सूची भी जारी की जाएगी। अग्रवाल ने कहा कि एक फरवरी को पेश बजट में पेनाल्टी को शुल्क में बदलने, कार्यवाही को अतिरिक्त कर का भुगतान कर समाप्त करने की सुविधा, शेयर पुनर्खरीद के मामले में कर को युक्तिसंगत बनाने और टीसीएस (स्रोत पर कर संग्रह) में कमी जैसे उपाय करदाताओं के लिए चीजों को सुगम बनाएंगे।

- सीबीडीटी प्रमुख बोले- साथ ही अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों की सूची भी की जाएगी जारी

उन्होंने कहा कि प्रत्यक्ष कर के मोर्चे पर जो प्रस्ताव बजट में किए गए हैं, वे वास्तव में कानून को सरल बनाने और करदाताओं के लिए इसे आसान बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का ही एक हिस्सा हैं। सीबीडीटी प्रमुख ने कहा कि हम फरवरी में नए आयकर फॉर्म और नियम जारी कर देंगे। नए आयकर अधिनियम, 2025 के एक अप्रैल, 2026 से लागू होने से पहले संबंधित पक्षों से इस पर सुझाव लिया जाएगा। अग्रवाल ने कहा कि सीबीडीटी नए कानून पर बार-बार पूछे जाने वाले सवाल (एफएक्यू) और एक प्रस्तुति तैयार करने पर भी काम कर रहा है। यह नए अधिनियम के लागू होने के साथ जनता के लिए उपलब्ध होगी ताकि उन्हें चीजों को समझने में आसानी हो।

मुकदमेबाजी की समस्या का भी होगा समाधान

सीबीडीटी प्रमुख ने कहा कि पिछले साल पूरा जोर (आयकर अधिनियम की) भाषा को सरल बनाने पर था और नए कानून को इस तरह से लाने पर था कि करदाता इसे आसानी से पढ़ और समझ सकें। इस प्रक्रिया के माध्यम से हम यह भी सुनिश्चित करना चाहते हैं कि चीजों की कई तरह से व्याख्या न हो। इससे परोक्ष रूप से मुकदमेबाजी की समस्या का भी समाधान होगा। इस बात को ध्यान में रखते हुए उस समय प्रक्रियाओं में बदलाव करने का प्रयास नहीं किया गया था लेकिन हमेशा यही मत था कि हम आगे प्रक्रियाओं पर इस तरह से विचार करेंगे जिससे चीजों में और स्पष्टता आए। उन्होंने कहा कि एक अप्रैल 2026 से नया आयकर अधिनियम लागू होने से पहले, इस दिशा में दूसरा कदम (बजट में) उठाया गया है।

सुपरटेक की 16 परियोजनाएं पूरा करे एनबीसीसी

उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय कंपनी विधि अपील अधिकरण के आदेश को रखा बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी

एक दशक से अपने घर की बाट जोह रहे हजारों खरीदारों को राहत देते हुए उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय कंपनी विधि अपील अधिकरण (एनसीएलएटी) के उस आदेश को गुरुवार को बरकरार रखा, जिसमें सरकारी स्वामित्व वाली एनबीसीसी को कर्ज में डूबी रियल एस्टेट कंपनी सुपरटेक लिमिटेड की 16 आवासीय परियोजनाओं को शीघ्रता से पूरा करने का निर्देश दिया गया था। अदालत ने सभी अधिकरणों और उच्च न्यायालयों को यह आदेश दिया है कि वे ऐसा कोई भी आदेश न दें, जिससे एनबीसीसी कंपनी के निर्माण काम रुक जाएं।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अपनी असाधारण शक्ति का प्रयोग करते हुए एनसीएलएटी के 12 दिसंबर, 2024 के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें एनबीसीसी को घर खरीदारों के हित में परियोजनाओं को अपने हाथ में लेने का निर्देश दिया गया था। पीठ ने कहा कि कई घर खरीदारों के अनुसार, सुपरटेक ने 2010-12 के दौरान 51,000 घरों की बुकिंग की थी। प्रधान न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि कर्ज में डूबी रियल एस्टेट कंपनी के वित्तीय और परिचालन लेनदारों के ब्याज और बकाया का निपटारा तब ही किया जा सकता है जब घर खरीदारों को पूरी तरह से तैयार मकान सौंप दिए जाएं। पीठ ने कहा कि मकानों में पानी, बिजली, सीवेज कनेक्शन जैसी सभी सुनिश्चित सुविधाएं होनी चाहिए, साथ ही आस-पास सड़कें और पार्क भी होने चाहिए। सुपरटेक के वित्तीय और परिचालन लेनदारों को राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी) और एनसीएलएटी द्वारा न्यायसंगत पाए गए नुकसान को स्वीकार करना होगा। पीठ ने निर्देश दिया कि एनबीसीसी परियोजनाओं को शीघ्रता से पूरा करे और एनसीएलएटी द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति उसे आवश्यक सहयोग प्रदान करे। पीठ ने कहा कि यदि परियोजनाओं में कोई बाधा आती है, तो संबंधित पक्ष उच्चतम न्यायालय में अपील कर सकते हैं। उच्चतम न्यायालय ने 21 फरवरी 2025 को सुपरटेक की 16 आवासीय परियोजनाओं को लगभग 9,500 करोड़ रुपये की लागत पर पूरा करने के लिए एनबीसीसी को परियोजना प्रबंधन सलाहकार नियुक्त करने के आदेश पर रोक लगाई थी।

- अधिकरणों और उच्च न्यायालयों से कहा- ऐसा आदेश न दें, जिससे एनबीसीसी के निर्माण काम रुकें

आदेश में संशोधन, अनुराग बीसीसीआई की गतिविधियों में भाग लेने को स्वतंत्र

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष अनुराग ठाकुर को गुरुवार को राहत देते हुए उच्चतम न्यायालय ने जनवरी 2017 के उस आदेश में संशोधन किया, जिसमें उन्हें बोर्ड के मामलों से प्रतिबंधित किया गया था। साथ ही न्यायालय ने बोर्ड के साथ उनके जुड़ाव के लिए रास्ता साफ कर दिया। न्यायालय ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री ठाकुर, नियमों और विनियमों के अनुरूप बीसीसीआई से संबंधित मामलों में भाग लेने के लिए स्वतंत्र हैं। शीर्ष अदालत ने दो जनवरी, 2017 को बीसीसीआई के तत्कालीन अध्यक्ष ठाकुर को निर्देश दिया था कि वह तुरंत बोर्ड के कामकाज से खुद को अलग कर लें और उससे संबंध न रखें। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने 2017 के आदेश में संशोधन संबंधी ठाकुर की याचिका पर सुनवाई करते हुए आनुपातिकता के सिद्धांत को लागू करते हुए गुरुवार को संबंधित आदेश में संशोधन किया।

मुफ्त उपहार के चुनावी वादों के खिलाफ याचिका पर होगी सुनवाई

उच्चतम न्यायालय ने अतार्किक मुफ्त उपहार की चुनावी घोषणा या वादा करने वाली किसी राजनीतिक पार्टी का चुनाव चिह्न जब्त करने अथवा उसका पंजीकरण रद्द करने के निर्देश संबंधी जनहित याचिका को सुनवाई के लिए मार्च में सूचीबद्ध करने पर गुरुवार को सहमति जताई। याचिकाकर्ता वकील अश्विनी उपाध्याय ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ को बताया कि उनकी याचिका पर केंद्र और निर्वाचन आयोग को 2022 में ही नोटिस जारी किए गए थे और उन्होंने न्यायालय से मामले को जल्द सूचीबद्ध करने का आग्रह किया। वकील ने कहा कि सूरज और चांद को छोड़कर चुनाव के दौरान राजनीतिक दल मतदाताओं से हर चीज का वादा करते हैं और यह भ्रष्टाचार का उदाहरण है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि यह महत्वपूर्ण मुद्दा है। कृपया हमें याद दिलाएं और अंत में इसका विशेष उल्लेख करें। हम इसे मार्च में सूचीबद्ध करेंगे।

बच्चों को दूषित रक्त चढ़ाने में प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य पुलिस को पश्चिम सिंहभूम जिले के चाईबासा में बच्चों को कथित दूषित रक्त चढ़ाने के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति गौतम कुमार चौधरी की अदालत दीपक हेमब्रम नाम के व्यक्ति द्वारा दायर आपराधिक रिट याचिका पर सुनवाई कर रही थी। हेमब्रम ने याचिका में दावा किया कि उनके तमाम प्रयासों के बावजूद पुलिस ने कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की।

हाईकोर्ट ने चाईबासा के सदर पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी को प्राथमिकी दर्ज करने और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इससे पहले, अदालत की खंडपीठ ने रक्त आधान के लिए मानक संचालन प्रक्रिया का पालन न करने के लिए राज्य सरकार को फटकार लगाई थी, जिसके कारण कथित तौर पर झारखंड में पांच बच्चों में एचआईवी संक्रमण हुआ था। मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने स्वतः संज्ञान लेते हुए जनहित याचिका पर सुनवाई की।

भूमि देने में आपत्ति नहीं पर बीएसएफ अधिकार क्षेत्र नियम वापस लें केंद्र : ममता

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार को सीमा पर बाड़ लगाने के लिए भूमि देने में कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन केंद्र को पहले राज्य में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकार क्षेत्र को 15 किलोमीटर से बढ़ाकर 50 किलोमीटर करने के मनमाने फैसले को रद्द करना होगा। राज्यपाल के अभिभाषण पर विधानसभा में चर्चा के दौरान बनर्जी ने केंद्र व भाजपा द्वारा राज्य सरकार पर सीमा बाड़ लगाने में बाधा डालने के आरोपों को खारिज किया।

- राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान बनर्जी ने केंद्र सरकार के आरोपों को किया खारिज

उन्होंने कहा कि बीएसएफ सहित सभी केंद्रीय एजेंसियों को पहले ही भूमि आवंटित की जा चुकी है। राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए उन्होंने कहा, ''''भूमि कोई समस्या नहीं होगी। आपको भूमि मिल जाएगी, लेकिन पहले बीएसएफ के अधिकार क्षेत्र को 15 किलोमीटर से बढ़ाकर 50 किलोमीटर करने के मनमाने नियम को बदलें। बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि वह पूरा आंकड़ा नहीं दे रहे हैं कि राज्य ने कितनी जमीन पहले आवंटित की है। रेलवे से लेकर रक्षा प्रतिष्ठानों तक सभी केंद्रीय एजेंसियों को भूमि दी जा चुकी है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने पलटवार किया कि घुसपैठ से बंगाल में जनसांख्यिकीय बदलाव हो रहा है और दावा किया कि केंद्र ने बाड़ लगाने को कई बार जमीन मांगी, लेकिन वह उपलब्ध नहीं कराई गई। बनर्जी ने कहा कि उन्होंने कई गृह मंत्री देखे हैं और उन्हें शासन का पाठ पढ़ाने की जरूरत नहीं है।

न्यायाधीशों की नियुक्तियों से जुड़ी एमओपी में संशोधन पर विचार

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने राज्यसभा को बताया कि उच्च न्यायपालिका में न्यायाधीशों की नियुक्ति से जुड़ी ज्ञापन प्रक्रिया (मेमोरेंडम ऑफ प्रोसीजर ... एमओपी) को संशोधित करने की प्रक्रिया पर विचार जारी है और इसके पूरा होने के बाद ही आगे के कदम उठाए जाएंगे। विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल गुरुवार को उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान बताया कि अखिल भारतीय न्यायिक सेवा की स्थापना करने और इसके स्वरूप को लेकर भी परामर्श जारी है।

कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने पूरक प्रश्न के तहत जानना चाहा कि क्या सरकार न्यायिक सुधार ला रही है और क्या राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) को फिर से लाया जाएगा? इस पर मेघवाल ने कहा कि सभी जानते हैं कि एनजेएसी विधेयक संसद द्वारा पारित किया गया था, लेकिन बाद में इसे उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गई और इसे निरस्त कर दिया गया। मेघवाल ने सदन को बताया कि इसके बाद एमओपी को संशोधित करने की प्रक्रिया पर विचार किया जा रहा है और यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही अगला कदम उठाया जाएगा। देश में राष्ट्रीय न्यायिक सेवा शुरू किए जाने से संबंधित अन्य प्रश्न पर मंत्री ने कहा कि हमारे संविधान के अनुच्छेद 312 में अखिल भारतीय न्यायिक सेवा का प्रावधान है और इस मुद्दे पर न्यायाधीशों के सम्मेलनों में भी कई बार चर्चा हो चुकी है। यह मुद्दा उच्चतम न्यायालय के समक्ष लंबित है। इसे किस स्वरूप में लाया जाए, इस पर परामर्श चल रहा है। यह मामला विचाराधीन है। विधि मंत्री ने कहा कि हमारे लोकतंत्र में न्यायपालिका शासन व्यवस्था का एक स्वतंत्र अंग है और सभी मुद्दों से निपटने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार न्यायपालिका की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। हम न्यायपालिका के साथ मिलकर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि न्यायाधीशों को ऐसा अनुकूल वातावरण मिले, जिससे वे जनता को न्याय प्रदान कर सकें।

- विधि एवं न्याय राज्य मंत्री मेघवाल बोले एनजेएसी विधेयक संसद में हुआ था पारित उच्चतम न्यायालय ने इसे किया निरस्त

मंत्री ने कहा कि लंबित मामलों का निपटारा करना न्यायपालिका का अधिकार क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि सरकार ने निचली अदालतों की संख्या बढ़ाने में सहायता की है। मेघवाल ने बताया कि 2014 में जिला एवं सत्र अदालतों में न्यायाधीशों की कुल स्वीकृत संख्या 19,518 थी और इसके बाद हमने 6,376 पद जोड़े।

इंदौर शासकीय मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस छात्र की आत्महत्या, परिजनों का रैगिंग का आरोप

इंदौर (मप्र)। इंदौर के शासकीय महाविद्यालय के छात्रावास में एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्र की खुदकुशी के बाद उसके परिजनों ने गुरुवार को आरोप लगाया कि संस्थान में उसकी रैगिंग की जाती थी और उसे परेशान किया जाता था। छात्र के परिजनों ने उसकी मौत के मामले की विस्तृत जांच की मांग की है। पुलिस के मुताबिक शासकीय महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्र अंतरिक्ष अग्रवाल (20) का शव दो फरवरी को संस्थान के छात्रावास में उसके कमरे में पंखे से बंधे फंदे से लटका मिला था। अंतरिक्ष के पिता पंकज अग्रवाल ने कहा कि महाविद्यालय में रैगिंग और बुलिंग (परेशान किए जाने) के बाद मेरा बेटा अंदर से टूट गया था। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) तुषार सिंह परिजनों ने रैगिंग और बुलिंग को लेकर शिकायत नहीं की थी ।

कुकी संगठनों ने समुदाय के विधायकों को मणिपुर में सरकार गठन से दूरी बनाए रखने को कहा

इंफाल। मणिपुर के कई कुकी संगठनों ने अपने समुदाय के विधायकों को राज्य में सरकार गठन की प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लेने की चेतावनी दी है। साथ ही चुराचांदपुर में पूर्ण बंद और कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन का आह्वान भी किया गया है। भाजपा विधायक युमनाम खेमचंद सिंह ने बुधवार को मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उन्होंने यह पदभार भाजपा नेता एन. बीरेन सिंह के इस्तीफे के एक वर्ष बाद संभाला। राज्य में मेइती और कुकी समुदायों के बीच महीनों तक चली जातीय हिंसा के बाद राष्ट्रपति शासन लगाया गया था। कुकी समुदाय से ताल्लुक रखने वाली भाजपा विधायक नेमचा किपगेन और नगा पीपुल्स फ्रंट विधायक एल. दिखो ने मणिपुर के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है।

देश के लोगों के लिए ऊर्जा सुरक्षा प्राथमिकता

नई दिल्ली। भारत ने गुरुवार को कहा कि अपने 1.4 अरब लोगों के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना उसकी शीर्ष प्राथमिकता है और पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद को लेकर उसका नजरिया मुख्य रूप से इसी बात पर आधारित है। भारत ने कहा कि इसमें वेनेजुएला से कच्चे तेल की खरीद के विकल्प पर विचार करना भी शामिल है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ये टिप्पणियां अमेरिका के इस दावे के जवाब में कीं कि भारत, रूस से तेल खरीदना बंद करने वेनेजुएला से व अधिक तेल खरीदने पर सहमत हो गया है। जायसवाल ने कहा, अंतर्राष्ट्रीय स्थित के हिसाब से अपनी ऊर्जा खरीद में विविधता लाना, यह सुनिश्चित करने की हमारी रणनीति का मुख्य हिस्सा है। भारत के सभी कदम इसी बात को ध्यान में रखकर उठाए जाते हैं और भविष्य में भी इसका अनुसरण किया जाएगा। जायसवाल ने कहा कि राजनयिक सूत्रों ने संकेत दिया है कि रूस-यूक्रेन युद्ध जल्द ही खत्म होने वाला है और ऐसे में, नई दिल्ली के मॉस्को के साथ ऊर्जा संबंधों में कोई रुकावट नहीं आएगी।

वर्ल्ड ब्रीफ

श्रीलंकाई मछुआरों पर हमले के आरोपों को भारत ने खारिज किया

कोलंबो। कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने बृहस्पतिवार को भारतीय तटरक्षक बल की ओर से श्रीलंकाई मछुआरों के एक समूह पर हमलों का खंडन किया। भारतीय उच्चायोग ने कहा, हम इसकी पुष्टि कर सकते हैं कि भारतीय नौसेना या भारतीय तटरक्षक बल के किसी भी कर्मी ने ऐसा कोई हमला नहीं किया था। कहा गया है, भारत ने लगातार यह बात कही है कि मछुआरों की आजीविका संबंधी चिंताओं के लिए मानवीय दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए और किसी भी परिस्थिति में बल प्रयोग का सहारा नहीं लिया जाना चाहिए। श्रीलंका के मत्स्य पालन मंत्री रामलिंगम चंद्रशेखरन ने दो फरवरी को कहा था कि इस घटना को लेकर भारत सरकार के समक्ष विरोध दर्ज कराया जाएगा।

नाइजीरिया में इस्लामिक आतंकियों के हमले में 162 की मौत

सोकोतो। पश्चिमी नाइजीरिया के दो गांवों पर हथियारबंद चरमपंथियों के हमले में 162 लोग मारे गए। क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद मोहम्मद उमर बायो ने बताया कि मंगलवार शाम को क्वारा राज्य के वोरो और नुकु गांवों को निशाना बनाकर हमले किए गए। यह हमला नाइजीरिया में हाल के महीनों में हथियारबंद चरमपंथियों के सबसे घातक हमलों में से एक है। बायो ने कहा कि ये हमले इस्लामिक स्टेट से जुड़े आतंकवादी संगठन लकुरावा द्वारा किए गए हैं। हालांकि इन हमलों की जिम्मेदारी अब तक किसी ने नहीं ली है। क्वारा राज्य में रेड क्रॉस के सचिव अयोदेजी इमैनुअल बाबाओमो ने कहा कि संगठन उन सुदूर स्थानों पर पहुंचने में असमर्थ रहा है जहां कई लोग मारे गए।

अमेरिका के हमले की वेनेजुएला ने शुरू कराई जांच

काराकास। वेनेजुएला के रक्षा मंत्री व्लादिमीर पैद्रीनो लोपेज ने कहा है कि प्रशासन अमेरिका के तीन जनवरी के सैन्य अभियान से जुड़े घटनाक्रम की जांच कर रहा है, जिसमें राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में लिया गया था। लोपेज ने अपने बयान में यह स्पष्ट नहीं किया कि यह जांच किस तरह या किस स्तर की है, हालांकि इशारा किया कि इस जांच से देश को सेना की बदलाव योजना को समझने, उसका आंकलन करने और उसमें जरूरी सुधार करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका के सैन्य अभियान में बेहद उच्च गुणवत्ता की तकनीक का इस्तेमाल हुआ था।

पांच तेजस भारतीय वायुसेना को सौंपे जाने के लिए तैयार

- एचएएल ने कहा- नौ और विमान बन चुके, इंजन मिलने का इंतजार

नई दिल्ली। सरकारी एयरोस्पेस कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने बृहस्पतिवार को कहा कि पांच तेजस हल्के लड़ाकू विमान भारतीय वायु सेना को सौंपने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

रक्षा मंत्रालय ने फरवरी 2021 में वायु सेना के लिए 83 तेजस एमके-1ए लड़ाकू विमान खरीदने के लिए एचएएल के साथ 48,000 करोड़ रुपये का करार किया था। हालांकि जीई एयरोस्पेस से इंजन की आपूर्ति न होने की वजह से इन लड़ाकू विमानों की आपूर्ति में देरी हो रही है।

एचएएल की प्रवक्ता ने बताया, पांच विमान आपूर्ति के लिए पूरी तरह से तैयार हैं, जिनमें अनुबंधित विशिष्टताओं के अनुसार प्रमुख क्षमताएं शामिल हैं। उन्होंने बताया, नौ अतिरिक्त विमान पहले ही बनकर तैयार हो चुके हैं और उनका परीक्षण भी हो चुका है। जीई से इंजन मिलते ही ये आपूर्ति के लिए तैयार हो जाएंगे। प्रवक्ता ने बताया कि डिजाइन और विकास संबंधी सभी समस्याओं का तेजी से समाधान किया जा रहा है। तेजस एकल इंजन वाला बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान है जो उच्च खतरे वाले हवाई वातावरण में अपने मिशन को अंजाम देने में सक्षम है।

मोबाइल में छिपा जानलेवा खतरा

ऑनलाइन गेम के टास्क

गाजियाबाद में तीन बहनों के नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या करने की घटना ने टास्क बेस्ड ऑनलाइन के खतरों को एक बार फिर उजागर किया है। हर फोन में छिपे इस खतरे की शुरुआत 1970 के दशक में पैकेट आधारित कंप्यूटर नेटवर्किंग से हुई थी। 1978 में रॉय ट्रुबशॉ और रिचर्ड बार्टल ने दुनिया का पहला टेक्स्ट आधारित मल्टीप्लेयर एडवेंचर गेम बनाया जिसमें खिलाड़ी टास्क पूरे करते हुए एक काल्पनिक दुनिया में रहते थे। इंटरनेट आने के बाद 1993 में टास्क बेस्ड गेम्स का तेज विकास शुरू हुआ। 1997 में अल्टिमा ऑनलाइन और 1999 में एवरक्वेस्ट जैसे गेम्स ने जैसे आधुनिक टास्क बेस्ड फॉर्मेट को लोकप्रिय बनाया। एप्पल के एप स्टोर और गूगल प्ले स्टोर की शुरुआत के बाद टास्क बेस्ड गेम्स हर व्यक्ति तक पहुंच गए।

क्यों खतरनाक

- टास्क पूरा करने पर नकली प्रशंसा से मस्तिष्क में डोपामाइन रिलीज होता है, और कठिन टास्क के लिए उत्साह बढ़ता है।
- रोमांच व जोखिम लेने की प्रवृत्ति का लाभ उठाकर किशोरों को आत्मविनाशकारी कार्यों में उलझाते हैं।
- बच्चों के अकेलेपन का फायदा उठाकर उन्हें वर्चुअल चैलेंज के जरिए झूठी अहमियत का एहसास कराते हैं।

दुनिया में लोकप्रियता चरम पर

- वैश्विक ऑनलाइन गेमिंग मार्केट 2024 में लगभग 152 बिलियन डॉलर का था जो 2025 में 188 बिलियन डॉलर से आगे निकल गया।
- दुनिया भर में यह गेम खेलने वाले खिलाड़ियों की संख्या लगातार बढ़ते हुए अनुमानित तौर पर अब लगभग 3 .6 बिलियन हो गई है।
- गेमिंग मार्केट में एशिया पैसिफिक क्षेत्र की हिस्सेदारी करीब 50% है जिसमें खासकर चीन, दक्षिण कोरिया और भारत का दबदबा है।

खतरनाक होने के कारण

- ये गेम्स खिलाड़ियों को भावनात्मक रूप से कमजोर बनाकर उन्हें आत्महत्या या खुद को नुकसान पहुंचाने जैसे घातक कदमों की ओर ले जाते हैं।
- दिए जाने वाले टास्क को गुप्त रखने के निर्देश दिए जाते हैं, जिससे खिलाड़ी अपनों से कट जाता है और डर या दबाव में खतरनाक काम करता है।
- टास्क के दौरान मांगे गए निजी फोटो या वीडियो का उपयोग ब्लैकमेलिंग या और ज्यादा जोखिम भरे काम के लिए मजबूर करने में किया जाता है।

अत्यधिक एडिक्शन के कारण

- गेम्स को मनोवैज्ञानिक रूप से इस तरह बनाया जाता है ताकि खिलाड़ी उसे घंटों तक बिना ब्रेक के खेलता रहे।
- दोस्तों या परिवार से कम जुड़ाव होने पर ज्यादातर बच्चे ऑनलाइन समुदायों को ही अपना सहारा मान लेते हैं।
- टास्क पूरा करने पर मिलने वाली सफलता जीवन की चुनौतियों से बचने का आसान रास्ता बन जाती है।
- बार-बार गेम खेलने से मस्तिष्क के रिवॉर्ड सेंटर में बदलाव आते हैं, जो नशे की लत के समान होते हैं।

दुर्घटनाएं रोकने के वैश्विक कदम

- दुनिया के कई देशों की सरकारें अब यूनिसेफ के दिशा-निर्देशों और ऑनलाइन सुरक्षा कानूनों के जरिए प्लेटफॉर्म्स पर निगरानी बढ़ा रही हैं।
- डिवाइस और गेमिंग प्लेटफॉर्म्स पर स्क्रीन टाइम सीमित करने और कंटेंट फिल्टर करने के लिए अब उन्नत किस्म के टूल्स उपलब्ध कराए जा रहे हैं।
- यूनिसेफ जैसे संगठन स्कूलों व समुदायों में डिजिटल साक्षरता और साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैला रहे हैं। इसका सकारात्मक असर दिख रहा है।
- गेमिंग एडिक्शन को अब एक मानसिक विकार मानकर इसके उपचार के लिए विशेष काउंसलिंग और डिजिटल डिटॉक्स केंद्र खोलने की शुरुआत की गई है।

एआई से नौकरियां बचाने के लिए दक्षिण कोरिया की संसद में लाया गया विधेयक

मानवीय श्रमिकों का खात्मा होने की आशंका में पहल, राष्ट्रीय एआई रणनीति बनेगी

सोल, एजेंसी

भारी उद्योग और उच्च तकनीक वाले विनिर्माण क्षेत्र में दुनिया के अग्रणी देश दक्षिणी कोरिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के कारण नौकरियों के नुकसान से श्रमिकों को बचाने के लिए विधेयक पेश किया गया है। यह विधेयक उन बढ़ती चिंताओं के बीच आया है कि एआई मानवीय श्रमिकों खत्म कर देगा। इस विधेयक के तहत एक राष्ट्रीय एआई रणनीति का निर्माण किया जाएगा जो श्रमिकों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ उन्हें बदलते बाजार के अनुसार ढलने के लिए सहायता भी उपलब्ध कराएगा।

विपक्षी पीपुल पावर पार्टी के प्रतिनिधि चोई यून सोक और 10 अन्य सांसदों ने इस विधेयक को संसद में प्रस्तुत करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में एआई और रोबोटिक्स तेजी से उन्नत हुए हैं और उन्होंने न सिर्फ सरल बल्कि कुशल पेशेवरों की भी जगह लेना शुरू कर दिया है, जिसकी वजह से पूरे समाज में रोजगार की असुरक्षा फैल रही है। कहा गया है कि सेवा क्षेत्र में भी बहुत सारी स्वचालित ऑर्डरिंग मशीनें काम संभालने लगी हैं और इस वजह से लोग अपनी नौकरियां खो रहे हैं। चिंता जताई गई है कि यदि नौकरियां अचानक एक साथ गायब हो जाती हैं तो यह एक सामाजिक समस्या में तब्दील हो सकती है।

हुंडई में रोबोटों की तैनाती की योजना से जागी चिंता

हुंडई मोटर ने पिछले महीने घोषणा की थी कि वह 2028 तक एक नए अमेरिकी संयंत्र में एटलस ह्युमनॉइड रोबोट का बड़े पैमाने पर उत्पादन करने और धीरे-धीरे उन्हें अपनी असेंबली लाइनों में तैनात करने की योजना बना रही है। कंपनी इस परियोजना को अपने 'फिजिकल एआई' के रूप में प्रचारित कर रही है, जिसमें एआई नियंत्रित औद्योगिक मशीनें जोखिम भरे या नीरस कार्यों को संभालने के लिए मनुष्यों के साथ या उनके स्थान पर काम करेंगी। हुंडई मोटर के मजदूर संघ ने इस योजना का कड़ा विरोध किया है। हालांकि, राष्ट्रपति ली जे मायुंग ने तकनीकी परिवर्तन के प्रतिरोध को खारिज करते हुए कहा है कि लोगों को नए समाज (एआई) के साथ तेजी से तालमेल बिठाना होगा।

- उद्योग विश्लेषकों का अनुमान है कि प्रत्येक एटलस रोबोट के लिए वार्षिक रखरखाव लागत लगभग 1.4 करोड़ वोन (9700 डॉलर) है, जो लगभग 24 घंटे काम कर सकता है, जबकि एक कर्मचारी पर कंपनी को प्रति वर्ष लगभग 13 करोड़ वोन का खर्च आता है।

विधेयक का उद्देश्य एआई के इस युग में रोजगार के मुद्दों से निपटने के लिए राज्य की नीतियों को स्पष्ट करना है ताकि लोगों के अधिकारों को संरक्षित रखने के साथ गुणवत्ता में सुधार किया जा सके। चोई के करीबी सूत्र ने गुरुवार को द कोरिया टाइम्स को बताया कि यह कोई ऐसा कानून नहीं है जिसे अभी तैयार किया गया है। इसे लंबे समय से तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि टीम कई वर्षों से एआई और स्वचालन के प्रभाव पर नजर रख रही है।

संयुक्त राष्ट्र में एआई पर बनी वैज्ञानिक समिति में प्रो. बालारमन रविंद्रन भी

संयुक्त राष्ट्र। आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर बालारमन रविंद्रन को एआई पर गठित नए स्वतंत्र वैज्ञानिक पैनल में सेवा देने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस की ओर से अनुशंसित 40 वैश्विक प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के समूह में शामिल किया गया है। गुतारेस ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के सामने एआई पर नए स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक समिति में नियुक्ति के वास्ते प्रत्येक क्षेत्र से 40 प्रतिष्ठित व्यक्तियों की सूची प्रस्तुत की। रविंद्रन आईआईटी मद्रास में डेटा साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विभाग (डीएसएआई), वधवानी स्कूल ऑफ डेटा साइंस एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (डब्ल्यूएसएआई), रॉबर्ट बॉश सेंटर फॉर डेटा साइंस एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (आरबीसीडीएसएआई) और सेंटर फॉर रिस्पॉन्सिबल एआई (सीईआरएआई) के प्रमुख हैं। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाचुसेट्स, एमहर्स्ट से पीएचडी और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरु से मास्टर डिग्री प्राप्त की है।

न्यू स्टार्ट संधि खत्म... रूस-अमेरिका के परमाणु जखीरे पर अब रोक नहीं

मॉस्को, एजेंसी

- रूस की संधि को एक साल और बढ़ाने की पेशकश ट्रंप ने ठुकराई
- अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए जताई जाने लगी गंभीर चिंता

रूस ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसे मॉस्को और अमेरिका के बीच परमाणु हथियारों से जुड़े आखिरी बचे समझौते के खत्म होने का दुख है। 'न्यू स्टार्ट' नामक इस संधि के समाप्त होने के साथ ही आधी सदी से ज्यादा समय में पहली बार ऐसा है कि दोनों सबसे बड़ी शक्तियों के परमाणु हथियारों के जखीरों पर कोई रोक नहीं रहेगी। इसके चलते अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए जताई जाने लगी गंभीर चिंता जताई जाने लगी है।

विशेषज्ञों का कहना है कि ''न्यू स्टार्ट'' संधि खत्म होने से परमाणु हथियारों की बिना रोकटोक वाली होड़ शुरू हो सकती है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पिछले साल घोषणा की थी कि अगर वॉशिंगटन भी ऐसा करता है तो वह एक और साल के लिए संधि की सीमाओं का पालन करने के लिए तैयार हैं लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संधि की समयसीमा बढ़ाने को लेकर कोई स्पष्ट रुख नहीं अपनाया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने बुधवार को कहा था कि ट्रंप ने यह साफ कर दिया है कि 21वीं सदी में सही मायने में हथियारों पर नियंत्रण करने के लिए ऐसा कुछ भी करना तब तक नामुमकिन है जब तक कि इसमें चीन शामिल न हो, क्योंकि उसके पास बहुत बड़ा और तेजी से बढ़ता हथियारों का जखीरा है। 'न्यू स्टार्ट' संधि पर 2010 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनके रूसी समकक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने हस्ताक्षर किए थे। संधि के तहत दोनों पक्षों को 700 से ज्यादा मिसाइलों और 1,550 से ज्यादा ऐसे परमाणु हथियार को रखने से रोक दिया गया था, जो तैनाती और इस्तेमाल के लिए तैयार हों। इस संधि को मूल रूप से 2021 में खत्म होना था, लेकिन इसे पांच और सालों के लिए बढ़ा दिया गया था। न्यू स्टार्ट संधि खत्म होने के बाद दुनिया में परमाणु हथियारों की होड़ बढ़ने की आशंका जताई जाने लगी है।

एप्स्टीन प्रकरण पर केअर स्टार्मर की कुर्सी खतरे में

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर यौन अपराधी जेफ्री एप्स्टीन से कभी नहीं मिले, लेकिन दुनियाभर की नामचीन हस्तियों से एप्स्टीन के संबंध सार्वजनिक होने के बाद स्टार्मर की कुर्सी पर खतरा मंडराने लगा है। ब्रिटेन के पूर्व राजकुमार एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर और अमेरिका में ब्रिटिश राजदूत रहे पीटर मैंडलसन पर पहले ही एप्स्टीन से दोस्ती की गाज गिर चुकी है। स्टार्मर ने एप्स्टीन से दोस्ती की बात सामने आने के बाद मैंडलसन को पद से हटा दिया था। अब नए खुलासे होने के बाद स्टार्मर की मध्यमार्गी-वामपंथी सरकार पर भी खतरा मंडरा रहा है। स्टार्मर साल 2024 में एप्स्टीन से संबंध होने के बावजूद लेबर पार्टी के वरिष्ठ नेता मैंडलसन की नियुक्ति के अपने फैसले को लेकर सत्तारूढ़ लेबर पार्टी के अंदर बढ़ते दबाव का सामना कर रहे हैं। हाल ही में जारी हुए दस्तावेजों में दोनों के करीबी संबंध होने की बात सामने आने के बाद ब्रिटेन की राजनीति में तहलका मच गया।

न डोभाल वाशिंगटन गए, न ही अमेरिका को कोई चेतावनी दी

- मीडिया में प्रकाशित खबरों को विदेश मंत्रालय ने किया खारिज

नई दिल्ली। भारत ने मीडिया में प्रकाशित उस खबर को बृहस्पतिवार को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल पिछले सितंबर में वाशिंगटन गए थे और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से कहा था कि भारत किसी धमकी के आगे नहीं झुकेगा। इसके बजाय ट्रंप का कार्यकाल खत्म होने का इंतजार करेगा।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि डोभाल ने अमेरिका की ऐसी कोई यात्रा नहीं की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा, ब्लूमबर्ग की खबर का कोई आधार नहीं है। ऐसी कोई बैठक या ऐसी कोई यात्रा नहीं हुई है। वह मीडिया की इस रिपोर्ट से संबंधित एक सवाल का जवाब दे रहे थे। खबर के अनुसार डोभाल ने सितंबर की शुरुआत में अपनी यात्रा के दौरान वाशिंगटन में रूबियो से मुलाकात की थी और कहा था कि दोनों देशों को अपने संबंधों में मौजूद कटुता को पीछे छोड़कर व्यापार समझौते पर बातचीत फिर शुरू करनी चाहिए। दावा किया गया था कि डोभाल ने रुबियो से कहा था कि भारत अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके शीर्ष सहयोगियों की धमकियों के आगे नहीं झुकेगा और नई दिल्ली ट्रंप का कार्यकाल समाप्त होने तक इंतजार करने को तैयार है।

गाजा में इजराइल के हमले में 24 की मौत

दीर अल-बलाह। गाजा में इजराइली गोलीबारी में 24 फिलिस्तीनी मारे गए, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। इजराइल का कहना है कि आतंकियों की तरफ से की गई गोलीबारी में एक सैनिक के गंभीर घायल होने के बाद उसने जवाबी कार्रवाई की।

इजराइल ने यह भी कहा कि उसकी कार्रवाई में तीन शीर्ष चरमपंथी और कुछ ऐसे लोग मारे गए जो उसकी सेना के लिए खतरा पैदा कर रहे थे। इजराइल ने घातक हमले कर 10 अक्टूबर से लागू युद्धविराम का बार-बार उल्लंघन किया है। फिलिस्तीनियों की बढ़ती मौतों के बीच गाजा के लोगों का कहना है कि उन्हें ऐसा महसूस हो रहा है मानो युद्ध थमा ही नहीं है।

राष्ट्रपति करेंगी राम मंदिर के गर्भगृह में राम यंत्र की स्थापना

अयोध्या कार्यालय।

- नवसंवत्सर पर 19 मार्च को होगा समारोह, परकोटे में करेंगी ध्वजारोहण
- मंदिर निर्माण से जुड़े 400 श्रमिकों को भी करेंगी सम्मानित

अमृत विचार : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नवसंवत्सर 19 मार्च को राम मंदिर के गर्भगृह में राम यंत्र की स्थापना करेंगी और परकोटे में ध्वजारोहण करेंगी। इसके साथ ही साथ वह राममंदिर के निर्माण कार्य से जुड़े 400 श्रमिकों को सम्मानित भी करेंगी।

मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि 19 मार्च को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू राम मंदिर के दूसरे तल के गर्भगृह में राम यंत्र का वैदिक पूजन-अर्चन कर इसे स्थापित करेंगी। वे परकोटा के मंदिर में ध्वजारोहण भी करेंगी। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, कोषाध्यक्ष स्वामी गोविन्देव गिरी, निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र आदि ने बीते दिनों राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर उन्हें समारोह का औपचारिक निमंत्रण दिया था। मंदिर ट्रस्ट राष्ट्रपति के कार्यक्रम को लेकर तैयारियां कर रहा है। कहा कि नव संवत्सर पर श्रीराम यंत्र की स्थापना से मंदिर के दूसरे तल की धार्मिक गतिविधियों को नई आध्यात्मिक ऊर्जा मिलेगी।

उन्होंने बताया कि उत्सव को लेकर निमंत्रण पत्र भेजने की सूची जल्द फाइनल हो जाएगी। इस कार्यक्रम में मंदिर निर्माण में लगी कंपनियों के कर्मचारियों के अलावा विभिन्न वर्गों के प्रतिष्ठित लोगों की भागीदारी रहेगी। कहा कि कार्यक्रम बहुत बड़े स्तर का नहीं होगा, लेकिन महत्वपूर्ण जरूर रहेगा। जिसमें रामयंत्र के पूजन अनुष्ठान के साथ अन्य कार्यक्रम के भी आयोजन किए जाएंगे।

डॉ. मिश्र ने बताया कि परकोटा सप्तऋषि व शेषावतार मंदिरों में दर्शन जल्द शुरू करने की तैयारी की जा रही है। परकोटा के म्यूरल आदि डिजाइनिंग कार्य की फिनिशिंग का काम पूरा होने के बाद दर्शन शुरू किया जा सकता है। इसके लिए भी विशेष पास की व्यवस्था रहेगी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा के मद्देनजर सीमित संख्या में ही श्रद्धालुओं को मंदिर परिसर में भ्रमण की अनुमति मिलेगी।

मुझे एपस्टीन के साथ बिताए हर मिनट पर पछतावा: बिल गेट्स

न्यूयॉर्क। माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स ने यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के साथ बिताए गए समय पर गहरा खेद व्यक्त किया है। बुधवार को एक साक्षात्कार में गेट्स ने कहा कि उन्हें एपस्टीन के साथ बिताए गए हर मिनट पर पछतावा है।

साल 2013 के एक ड्राफ्ट ईमेल में एपस्टीन ने दावा किया था कि उसने गेट्स को ड्रग्स उपलब्ध कराने और उनके विवाहेतर संबंधों को छिपाने में मदद की थी। यह मेल कभी भेजा ही नहीं गया। गेट्स ने इन दावों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा, स्पष्ट रूप से जेफरी ने खुद को एक ईमेल लिखा था जो कभी भेजा नहीं गया।

आज का भविष्यफल -पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 6 फरवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-फाल्गुन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, पंचमी 7 फरवरी 01.18 तक तत्पश्चात षष्ठी।

आज का पंचांग

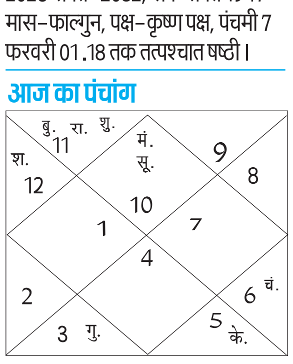

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- हस्त 7 फरवरी 00.23 तक तत्पश्चात चित्रा।

मेष — आज कारोबार की स्थिति में सुधार आएगा। रुके हुए कार्य शुरू हो जाएंगे। घरेलू कार्यों को लेकर अत्यधिक व्यस्त हो सकते हैं। आपका मूड काफी अच्छा रहने वाला है। आपका मन धार्मिक कार्यों में लगेगा। नसों में खिंचाव की समस्या हो सकती हैं।

वृष — आज का दिन बहुत ही शुभ रहने वाला है। विद्यार्थियों को योजना बनाकर अपनी पढ़ाई करनी चाहिए। कार्यक्षेत्र में किसी महत्वपूर्ण बैठक में सम्मिलित हो सकते हैं। बच्चों के करियर और शिक्षा को लेकर परेशानी दूर होगी।

मिथुन — आज बाहरी व्यक्तियों से अधिक बातें शेयर न करें। परिवार और संबंधियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। व्यायाम करने से आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। ऐसा कोई काम न करें, जो दूसरों के लिए असुविधाजनक हो।

कर्क — आज व्यापार में नए अनुबंध हो सकते हैं। आपके द्वारा पूर्व में लिए गए निर्णयों की परीक्षा हो सकती है। लंबी दूरी की यात्रा कर सकते हैं। दिखावे व शौक में धन खर्च हो सकता है। अचानक धन लाभ होने से आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

सिंह — आज नई जॉब मिलने की संभावना बन सकती है। किसी मित्र की सहायता से आपको अच्छा लाभ प्राप्त होगा। घर का माहौल काफी खुशनुमा रहेगा। अपनी मन :स्थिति को मजबूत बनाए रखें। आपकी उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी।

कन्या — आज दिन भर काफी भागदौड़ व व्यस्तता रहेगी। संपत्ति खरीदने के लिए दिन बहुत अच्छा है। उच्च अधिकारी वर्ग के सहयोग से कठिन कार्यों में आ रही बाधा दूर होगी। आपके सपने साकार होते हुए दिखाई दे रहे हैं। व्यापार के नए अवसर प्राप्त होंगे।

तुला — आज भावुक होने के कारण अच्छी बातें भी आपको बुरी लग सकती हैं। सामाजिक स्तर पर लोगों के बीच पहचान बढ़ेगी। अपने व्यवहार को सहज और धैर्यवान बनाकर रखें। कारोबार में परेशानी होने की आशंका है।

वृश्चिक — आज खोया हुआ बहुमूल्य सामान या धन वापस मिल सकता है। धार्मिक प्रवृत्ति के लोगों से आप जुड़ सकते हैं। पति-पत्नी को आपस में बात अवश्य करनी चाहिए। मन में नकारात्मक विचार आ सकते हैं। किसी पर भी आंख-मूंदकर भरोसा न करें।

धनु — आज नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षा में आपको सफलता मिल सकती है। मनोनुकूल कार्यों को आप अत्यधिक समय देंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में टीम बनाकर काम करने से आपको लाभ होगा।

मकर — आज अपनी बौद्धिक क्षमता का कुशल प्रयोग कर पाएंगे। जिम्मेदारी वाले कार्यों में आपको लापरवाही नहीं करनी चाहिए। काफी अच्छे लोगों से आपकी मुलाकात हो सकती है। अत्यधिक काम के साथ आपको भरपूर आराम भी करना चाहिए।

कुंभ — आज व्यर्थ के कार्यों में अपना समय बर्बाद न करें। बाजार में आपकी छवि अच्छी रहेगी। प्रेमीजन से अपने मन की बात कर सकते हैं, लेकिन वो आपकी बातों को अधिक महत्व नहीं देगा। पर्यटन क्षेत्र से जुड़े लोगों को नुकसान हो सकता है।

मीन — आज महत्वपूर्ण कार्यों को एक साथ पूर्ण करने में सफल रहेंगे। परिवार के लोग आपसे प्रसन्न रहेंगे। आपका मन अत्यधिक प्रसन्न रहेगा। लोगों के चहेते बने रहेंगे। विरोधी और आलोचक आपके सामने टिक नहीं पाएंगे।

सुडोकू -53

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	5			7		3		
8			2				7	4
		7		1		6		
6								9
	7	2				8		
				6				1
		3		2		5		
9	4				7			2
		6		9			8	

सुडोकू - 52 का हल

2	5	3	8	4	1	6	9	7
6	4	8	2	9	7	3	5	1
1	7	9	3	6	5	4	8	2
8	2	6	7	5	4	1	3	9
9	3	4	6	1	2	8	7	5
5	1	7	9	8	3	2	4	6
4	8	2	1	7	9	5	6	3
7	6	1	5	3	8	9	2	4
3	9	5	4	2	6	7	1	8

12 तारीख को बांग्लादेश में चुनाव हैं। उसके बाद आप यू-टर्न देखेंगे। एक बयान आएगा कि जनता की भावना को देखते हुए क्रिकेट जारी रहना चाहिए। मैं खुद राजनीति में रहा हूं। जब आप क्रिकेटर होते हैं तो आपके खून में क्रिकेट होता है, जब आप राजनेता होते हैं तो राजनीति।

-चेतन शर्मा

स्टेडियम

लखनऊ, शुक्रवार, 6 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सूर्यकुमार ने बदली टीम की तस्वीर : पंत

नई दिल्ली। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि उनकी कप्तानी ने टीम इंडिया को बदल डाला है। पंत ने आजतक के कार्यक्रम 'सलाम क्रिकेट' में कहा, ''सूर्या भाई की एनर्जी ड्रेसिंग रूम का माहौल ही बदल देती है। वे सिर्फ बल्लेबाज नहीं, बल्कि ऐसे लीडर हैं जो हर खिलाड़ी को आजादी और भरोसा देते हैं।'' पंत के मुताबिक टीम इंडिया में दिखाई दे रही एग्रेसिव माइंडसेट की जड़ में कप्तान की सोच और फास्ट बॉलर्स की भूमिका है। टी20 वर्ल्ड कप का काउंटडाउन शुरू हो चुका है और ऋषभ पंत ने पहले सत्र में कहा कि टी20 वर्ल्ड कप को इंजॉय करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि फिलहाल वे रिकवरी फेज में हैं।

मुंबई-कर्नाटक रणजी क्वार्टर फाइनल आज से

मुंबई। टी20 विश्व कप का बुखार भले ही चढ़ रहा हो लेकिन स्टार खिलाड़ियों से सजी मुंबई और कर्नाटक के बीच शुक्रवार से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अगले पांच दिन तक रोमांचक खेल देखने को मिल सकता है। दोनों टीमों का इतिहास शानदार रहा है जिसमें मुंबई के पास 42 रणजी खिताब हैं और कर्नाटक के पास आठ ट्रॉफियां हैं लेकिन ऐसे नॉकआउट मुकाबलों में पिछले रिकॉर्ड का ज्यादा असर नहीं होता। लेकिन फिर भी ऐसे मुकाबलों में मुंबई का दबदबा बरकरार रहा है जो अब नियमित कप्तान शारदुल ठाकुर और भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की वापसी से और बढ़ गया है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जीता डब्ल्यूपीएल खिताब

रोमांचक मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हराया, कप्तान स्मृति मंधाना और जॉर्जिया वॉल ने खेली विस्फोटक पारियां

वडोदरा, एजेंसी

कप्तान स्मृति मंधाना और जॉर्जिया वोल के अर्धशतक और दोनों के बीच शतकीय साझेदारी से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने महिला प्रीमियर लीग चार के बड़े स्कोर वाले रोमांचक फाइनल में बृहस्पतिवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हराकर दूसरी बार खिताब जीत लिया। अब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियनस दोनों के नाम पर दो-दो डब्ल्यूपीएल खिताब हो गए हैं। दिल्ली की टीम को लगातार चौथी बार फाइनल में खेलते हुए शिकस्त का सामना करना पड़ा। दिल्ली के 204 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने स्मृति (87 रन, 41 गेंद, 12 चौके, तीन छक्के) और जॉर्जिया (79 रन, 54 गेंद, 14 चौके) के बीच दूसरे विकेट की 165 रन की साझेदारी से 19.4 ओवर में चार विकेट पर 204 रन बनाकर जीत दर्ज की।

शिनेल हेनरी (34 रन पर दो विकेट) और नंदिनी (41 रन पर एक विकेट) ने अंतिम ओवरों में दिल्ली कैपिटल्स को वापसी दिलाने की कोशिश की लेकिन टीम को हार से नहीं बचा पाईं। दिल्ली कैपिटल्स ने कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स (57), लॉरा वोल्वार्ट (44), सलामी बल्लेबाज लिजेल ली (37) और सलामी बल्लेबाज हेनरी (नाबाद 35) की पारियों से चार विकेट पर 203 रन बनाए। जेमिमा ने 37 गेंद की अपनी पारी में आठ चौके मारे और वोल्वार्ट के साथ तीसरे विकेट के लिए 76 रन जोड़े जिन्होंने 25 गेंद का सामना करते हुए तीन चौके और दो छक्के मारे। हेनरी ने 15 गेंद में दो चौके और दो छक्के जड़े और वौल्वार्ट के साथ चौथे विकेट के लिए सिर्फ 24 गेंद में 55 रन की तूफानी साझेदारी करके टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

जीत का जश्न मनातीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम। एजेंसी

लक्ष्य का पीछा करने उतरे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने दूसरे ओवर में ही ग्रेस हैरिस (09) का विकेट गंवा दिया जिन्हें हेनरी ने बोल्ड किया।

कप्तान स्मृति और जॉर्जिया ने इसके बाद पारी को संभाला। स्मृति ने हेनरी पर चौके से खाता खोला जबकि जॉर्जिया ने मारिजेन कैप और हेरनी पर दो-दो चौके मारे। स्मृति ने नंदिनी की लगातार गेंदों पर चौके और छक्के के साथ पावर प्ले में टीम का स्कोर एक विकेट पर 59 रन तक पहुंचाया। स्मृति ने नंदिनी पर छक्के के साथ 10 ओवर में टीम के रनों का सैकड़ा पूरा किया और फिर श्री चरणी की गेंद को भी दर्शकों के बीच पहुंचाया।

जॉर्जिया ने श्री चरणी की गेंद पर एक रन के साथ 37 गेंद में अर्धशतक पूरा किया जबकि स्मृति ने स्नेह राणा पर चौके के साथ सिर्फ 22 गेंद में यह उपलब्धि हासिल की। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के 150 रन 14 ओवर में पूरे हुए। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 42 रन की दरकार थी। मीनू मनि ने जॉर्जिया को शेफाली के हाथों कैच कराके स्मृति के साथ उनकी साझेदारी को तोड़ा। रिचा घोष (06) ने नंदिनी पर चौका मारा लेकिन दो गेंद पर मीनू को कैच दे बैठीं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू को अंतिम दो ओवर में 18 रन की जरूरत थी।

दिल्ली

203/4 (20 ओवर)

लिजेल ली का हैरिस बो डि क्लर्क	37
शेफाली वर्मा का रिचा बो अरुंधति	20
लॉरा वोल्वार्ट रन आउट	44
रॉड्रिग्स का डि क्लर्क बो सतघरे	57
शिनेल हेनरी नाबाद	35

गेंदबाजी : बेल 4-0-19-0, सतघरे 4-0-46-1, अरुंधति 4-0-40-1 श्रेयंका 2-0-32-0, डि क्लर्क 4-0-48-1, राधा 2-0-18-0

बेंगलुरु

204/4 (19.4 ओवर)

ग्रेस हैरिस बो हेनरी	09
स्मृति मंधाना बो हेनरी	87
जॉर्जिया वोल का शेफाली बो मीनू	79
ऋचा घोष का मीनू बो नंदिनी	06
नेदिन डि क्लर्क नाबाद	07
राधा यादव नाबाद	12

गेंदबाजी : कैप 4-0-38-0, हेनरी 4-0-34-2, नंदिनी 4-0-40-1, श्री चरणी 3.4-0-46-0, शेफाली 1-0-9-0, मीनू 2-0-19-1, स्नेह 1-0-15-0

मैच को अंत तक ले जाना चाहते थे : जॉर्जिया वॉल

वडोदरा। जॉर्जिया ने मैच के बाद कहा यह जितना हो सके मैच को उतना गहराई तक ले जाने के बारे में था। यह बल्लेबाजी के लिए अच्छा विकेट था और हमारी टीम में बेहतरीन फिनिशर थे इसलिए अगर हम जितना हो सके उतनी देर तक बल्लेबाजी कर पाते तो हम इसे अच्छी तरह से खत्म कर सकते थे। उन्होंने कहा लड़कियों को पूरा श्रेय जाता है। यह कितना शानदार सत्र रहा है। वह फाइनल में योगदान देकर काफी अच्छा महसूस कर रही हैं। फाइनल में इस तरह से खेलना, ऐसा लग रहा था कि मैं अधिकतर सत्र में गेंद को स्क्वायर से बाहर नहीं मार पा रही हूं इसलिए फाइनल में आकर प्रदर्शन करना बेशक बेहद विशेष है।

मुझे अपनी टीम पर गर्व है : रॉड्रिग्स

हमारी टीम के हर एक खिलाड़ी और स्टाफ ने बेहतरीन काम किया। खिलाड़ियों ने हर मैच में कमाल का एफर्ट डाला है। आज के मैच की बात करें तो 204 रनों का टोटल का एक अच्छा स्कोर था। आप हमेशा चाहते हैं कि आपकी टीम के बल्लेबाज़ बेहद आक्रमकता के साथ बल्लेबाजी कर के ज्यादा रन बनाए और आज हमारी टीम के लिए आज वह दिन अदभुत था।

हम वहां खेलने जा रहे हैं : सूर्यकुमार

टी-20 विश्व कप

- बायकॉट पर भारतीय कप्तान ने पाकिस्तान को धोया

मुंबई, एजेंसी

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ आईसीसी टी20 विश्व कप मैच के लिए कोलंबो जाएगी, फिर भले ही पड़ोसी देश ने मैच का बहिष्कार करने की घोषणा क्यों ना की हो। भारत को 15 फरवरी को अपने चिर प्रतिद्वंद्वी का सामना करना है लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट टीम को उसकी सरकार ने मैच में हिस्सा नहीं लेने के लिए कहा है क्योंकि सुरक्षा चिंताओं के कारण भारत में खेलने से इनकार करने के बाद बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को प्रतियोगिता में शामिल किया गया है। सूर्यकुमार ने यहां टूर्नामेंट से पहले कप्तानों की प्रेस मीट के दौरान कहा मुझे लगता है कि उनका फैसला मेरे नियंत्रण में नहीं है। काश मैं उनके फैसले ले पाता लेकिन यह उनका फैसला है। हम एशिया कप में भी खेले थे और हम उनके साथ तीन बार खेले थे। विश्व कप शनिवार से शुरू हो रहा है और भारत उसी शाम अपने पहले मैच में अमेरिका से भिड़ेगा। सूर्यकुमार ने कहा हमारी सोच काफी स्पष्ट है। हमने (पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से) मना नहीं किया है। उन्होंने किया है। आईसीसी ने कार्यक्रम तय किया। हमारी फ्लाइट की टिकट बुक हो गई है और हम वहां (कोलंबो) जा रहे हैं। उन्होंने कहा, टीम में चर्चा हुई है कि हम पहले सात फरवरी को खेल रहे हैं और फिर हम वहां जाएंगे। सूर्यकुमार ने कहा हमने उनके खिलाफ कुछ अच्छा क्रिकेट खेला है। हमें बताया गया है कि मैच 15 तारीख को है, मैच तटस्थ स्थल पर है और अगर हमें मौका मिलता है तो हम खेलेंगे। यह उनके (पाकिस्तानी खिलाड़ियों) के लिए भी एक मुश्किल फैसला है।

भारत के खिलाफ मैच हमारे नियंत्रण में नहीं : पाक कप्तान

कोलंबो। पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने अपने क्रिकेट बोर्ड के रुख को बरकरार रखते हुए बृहस्पतिवार को इस बात पर जोर दिया कि भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच का बहिष्कार करने का फैसला उनकी सरकार ने लिया था और यह उनके नियंत्रण में नहीं था। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ 15 फरवरी को यहां होने वाले अपने बहुप्रतीक्षित पुरुषों के टी20 विश्व कप ग्रुप लीग मैच का रविवार को बहिष्कार करने की घोषणा की। हालांकि पाकिस्तानी सरकार ने सात फरवरी से शुरू होने वाली प्रतियोगिता में राष्ट्रीय टीम की भागीदारी को मंजूरी दे दी। सलमान ने कप्तानों की प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा भारत का मैच हमारे नियंत्रण में नहीं है। यह सरकार और पीसीबी का फैसला है। वे जो भी कहेंगे, हम वही करेंगे। टी20 विश्व कप शनिवार को भारत और श्रीलंका के अलग-अलग स्टेडियम में शुरू होगा। अगर दोनों टीमें नॉकआउट में आमने-सामने होते हैं तो वे फिर सरकार द्वारा लिए गए फैसले का पालन करेंगे।

बांग्लादेश से एकता दिखाने के लिए किया विरोध : शरीफ

कराची। भारत के खिलाफ टी-20 विश्व कप के मैच के बहिष्कार को सही फैसला बताते हुए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने कहा कि बांग्लादेश के समर्थन के लिए यह सोच समझकर लिया गया फैसला है। पाकिस्तान सरकार ने अपनी क्रिकेट टीम को कोलंबो में भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाला मैच नहीं खेलने के लिए कहा है। इससे पहले सुरक्षा कारणों से भारत में खेलने से इनकार पर बांग्लादेश को विश्व कप से हटाकर स्कॉटलैंड को उसकी जगह शामिल किया गया। शरीफ ने यहां सरकार की एक बैठक के बाद कहा हमने टी20 विश्व कप पर स्पष्ट रूख अपनाया है कि हम भारत के खिलाफ नहीं खेलेंगे क्योंकि खेल के मैदान पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा हमने सोच समझकर यह रुख अपनाया है और हम पूरी तरह से बांग्लादेश के साथ हैं। मुझे लगता है कि यह बिल्कुल सही फैसला है।

अंडर-19 विश्व कप फाइनल में भारत का पलड़ा इंग्लैंड पर भारी

- बल्लेबाजों के शानदार फॉर्म से उम्मीदें बढ़ी
- मुकाबला दोपहर एक बजे से शुरू होगा

हरारे, एजेंसी

छठा खिताब जीतने की कोशिश में जुटी भारत की अंडर 19 क्रिकेट टीम जब आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में शुक्रवार को इंग्लैंड से खेलेगी तो उसकी उम्मीदें शानदार फॉर्म में चल रहे अपने बल्लेबाजों पर टिकी होंगी। अफगानिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने जीत दर्ज की जिसमें कप्तान आयुष म्हात्रे और सलामी बल्लेबाज आरोन जॉर्ज ने यादगार पारियां खेली।

इस जीत से पांच बार की चैम्पियन भारतीय टीम का हौसला बढा है जिसने पिछली बार 2022 में खिताब जीता था। भारत ने अमेरिका के खिलाफ पहले ग्रुप मैच से ही बेहतरीन खेल दिखाया है। सेमीफाइनल में 300 से अधिक के लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान को हराकर भारतीय टीम ने अपराजेय रिकॉर्ड कायम रखा। अब उसका सामना एक और अपराजेय टीम इंग्लैंड से होना है। भारत को बखूबी पता है कि गत चैम्पियन आस्ट्रेलिया को हराकर इंग्लैंड के हौसले बुलंद है और उसे हराना आसान नहीं होगा। भारत को एक ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन करना होगा और नजरें वैभव सूर्यवंशी पर भी लगी होंगी जिनके बल्ले से हो रही आतिशबाजी का जवाब तलाशने के लिये विरोधी गेंदबाज जूझते नजर आये हैं। अगले महीने 15 वर्ष के हो रहे सूर्यवंशी तीन अर्धशतक और एक शतक लगा चुके हैं।

इंग्लैंड के सामने उन्हें हालांकि संयम से खेलना होगा क्योंकि मैन्नी लुम्सडेन की अगुवाई में उसके पास मजबूत तेज गेंदबाजी आक्रमण है। भारत का अंडर 19 विश्व कप फाइनल में रिकॉर्ड अच्छा रहा है और दसवीं बार टीम फाइनल में पहुंची है। पिछली बार 2022 में वेस्टइंडीज में हुए टूर्नामेंट में भारत ने इंग्लैंड को ही हराया था। अफगानिस्तान के खिलाफ म्हात्रे के फॉर्म में लौटने से बल्लेबाजी और मजबूत हुई है। मध्यक्रम में विहान मल्होत्रा ने कई अच्छी पारियां खेली हैं जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू भी दो अर्धशतक लगा चुके हैं। दीपेश देवेंद्रन, हेनिल पटेल और आर एस अम्बरीश की मौजूदगी में भारतीय तेज आक्रमण भी अच्छा रहा है पर इंग्लैंड के बल्लेबाज तेज गेंदबाजों को खेलने में माहिर हैं। ऐसे में स्पिनर कनिष्क चौहान और खिलन पटेल की भूमिका अहम हो जाएगा हालांकि टीम संयोजन पिच की स्थिति पर निर्भर करेगा।

टीम

भारत : आरोन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, हरवंश पंगालिया, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, दीपेश देवेंद्रन, हेनिल पटेल, मोहम्मद एनान, उद्धव मोहन और किशन सिंह।

इंग्लैंड : थॉमस रियू (कप्तान), राल्फी अलबर्ट, अली फारूक, बेन डॉकिंस, कालेब फाकनेर, फरहान अहमद, एलेक्स फ्रेंच, एलेक्स ग्रीन, ल्यूक हैंड्स, इसाक मोहम्मद, मैन्नी लुम्सडेन, बेन मायेस, जेम्स मिंटो, जोसेफ मूरेस, सेबेस्टियन मोर्गन।

सुरुचि-राणा को एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा का रजत

एशियाई निशानेबाजी

नयी दिल्ली, एजेंसी

उभरती हुई निशानेबाज सुरुचि सिंह और विश्व चैंपियन सम्राट राणा को शानदार प्रदर्शन करने के बावजूद बृहस्पतिवार को यहां एशियाई चैंपियनशिप की 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा लेकिन भारत ने अपना दबदबा बनाते हुए स्वर्ण पदक की संख्या को 10 तक पहुंचा दिया।

रश्मिका सहगल और वंशिका चौधरी ने जूनियर महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल जबकि प्रियांशी पूर्वा और चहक कोहली इसी स्पर्धा के युवा वर्ग में शीर्ष दो स्थानों पर कब्जा जमाया। प्रतियोगिता के दो दिन के बाद भारत 10 स्वर्ण, पांच रजत और एक कांस्य पदक के साथ शीर्ष पर है जबकि उज्बेकिस्तान उससे काफी पीछे तीन स्वर्ण के साथ दूसरे पायदान पर है। उज्बेकिस्तान के लिए दिन का एकमात्र स्वर्ण पदक 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में निगीना सैदकुलोवा और मुखम्मद कमालोव ने जीता जिन्होंने 48 शॉट के फाइनल में सम्राट और सुरुचि को 479.6 के मुकाबले 481.3 अंक से हराया। पिछले साल चार आईएसएसएफ विश्व कप स्वर्ण पदक जीतने के अलावा सत्रांत विश्व कप फाइनल में शीर्ष पर रहीं 19 साल की सुरुचि और सम्राट ने 60 शॉट के क्वालीफिकेशन दौर में 10 टीम के बीच कुल 583 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत और उज्बेकिस्तान के अलावा वियतनाम (582 अंक, दूसरा) और चीनी ताइपे (575 अंक, चौथा) की जोड़ियां भी फाइनल में पहुंचीं।

एशियाई निशानेबाजी की मिश्रित विजेता टीम। एजेंसी

बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन ने की जीत से शुरुआत

अलीकांटे (स्पेन)। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने यहां बोक्सैम एलीट इंटरनेशनल 2026 में यूक्रेन की ओल्हा पिलिपचुक को आसानी से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की जबकि हितेश गुलिया भी अगले दौर में पहुंच गए जिससे भारतीय मुक्केबाजों ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा।

लवलीना महिलाओं के 75 किलोग्राम वर्ग में शानदार फॉर्म में थीं, उन्होंने तेज और सटीक मुक्कों के संयोजन से यूक्रेन की ओल्हा पिलिपचुक को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले में हराकर आसानी से अगले दौर में प्रवेश किया। पुरुषों के 70 किलोग्राम वर्ग में हितेश ने कनाडा के विन्सेंट सांटाओरिएलो को 5-0 से शिकस्त दी। लवलीना के अलावा भारत की अन्य महिला मुक्केबाजों ने भी दमदार जीत दर्ज कीं।

डेविस कप

नीदरलैंड्स के खिलाफ मुकाबले से पहले बोले भारत के नंबर एक एकल टेनिस खिलाड़ी

दिन-ब-दिन बेहतर महसूस कर रहा हूं : नागल

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत के नंबर एक एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह नीदरलैंड के खिलाफ भारत के डेविस कप मुकाबले से पहले कूल्हे की मामूली चोट से उबरने के दौरान दिन-ब-दिन बेहतर महसूस कर रहे हैं। नागल खराब फॉर्म और उसके कारण खराब नतीजों की वजह से मुश्किलों से भरे 2025 सत्र के बाद विश्व रैंकिंग में 281वें स्थान पर खिसक गए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन हफ्तों के एकाग्र रिहैबिलिटेशन ने उन्हें मुकाबले में उतरने से पहले आत्मविश्वास दिया है।

नागल ने ट्रेनिंग सत्र के बाद अच्छा महसूस कर रहा हूं, दिन-ब-दिन बेहतर महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा मैं पिछले दो-तीन हफ्तों से बहुत मेहनत कर रहा हूं। मेरे लिए शिविर बैंकॉक के ठीक बाद शुरू हो गया था। मुझे वहां इतना अच्छा महसूस नहीं हो रहा था लेकिन मैं उसी रात वापस आ गया, अपना रिहैब शुरू किया और सच कहूं तो मुझे कोई शिकायत नहीं है। मैंने डेविस कप के लिए तैयार होने के लिए वह सब कुछ किया जो मैं कर सकता था। इस 27 वर्षीय खिलाड़ी को बैंकॉक में कूल्हे में चोट लगी थी और उन्होंने माना कि उबरने का दौर मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण था। इस सुझाव के बावजूद कि धीमे कोर्ट भारत के लिए बेहतर हो सकते थे नागल ने बेंगलुरु में मुकाबला आयोजित करने के फैसले का समर्थन किया और नीदरलैंड के खिलाड़ियों की ताकत की ओर इशारा किया।

उन्होंने कहा (जेस्पर) डि जोंग और गाय (डेन ओडेन), वे दोनों क्ले कोर्ट पर बहुत अच्छे हैं। उन्होंने उस सतह पर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए, मुझे लगता है कि यह अच्छा हुआ कि हमने बेंगलुरु को चुना। मैं यहां सहज हूं, मैंने अपने करियर में इन परिस्थितियों में खेलते हुए बहुत समय बिताया है। नागल ने परिचित माहौल के महत्व पर भी जोर दिया और आयोजन स्थल तय होने के बाद अपना ट्रेनिंग स्थल बेंगलुरु में स्थानांतरित कर लिया था। नागल ने कहा जब हमें पता चला कि डेविस कप यहां होने वाला है तो हमने अपना शिविर स्थानांतरित कर लिया।

युगल दूसरे दर्जे का प्रारूप नहीं: भांबरी

बेंगलुरु। एक समय भारत के बेहतरीन एकल खिलाड़ियों में गिने जाने वाले युकी भांबरी का करियर एक अप्रत्याशित लेकिन सीखने वाला सफर रहा है। एटीपी रैंकिंग में शीर्ष 100 में आने के तुरंत बाद चोटों ने उनके एकल करियर को रोक दिया। प्रायोजन की अनिश्चितता ने चुनौतियों को और बढ़ा दिया और जो उम्मीदें लोगों ने देखीं थी वे उस प्रारूप में काफी हद तक अधूरी रह गईं। युकी खुद को भारत के शीर्ष युगल खिलाड़ी के तौर पर अपने पेशेवर जीवन के सबसे सफल दौर में पाते हैं। पिछले 18 महीने में उन्होंने चार एटीपी खिताब जीते, एक ग्रैंडस्लैम सेमीफाइनल खेला और यह इस बात का एक उदाहरण है कि एलीट स्तर के प्रतिभावान खिलाड़ी के लिए क्या कर सकता है।